वर्ष 73 ▸ अंक 122 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, शुक्रवार 30 जनवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

आपको वह नहीं मिलता
जो आप चाहते हैं, बल्कि
वही मिलता है, जिसके
आप योग्य हो।
-अज्ञात

वित्त वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की स्थिति बेहतर

संसद में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को देश का आर्थिक रिपोर्ट कार्ड यानी इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश किया। सर्वे में मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बताया है वित्त वर्ष 2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 6.8 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत की रेंज में रहने का अनुमान है। सर्वे में नागेश्वरन ने कहा कि पिछले साल अगस्त से अमेरिका के कुछ भारतीय आयातों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए जाने के बाद ग्रोथ के अनुमान घटाए गए थे। हालांकि, बाद में स्ट्रक्चरल सुधारों और नीतिगत कदमों के चलते ग्रोथ में तेजी आई।

इनमें पिछले बजट में घोषित आयकर कटौती, जीएसटी टैक्स में बड़े बदलाव और लेबर कोड में बदलाव जैसे कदम शामिल है, जिनसे घरेलू मांग और आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिला। नागेश्वरन ने 2026 के लिए 3 संभावित वैश्विक परिदृश्यों का उल्लेख किया। पहला, 2025 की नाजुक निरंतरता, दूसरा परिदृश्य दुनिया में उथल-पुथल और तीसरा, कम संभावना वाला परिदृश्य सिस्टेमेटिक झटके का है।

सर्वे से जुड़ी 7 अहम बातें

1. **महंगाई :** सर्वे के मुताबिक-आरबीआई और आईएमएफ ने अनुमान जताया है कि महंगाई दर धीरे-धीरे बढ़ेगी। यह 4 प्रतिशत के तय लक्ष्य (± 2 प्रतिशत) के दायरे में बनी रहेगी। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली और दूसरी तिमाही में महंगाई दर 3.9 प्रतिशत और 4 प्रतिशत रह सकती है।
2. **जीडीपी :** अनुमान जताया है कि अगले वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.2 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वैश्विक तनाव और अस्थिरता के बावजूद भारतीय इकोनॉमी की रफ्तार मजबूत बनी हुई है। सर्वे के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में विकास दर 7.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।
3. **नौकरी:** 2026 की दूसरी तिमाही यानी अप्रैल-जून 2025 में भारत में 15 साल से ज्यादा उम्र के 56.2 करोड़ लोग रोजगार में थे। 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-

जून 2025) के मुकाबले दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) में करीब 8.7 लाख नई नौकरियां पैदा हुईं। टैक्स सुधार, नियमों के सरलीकरण और राज्यों द्वारा किए गए श्रम सुधारों से इंडस्ट्रियल और सर्विस सेक्टर में भर्तियां हुई हैं।
4. **खेती-किसानी-** 2026 में एग्रीकल्चर ग्रोथ 3.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। 2024-25 में अनाज की पैदावार 3,320 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जिससे महंगाई को काबू में रखने में काफी मदद मिली है। फोकस सिर्फ पैदावार बढ़ाने पर नहीं, बल्कि किसानों की आय सुरक्षित करने और बेहतर स्टोरेज सुविधाओं पर भी है।
5. **सरकारी कर्ज-** सरकार ने राजकोषीय घाटे को कम करने का लक्ष्य तय समय से पहले हासिल कर लिया। वित्त वर्ष 2025 में यह जीडीपी का 4.8 प्रतिशत रहा, सरकार ने 2026 के लिए 4.4 फीसदी का लक्ष्य रखा। घाटा कम होने का मतलब है- मजबूत इकोनॉमी और कम महंगाई।
6. **विदेशी मुद्रा भंडार-** दुनियाभर में मंदी की आहट के बीच भारत की विदेशी मुद्रा भंडार 2023-2024 में 668 बिलियन डॉलर था। ये 2024-2025 में बढ़कर 701 बिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह भंडार जितना भरा होगा, डॉलर के मुकाबले हमारा रुपया उतना ही मजबूत रहेगा।
7. **एक्सपोर्ट:** दुनिया भर के व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद भारत का कुल एक्सपोर्ट (सामान और सर्विस) वित्त वर्ष 2025 में 825.3 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह रफ्तार वित्त वर्ष 2026 में भी जारी है।

प्रधानमंत्री बोले-सरकार की पहचान रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म

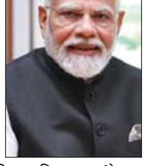

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार की पहचान रही है, रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म। अब हम रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़े हैं। यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। यह दूसरे चौथाई की शुरुआत है। 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये 25 साल बहुत अहम हैं। पीएम ने कहा, सांसदों को धन्यवाद देता हूं कि वो इस तरफ लगातार काम कर रहे हैं। हमारे हर निर्णय में देश की प्रगति लक्ष्य है। हमारे सारे फैसले ह्यूमन सेंट्रिक हैं। हमारी योजनाएं ह्यूमन सेंट्रिक हैं। हम टेक्नोलॉजी को आत्मसात भी करेंगे, लेकिन साथ-साथ हम मानव केंद्रित व्यवस्था को कम नहीं आंकेंगे। भारत की डेमोक्रेसी और डेमोग्राफिक से आज दुनिया की बहुत बड़ी उम्मीद है। विश्व इसका जरूर स्वागत करता है और स्वीकार भी करता है। देश आज आगे बढ़ रहा है। देश आज व्यवधान का नहीं, समाधान की तरफ बढ़ रहा है।

(40 हजार गिग वर्कर्स की कमाई 15 हजार से कम पेज-9 पर)

ऑफ बीट

521 भाषाओं में गाकर कहा 'आई लव यू'

41 साल के इस संगीतकार ने नन्हें से बेटे के लिए भावुक करने वाला गाना बनाया। इस गीत में उन्होंने 500 से ज्यादा भाषाओं में बेटे को 'आई लव यू' कहा है, जो हर पिता के दिल को छू रहा है। फिलिप हॉलौन डेनमार्क के रहने वाले हैं और पेशे से संगीतकार और रचनात्मक उद्यमी हैं। उन्होंने बेटे विलियम के पहले जन्मदिन के मौके पर 521 भाषाओं वाला गाना बनाया। उन्होंने भाषाओं की संख्या को भी सोच-समझकर चुना था। हॉलौन ने 500 के बाद 21 भाषाएं और जोड़ीं, क्योंकि विलियम का जन्म 21 मई को हुआ था। खूबसूरत तोहफे के जरिए उन्होंने 'सबसे ज्यादा भाषाओं वाले गाने' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हॉलौन डेनिश के साथ अंग्रेजी, अरबी, हिब्रू, फ्रेंच और चीनी भाषाएं बोल लेते हैं। अन्य भाषाओं में आई लव यू कहने के लिए उन्होंने इंटरनेट जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया था।

शीर्ष अदालत ने नए नियमों पर लगाई रोक

यूजीसी नियम अस्पष्ट दुरुपयोग की आशंका

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सवर्णों की दलीलों से सहमत होते हुए गुरुवार को यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच ने कहा, इसके प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल, राहुल दीवान की याचिकाओं पर की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि नए नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इनका देशभर में विरोध हो रहा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई अब 19 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा,फिलहाल 2012 के यूजीसी नियम देशभर में लागू रहेंगे। यूजीसी के नए कानून 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स-2026' के तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी ओबीसी छात्रों के खिलाफ जातीय भेदभाव रोकने कई निर्देश दिए गए। नए नियमों के तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में विशेष समितियां, हेल्पलाइन, मॉनिटरिंग टीमें बनाने का निर्देश दिया गया।

(यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट...पेज-8)

...तो क्या उपाय: सीजेआई

एडवोकेट विष्णु शंकर जैन: हम नियम 3(सी) को चुनौती दे रहे हैं, जो जाति आधारित भेदभाव को परिभाषित करता है। यह पूरी तरह से संकीर्ण है! 'भेदभाव' की परिभाषा व्यापक है।

सीजेआई: हम संवैधानिकता और वैधता की सीमा पर ही जांच कर रहे हैं। मान लीजिए कि दक्षिण भारत या उत्तर पूर्व का कोई छात्र उत्तर भारत में एडमिशन लेता है। ऐसे छात्र के खिलाफ कुछ व्यंग्यात्मक, अपमानजनक टिप्पणियां की जाती हैं... यहां तक कि टिप्पणी करने वालों की पहचान भी अज्ञात है... क्या यह प्रावधान इस मुद्दे का समाधान करेगा?

एक अन्य एडवोकेट: रैगिंग भी एक मुद्दा है, जब मैं नया स्टूडेंट हूं, तो मेरी शक्ल-सूरत से पता चल जाएगा कि मैं नया हूं। अगर मैं विरोध करता हूं शिकायत करने की हिम्मत करता हूं, तो मुझ पर क्रॉस-केस चलाया जाएगा। रैगिंग की परिभाषा तक नहीं दी।

सीजेआई : आरक्षित समुदायों में भी कुछ लोग समृद्ध हो गए हैं...। कुछ समुदाय दूसरों की तुलना में बेहतर सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं। मान लीजिए कि अनुसूचित जाति के किसी छात्र ने दूसरे समुदाय के छात्र के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, तो क्या इसका कोई उपाय है?

सोयाबीन के बाद मूंगफली और सरसों की फसलों पर भी भावांतर देगी सरकार

किसान हमारी अर्थव्यवस्था के कर्णधार : सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मूंगफली और सरसों की फसल उगाने वाले किसानों को भी राज्य सरकार भावांतर भुगतान के दायरे में लाएगी। यह घोषणा गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की तरह ही इन फसलों के उत्पादक किसानों को भी फसल का उचित और पूरा दाम सुनिश्चित किया जाएगा,क्योंकि किसान हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था के कर्णधार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर के मल्हारगढ़ में अन्नदाता सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना की अंतिम किस्त के रूप में प्रदेश के 1 लाख 17 हजार किसानों के खातों में लगभग 200 करोड़ रुपए अंतरित किए। सीएम ने कहा,किसान हमारे अन्नदाता हैं, इन्हें कोई भी परेशानी हो, कठिनाई हो, तो हमारी सरकार किसानों का संबल और इनकी ढाल बनकर हमेशा साथ खड़ी है। सीएम ने कहा, मप्र देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने किसानों के हित में सबसे पहले भावांतर राशि को शासकीय व्यवस्था से भुगतान करने की योजना लागू की। इससे सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी फसल का पूरा दाम मिला है। मप्र की पहचान किसानों के पसीने, उनके धैर्य और अटूट परिश्रम से ही है। हम हर अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा दाम दिलाएंगे। उन्होंने कहा है राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष-2026 में किसानों को कृषि आधारित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्करण से उपज में वैल्यू एडीशन करने से जोड़ा है। अब हमारे प्रदेश का किसान खुद अपनी उपज की प्रोसेसिंग करेगा, जिससे उसे उसकी उपज का भरपूर दाम मिलेगा। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाते हुए उनकी समृद्धि में कोई कमी नहीं रहने देगी। प्रदेश के सभी पात्र किसानों को भावांतर योजना से फसल का समुचित दाम मिल रहा है। डॉ. यादव ने घोषणा कि हमारी सरकार आने वाले सालों में सरसों और मूंगफली की फसल को भी भावांतर भुगतान योजना के दायरे में लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के युवाओं को एक लाख नौकरियां देने का वादा किया था। इसमें से अब तक 60 हजार पदों पर भर्ती की जा चुकी है। अगले 5 साल में प्रदेश के ढाई लाख पदों पर नई नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि मंदसौर और नीमच में मेडिकल कॉलेज पहले ही बन चुके हैं।

अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपा

सम्मेलन के दौरान सीएम ने एक दुर्घटना में जान की बाजी लगाकर 4 लोगों की जिंदगी बचाने वाले स्व. मनोहर सिंह चौहान के पुत्र संजय सिंह को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया। सीएम ने कहा कि यह शौर्य का सम्मान है। उन्होंने कपास उत्पादन की बात करते हुए कहा कि मप्र ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन में भी विशेष स्थान रखता है। देश के पहले पीएम मित्र पार्क से 6 लाख किसानों को लाभ मिलेगा और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

आर्यन को राहत, समीर वानखेड़े को झटका

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट से शाहरुख खान के बेटे और डायरेक्टर आर्यन खान को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने पूर्व एनसीबी अफसर समीर वानखेड़े के मानहानि के मुकदमे को खारिज कर दिया है। समीर ने आर्यन के नेटफ्लिक्स शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के खिलाफ मानहानि का केस दायर किया था। उनका कहना था कि शो के कुछ हिस्सों में उनकी ओर इशारा कर मजाक बनाया गया है। आर्यन की सीरीज में एक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अफसर को दिखाया गया था। ये अफसर एक नशा कर रहे डीजे के पास जाता है। डीजे बताता है कि वो स्टार किड नहीं है और दूसरे लड़के की तरफ इशारा करता है।

उमेश जोगा 15 माह बाद फिर परिवहन आयुक्त

14 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों की नए सिरे से की जमावट

भोपाल। राज्य सरकार ने गुरुवार को पुलिस के वरिष्ठ 14 अधिकारियों को बदलकर नए सिरे से जमावट की है। लंबे समय तक इंदौर और भोपाल में पुलिस आयुक्त रहे हरिनारायण चारी की जगह संजय कुमार को नगरीय पुलिस की कमान सौंपी है, तो लगभग 15 माह बाद एडीजी उमेश जोगा की परिवहन विभाग में फिर से वापसी हुई है। अक्टूबर 2024 तक परिवहन विभाग के अपर आयुक्त रहे जोगा अब विभाग के मुखिया (आयुक्त) होंगे। गृह विभाग ने गुरुवार दोपहर को एडीजी और आईजी स्तर के 14 अधिकारियों के दायित्व बदल दिए। इनमें कई अधिकारियों से मैदानी कमान लेकर उन्हें पुलिस मुख्यालय भेजा है, तो कुछ अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी है। इस फेरबदल में सबसे बड़ा फेरबदल भोपाल नगरीय पुलिस के कमिश्नर रहे हरिनारायण चारी मिश्र का रहा। कहा जा रहा है कि चारी प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने वाले

■ शेष पृष्ठ 7 पर

उमेश जोगा

एसआईआर के खिलाफ सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर ली है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को एसआईआर प्रक्रिया में सभी राज्यों में नियमों का सही ढंग से पालन करना चाहिए। तमिलनाडु में जिन लोगों का नाम स्पेलिंग एरर के चलते काटा गया है। उनकी लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, सब-डिवीजन के तालुका ऑफिस और शहरी इलाकों के वार्ड ऑफिस में लगाई जाए। उधर, याचिकाकर्ता की तरफ से पेश एडवोकेट प्रशांत भूषण ने दलील दी कि नई वोटर लिस्ट बनाने की कोशिश में महिलाओं के नाम कट रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। गरीब और कमजोर लोगों पर बोझ डाला गया। वोटर को खुद फॉर्म भरने की जिम्मेदारी दी गई है।

कहा-सभी राज्यों में नियमों का सही ढंग से पालन किया जाए

बीजापुर में 2 नक्सली ढेर गोला-बारूद बरामद

बीजापुर, जेएनएन। जिले के दक्षिण क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर, सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान गुरुवार को भीषण मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में अब तक 2 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। मौके से एके-47 राइफल, 9 एमएम पिस्टल सहित अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। बीजापुर एसपी से मिली जानकारी के अनुसार, डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इसी दौरान सुबह करीब 7 बजे माओवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालते हुए माओवादियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। मुठभेड़ रुक-रुककर काफी देर तक चलती रही। पुलिस अधीक्षक ने बताया की सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से दो माओवादियों के शव बरामद हुए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सुरक्षाबलों की कार्रवाई प्रभावी रही है। बरामद हथियारों से माओवादियों की घातक मंशा का भी पता चलता है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों पर बड़ा असर डालेगी। सुरक्षा कारणों से मुठभेड़ के सटीक स्थान, ऑपरेशन में शामिल जवानों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारियां फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जवानों की सुरक्षा सर्वोपरि है। मुठभेड़ के बाद आसपास के जंगलों और संभावित ठिकानों में सघन सर्चिंग अभियान लगातार जारी है। अतिरिक्त बलों को भी अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

20.47 करोड़ रु. की हेराफेरी के मास्टरमाइंड कमल राठौर समेत 6 के खिलाफ चालान पेश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। अलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा में ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर (बीईओ) के दफ्तर में हुए 20.47 करोड़ रुपए के घोटाले के मास्टरमाइंड कमल राठौर समेत 6 लोगों के खिलाफ इंदौर की स्पेशल कोर्ट में ईडी ने चार्जशीट पेश कर दी है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि अप्रैल 2018 से जुलाई 2023 के बीच शिक्षा विभाग के कर्मचारी कमल राठौर ने सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी बिलों के जरिए सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए निकाले। सरकार का यह पैसा बच्चों की शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के लिए था, जिसे मिलीभगत कर हड़पा गया था। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि घोटाले से मिली रकम से आरोपियों ने आलीशान मकान और फॉर्म हाउस खरीदे। ईड इस मामले में मुख्य आरोपी कमल राठौर की 4.3 करोड़ रुपए की 14 संपत्तियों को पहले ही अटैच कर चुकी है। ईडी ने पिछले साल इस मामले को लेकर अलीराजपुर, कट्ठीवाड़ा, इंदौर समेत कई स्थानों पर छापे मारे थे। इस घोटाले का सूत्रधार कमल राठौर इस दौरान फरार हो गया था। ईडी को इन ठिकानों से 15 लाख की नकदी भी मिली थी, जिसे जब्त किया गया था। ईडी की टीम ने उसे विगत 7 अगस्त को ही राजस्थान से गिरफ्तार किया था। वह जेल में है। कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर कमल समेत 6 आरोपियों को नोटिस जारी किए हैं। इस मामले का खुलासा राच्य सरकार द्वारा कराए गए ऑडिट के बाद हुआ था। इस मामले में प्रारंभिक केस अलीराजपुर के कट्ठीवाड़ा थाने में दर्ज कराया गया था। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने पिछले साल कार्रवाई शुरू की थी।

135 खातों में रकम हुई ट्रांसफर

खुलासा हुआ कि 2018 से 2024 के बीच बीईओ ऑफिस कट्ठीवाड़ा में कुल 20 करोड़ 47 लाख 12 हजार 727 रुपए का गबन हुआ। इसके तहत फर्जी बिलों के जरिए 135 अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर की गई। हैरानी की बात ये है कि इनमें से 35 बैंक खाते राठौर सरनेम वाले कमल के परिजनों के थे। इसके अलावा उसने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के खातों में भी सरकारी राशि भेजी। इस केस में तत्कालीन 3 बीईओ, 2 एकाउंटेंट और 1 हेडमास्टर को आरोपी माना गया है। गबन की ये राशि पेंशन, वेतन, एरियर और स्कॉलरशिप के फर्जी बिल बनाकर निकाली गई थी। इस राशि को निकालने के लिए बैंक खातों के आईएफएमएस से छेड़छाड़ की गई।

सिनेमा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पत्नी मेलानिया पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म में दर्शकों की दिलचस्पी नहीं

डॉक्यूमेंट्री फ्लॉप, लंदन प्रीमियर का एक टिकट बिका

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पत्नी मेलानिया पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म ब्रिटेन में फ्लॉप हो गई है। देश के सबसे बड़े सिनेमा संचालकों में से एक व्यू सिनेमा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम रिचर्ड्स ने बताया कि फिल्म 'मेलानिया' को लेकर दर्शकों में कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है। लंदन के इस्लिंगटन इलाके में स्थित एक प्रमुख सिनेमाघर में शुक्रवार को दोपहर 3:10 बजे होने वाले पहले शो के लिए सिर्फ एक टिकट बिका। वहीं शाम 6 बजे के शो के लिए भी महज दो टिकट बुक हुए। ब्रिटेन के ब्लैकबर्न, कैसलफोर्ड और हैमिल्टन में जिन सिनेमाघरों में फिल्म मेलानिया दिखाई जानी थी, वहां हालात और भी खराब रहे। इन तीनों जगहों पर फिल्म की कुल 28 स्क्रीनिंग रखी गई थीं, लेकिन एक भी शो के लिए टिकट नहीं बिका। इस डॉक्यूमेंट्री में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प और मेलानिया ट्रम्प के दोबारा जीतने के बाद व्हाइट हाउस में वापसी की कहानी है। फिल्म में शपथ ग्रहण से पहले के 20 दिनों की झलक दिखाई गई है। अमेजन ने डॉक्यूमेंट्री को ब्रिटेन के 100 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज कर रही है। 24 जनवरी को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति, प्रथम महिला और उनके करीबी दोस्तों के लिए एक निजी स्क्रीनिंग हुई थी। 24 जनवरी को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति, प्रथम महिला और उनके करीबी दोस्तों के लिए एक निजी स्क्रीनिंग हुई थी।

अमेजन ने फिल्म के राइट 340 करोड़ में खरीदे

अमेजन स्टूडियोज ने इस फिल्म के राइट्स 40 मिलियन डॉलर यानी लगभग 340 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। इसके अलावा कंपनी ने वैश्विक मार्केटिंग पर 35 मिलियन डॉलर (321 करोड़ रुपये) खर्च किए हैं। निर्माताओं को इसके हिट होने की उम्मीद थी, फिल्म 30 जनवरी को थिएटर्स में आएगी। यह अमेरिका में करीब 1,400-2,000 थिएटर्स और दुनियाभर में 27 देशों में 5,000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होगी।

मेलानिया ने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में कहा

यह फिल्म अमेरिका के लिए एक अहम दौर को दिखाती है। पहली बार लोग शपथ ग्रहण से पहले के 20 दिन एक आने वाली प्रथम महिला की नजर से देख पाएंगे। उन्होंने बताया कि उन्हें इस डॉक्यूमेंट्री का विचार 2024 का चुनाव जीतने के बाद आया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके जीवन को करीब से समझने का मौका देगी।

डॉक्यूमेंट्री में मेलानिया का निजी जीवन भी दिखाया

मेलानिया के निजी और सार्वजनिक जीवन को दिखाया गया है। इसमें बिजनेसवुमन, पत्नी और मां की भूमिका निभाने के साथ परिवार को दोबारा व्हाइट हाउस शिफ्ट कराने की जिम्मेदारी भी दिखाई गई है। फिल्म के ट्रेलर में मेलानिया कहती हैं, हर कोई जानना चाहता है, तो ये रहा। एक सीन में शपथ ग्रहण के दिन मेलानिया कैपिटल बिल्डिंग में खड़ी नजर आती हैं और कैमरे की ओर देखते हुए कहती हैं, हम फिर से यहां हैं।

छवि को फायदा

एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह डॉक्यूमेंट्री मेलानिया की छवि को बेहतर बना सकती है। इतिहासकार कैथरीन सिबली के मुताबिक, यह फिल्म अमेरिकी जनता के सामने मेलानिया की छवि को नए तरीके से पेश करने की कोशिश है। मेलानिया ट्रम्प ने कहा कि वह प्रथम महिला की पारंपरिक जिम्मेदारियां निभाने पर गर्व महसूस करती हैं, जैसे राजकीय भोज, ईस्टर एग रोल और क्रिसमस सजावट। इसके साथ ही वह समाज पर सकारात्मक असर डालना भी चाहती हैं। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी है। उनकी पहल पर 'टेक इट डाउन एक्ट' पास हुआ, जिसके तहत बिना अनुमति निजी तस्वीरें ऑनलाइन डालना अपराध है।

न्याय की तैयारी कर रहे असमर्थ विद्यार्थी को रेड हार्ट फाउंडेशन का सहयोग

रीवा। एलएलबी करने के बाद जज बनने की तैयारी कर रहे असहाय विद्यार्थी संजय साकेत को पढ़ाई के लिए आवश्यक पुस्तकों की जरूरत थी। उनकी इस आवश्यकता को समझते हुए रेड हार्ट फाउंडेशन के संस्थापक दीपक सिंह बघेल जी ने जज की तैयारी से संबंधित किताबें कोर्ट परिसर में उपलब्ध कराई।

इस सहयोग से संजय साकेत के सपनों को नई मजबूती मिली है। रेड हार्ट फाउंडेशन द्वारा समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सहयोग किया जा रहा है, जिससे वे अपने लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

ADVT

तिराहे पर खुला नाला बन सकता है जानलेवा

रीवा। समान तिराहे पर स्थित पाल पैलेस, वी-2 के बगल से कॉलोनी के अंदर जाने वाली कॉलोनी के पहुंच मार्ग पर स्थित खुला नाला जानलेवा बना हुआ है। काफी चौड़े व गहरे इस नाले को उपर से ढंका नहीं गया है, जिससे कभी भी यहां पर दुर्घटना घटने से इंकार नहीं किया जा सकता। शहर भर में चलने वाले वाहनों में कई लोग गति पर नियंत्रण न रखते हुए अंध गति से वाहन दौड़ा रहे हैं, जिसके चलते आए दिन कहीं न कहीं दुर्घटनाएं घट रही हैं,मुख्य मार्ग और कॉलोनी जाने के लिए नाले के बगल से रास्ता होने से तीनों ओर से तेज गति से वाहनों का आवागमन होता है। जिससे कभी भी यह खुला नाला लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

बिना अनुमति संचालित बालाजी मैरिज गार्डेन बारात घर में निगम ने जड़ा ताला

शहर में चल रहे अवैध मैरिज गार्डनों पर नगर निगम द्वारा की जा रही कार्रवाई

जागरण, रीवा। शहर की हर गली में खाली पड़ी जमीनों एवं प्लॉटों में बिना अनुमति के खुले बारात घरों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इन बारात घरों को नगर निगम द्वारा लगातार नोटिस के माध्यम से कार्यवाही की चेतावनी दी जाती है। इसके बावजूद अनेक बारात घर संचालक न तो पंजीयन करा रहे हैं और न ही नियमों का पालन कर रहे हैं। शहर में अनेक ऐसे बारात घर है जिनके पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है फिर भी धड़ल्ले से चल रहे हैं। कई बारात घरों में एक के अलावा दूसरा गेट तक नहीं है लेकिन इन पर कार्यवाही के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। नगर निगम रीवा द्वारा निगमायुक्त के निर्देश पर अनाधिकृत रूप से संचालित मैरिज गार्डनों के विरुद्ध कार्यवाही अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर निगम टीम द्वारा वार्ड क्र. 08 अंतर्गत बिना नगर निगम के अनुज्ञा प्राप्त किए हुए संचालित बारात घर पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए बाला जी मैरिज गार्डेन पर तालाबंदी की कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई में सहायक राजस्व अधिकारी नीलेश चतुर्वेदी सहित नगर निगम का अमला उपस्थित रहा। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, जिससे शहर में अवैध रूप से संचालित बारात घरों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके एवं सभी बारात घर शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

संपत्तिकर वसूली के लिए नगर निगम का सख्त एक्शन निरंतर जारी

कुर्की कार्यवाही से बचने 3 बड़े बकायादारों ने मौके पर चुकाया टैक्स

संपत्तिकर की वसूली में कारगर साबित हो रही निगमायुक्त की योजना

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा संपत्तिकर वसूली के लिए शहर के लोगों की मानसिकता को भांपते हुए ऐसा तरीका खोज निकाला है कि जैसे राजस्व टीम किसी भी बड़े बकायादार के घर या प्रतिष्ठान में कुर्की की कार्यवाही के लिए पहुंचती है तो बकायादार बेइज्जत होने से बचने के लिए तुरंत बकाया टैक्स जमा कर देते हैं। निगमायुक्त द्वारा बनाई गई यह योजना संपत्तिकर की वसूली के लिए बेहद कारगर साबित हो रही है। जिस संपत्तिकर की वसूली के लिए राजस्व शाखा के कर्मचारी बार-बार जाने के बाद भी नहीं वसूल पाते थे, वही टैक्स अब बकायादार कुर्की की कार्यवाही के भय से हाथों-हाथ जमा कर रहे हैं। शहर के विकास कार्यों को गति देने और राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर निगम रीवा द्वारा संपत्तिकर वसूली को लेकर प्रभावी एवं निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम रीवा की राजस्व टीम द्वारा बड़े संपत्तिकर बकायादारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए कुर्की एवं तालाबंदी की कार्यवाही का अभियान निरंतर जारी है। संपत्तिकर के वसूली अभियान को तेज करते हुए नगर निगम राजस्व टीम ने गुरुवार को जोन क्रमांक-03 वार्ड क्र. 15 अंतर्गत कार्यवाही के दौरान हीरामणि शुक्ला की बकाया सम्पत्तिकर राशि 107880 रु., अमित कुमार दुबे की बकाया सम्पत्तिकर राशि 42249 रू. एवं संजीव सिंह की बकाया सम्पत्तिकर राशि 105594 रु. तत्काल मौके जमा की गई। इस दौरान नगर निगम उपायुक्त, सहायक आयुक्त, राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, अतिक्रमण प्रभारी एवं उपराजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे। इसके साथ ही नगर निगम की राजस्व टीम ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि न जमा करने वालो पर इसी तरह की तालाबंदी एवं कुर्की की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। नगर निगम रीवा ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे समय पर अपना संपत्तिकर एवं अन्य करों का भुगतान कर नगर के विकास कार्यों में सहभागी बनें।

भोपाल की टीम की अनुशंसा हाशिए पर, अब तक नहीं हुई गायनेकोलॉजिस्ट पर बर्खास्तगी की कार्यवाही

एचओडी को तो उपकृत भी कर दिया, लगातार हो रही शिकायतें फिर भी सेफ जोन में सोनल अग्रवाल?

जागरण, रीवा

जिन दो महिला डॉक्टरों के कारण प्रदेशभर में रीवा के मेडिकल कॉलेज की बदनामी हुई। डीन और अधीक्षक पर गाज गिरी, अब उन्हें ही प्रबंधन बचाने में लगा है। भोपाल की जांच टीम की अनुसंशा के बाद भी डॉ सोनल अग्रवाल को नौकरी बर्खास्त करने और डॉ बीनू सिंह की तीन इंक्रीमेंट रोकने का प्रस्ताव रखा गया था लेकिन कार्यकारिणी की बैठक से एजेंडा ही गायब कर दिया गया। इसके बाद से इन्हें लगातार बचाया जा रहा है। जबकि बीच में गायनी विभाग में इन्हीं के चलते लंबा विवाद भी रहा। ज्ञात हो कि श्याम शाह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जीएमएच में मझियार तहसील मऊगंज निवासी एक महिला को प्रसव के लिए भर्ती किया गया था। महिला को बेहतर इलाज मिले, इसके लिए तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने सिफारिश की थी। इसके बाद भी स्त्री रोग विभाग में पदस्थ डॉ.सोनल अग्रवाल ने मरीज को निजी अस्पताल भेज दिया था। वहीं पर इलाज किया। इस बात को लेकर प्रदेशभर में बवाल मचा। विधानसभा तक मामला पहुंचा। तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने चिकित्सा शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर स्पेशल जांच कर दोषियों पर कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था। विधानसभा अध्यक्ष की नाराजगी का असर भी हुआ। भोपाल से जांच करने आई टीम को एचओडी डॉ.बीनू सिंह और इलाज करने वाले डॉ.सोनल अग्रवाल की लापरवाही मिली। इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई की अनुसंशा की गई। इसी अनुसंशा के आधार पर कार्रवाई का प्रस्ताव कार्यकारिणी की बैठक में रखा गया। डॉ बीनू सिंह प्राध्यापक प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के खिलाफ तीन वेतन वृद्धि रोकने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं डॉ.सोनल अग्रवाल को सेवा से ही पृथक किए जाने का प्रस्ताव रखा गया लेकिन फैसला कमिश्नर नहीं ले पाए।

कार्यकारिणी की बैठक में यह हुए थे आदेश

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज की कार्यकारिणी की बैठक 29 मार्च 2023 में दोनों डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव रखा गया था। इस पर कार्रवाई की स्वीकृति कमिश्नर ने प्रदान कर दी थी। डॉ.सोनल अग्रवाल की बर्खास्तगी की कार्रवाई के मामले में स्पष्ट लेख किया गया है कि कार्यकारिणी समिति के सदस्य सचिव होने के नाते मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा प्रकरण प्रस्तुत किए जाने पर समिति द्वारा निर्देशित किया गया है कि डॉ सोनल अग्रवाल सहायक प्राध्यापक के प्रकरण पर आदर्श सेवा भर्ती नियम 2018 में किए गए प्रावधान के अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता स्वयं कार्यवाही के लिए सक्षम अधिकारी हैं। अधिष्ठता अपने स्तर पर शासन के नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिसके बाद दो बार एजेंडा को बैठक में शामिल किया गया लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

भोपाल से आई जांच टीम ने की थी कार्रवाई की अनुशंसा

जीएमएच रीवा के स्त्री एवं प्रसूति विभाग में 10 जनवरी 2023 को मरीज अनिता तिवारी पति हंसराज मिश्रा ग्राम मझियार तहसील मऊगंज को प्रसव के लिए भर्ती किया गया था। अस्पताल में सही ट्रीटमेंट नहीं मिलने पर तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने भी सिफारिश की थी। इसके बाद भी मरीज को वहां पदस्थ डॉ सोनल अग्रवाल ने निजी नर्सिंग होम भेज दिया था। इससे नाराज होकर विधानसभा अध्यक्ष ने चिकित्सा शिक्षा मंत्री को कड़ा पत्र लिखा था। मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। विधानसभा की नाराजगी के बाद ही भोपाल से जांच के लिए 4 सदस्यीय टीम रीवा आई थी। समिति ने 13 और 14 फरवरी को शिकायत की जांच की थी। जांच में डॉ सोनल अग्रवाल पर लगे आरोप सही पाए गए थे। जांच में पाया गया था कि अनिता तिवारी को 11 जनवरी 2023 को सुबह 10.18 बजे डॉ.सोनल अग्रवाल की देख रेख में निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। 10 हजार 500 रुपए डॉ.सोनल अग्रवाल के नाम पर आईपीडी बिल में सर्जन चार्ज के रूप में उल्लेखित मिला था। जांच के बाद समिति की अनुशंसा पर ही कार्रवाई का प्रस्ताव कार्यकारिणी में रखा गया। डॉ.बीनू सिंह को भी इसी मामले में दोषी माना गया है।

प्रदेश में हुई किरकिरी उन पर कार्रवाई में देरी

स्त्री रोग विभाग की डॉ.सोनल अग्रवाल और एचओडी रहीं डॉ.बीनू सिंह की लापवाही के कारण ही प्रदेशभर में रीवा मेडिकल कॉलेज की किरकिरी हुई। जांच में प्रमुख रूप से यही दोनों दोषी मिले। मरीज को प्राइवेट अस्पताल में भेज कर इलाज करना भी जांच में पाया गया। अब इन पर कार्रवाई करने में प्रबंधन देरी कर रहा है। इस पूरे मामले में तत्कालीन अधीक्षक और डीन पर बाद में कार्रवाई होनी थी लेकिन दबाव बनाकर उन्हें पहले ही हटा दिया गया। वहीं जिनकी भूमिका अहम थी। उन्हें पूरा सिस्टम ही बचाने में लगा हुआ है। अब इस मुद्दे को भी भुला दिया गया है। इससे राजनीतिक मंशा पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। एचओडी डॉ.बीनू सिंह को उपकृत कर और बड़े पद की जिम्मेदारी दे दी गई है। डीन डॉ.सुनील अग्रवाल से इस संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

शहीद दिवसः 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देंगे जन संगठन

रीवा। शहीद दिवस के पावन अवसर पर आज शुक्रवार 30 जनवरी को समता सम्पर्क अभियान, नारी चेतना मंच, समाजवादी कार्यकर्ता समूह और विंध्यांचल जन आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित देश के लिए मर मिटने वाले लाखों ज्ञात अज्ञात अमर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के महान योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने प्रातः काल 10 बजे शहर के ऐतिहासिक जय स्तंभ पर एकत्रित होकर उन्हें याद किया जाएगा। तत्पश्चात 11 बजे दिन 2 मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि दी जाएगी। सभी से अनुरोध है कि जो व्यक्ति प्रातः काल 11 बजे जहां मौजूद है, उसी स्थान पर 2 मिनट का मौन रखकर राष्ट्रीय कार्यक्रम को प्रभावी बनाएं।

नशा मुक्त रीवा बनाने का दृढ़ संकल्प लिया

रीवा। नशा मुक्त रीवा अभियान का आयोजन नगर पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक के मुख्य आतिथ्य में वार्ड नंबर 43 में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजयोगिनी बीके लता दीदी संचालिका ब्रम्हा कुमारीज शान्ति धाम झिरिया ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर वीरभान सिंह न्यूरोलॉजिस्ट मेडिकल कॉलेज रीवा, एडवोकेट सतीश पाण्डे, रेड हर्ट लैब के संचालक दीपक सिंह बघेल , प्राचार्य दीपक तिवारी, बघेली कवि डॉ अमित कुमार द्विवेदी ,उमेश कुमार सेन स्कूल संचालक तथा सावित्री कुमारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों ने उपस्थित होकर के नशा मुक्त रीवा बनाने का दृढ़ संकल्प लिया ।

अंदर शिक्षक प्रशिक्षण, बाहर छेरिया बंधन

डाइट के गेट पर बांध देते हैं बकरियां, फैल रही गंदगी

जागरण, रीवा। डइट के अंदर शिक्षकों को प्रशिक्षण होता है जबकि गेट पर छेरियों का बंधन होता है। डाइट के गेट पर स्थित नाली के उपर लगी जाली में बकरी पालकों द्वारा अपनी-अपनी बकरियां बांध दी जाती हैं, जिससे गेट के समीप ही गंदगी का आलम है। गेट के दूसरी ओर पहले से कचरा डंप किया जाता है, कभी यहां से कचरा उठता है कभी नहीं, जिससे डाइट के गेट के दोनों ओर गंदगी व बदबू फैली रहती है। आए दिन यहां शिक्षण प्रशिक्षण के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें शामिल होने वालों को गंदगी से गुजरकर अंदर आना पड़ता है। यहां के कर्मचारियों की मानें तो कई बार उन्होंने यहां बकरियां आदि बांधने से बकरी पालकों को मना किया है, किन्तु बकरी पालक अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे। बकरियों के यहां बंधे होने से अन्य जानवरों का भी यहीं पर हुजूम जमा हो जाता है, जो डाइट में आने वाले शिक्षकों के साथ ही बच्चों के हित में नहीं। नगर निगम द्वारा शासकीय कार्यालय के सामने बकरियां बांधने वाले बकरी पालकों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही।

कानून व्यवस्था का जोनल प्लान 10 दिन में

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि राजस्व तथा पुलिस अधिकारी संयुक्त रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर कानून व्यवस्था की निगरानी करें। कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं में दिए गए निर्देशों का तत्परता से पालन करें। शहरी क्षेत्र की संकरी गलियों, संवेदनशील बस्तियों में कानून व्यवस्था की निगरानी के लिए जोनल प्लान 10 दिन में तैयार करें। आयुक्त नगर निगम संकरे मार्गों में अवैध निर्माण हटाने के लिए कार्रवाई करें। अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा नगर निगम के अधिकारी मिलकर शहरी क्षेत्र की तंग बस्तियों का चिन्हांकन करें। कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई करें। पॉक्सो एक्ट तथा अन्य कानूनों की जानकारी देने के लिए शिक्षण संस्थानों में जागरूकता शिविर आयोजित करें। इसमें पुलिस तथा महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा शिक्षा विभाग भागीदारी निभाएं। शिविर में महिला अपराधों की केस स्टडी उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत करें।

विधायक तथा कलेक्टर ने भैरवनाथ मंदिर लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजा

मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दिए निर्देश

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31 जनवरी को गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित समारोह में भैरवनाथ मंदिर का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री भैरवनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करके मंदिर में ध्वज चढ़ाएंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री मंदिर के समीप आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। समारोह में निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास तथा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया जाएगा। विधायक गुढ़ श्री नागेन्द्र सिंह तथा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने मंदिर परिसर, मुख्य कार्यक्रम स्थल, पार्किंग स्थल तथा हैलीपैड का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हेलीपैड स्थल में चारों ओर से बेरिकेडिंग कराएं। मंदिर के लोकार्पण के समय सीमित संख्या में लोगों को मंदिर में प्रवेश दें। समारोह में बड़ी संख्या में आमजन शामिल होंगे। उनके बैठने, पेयजल और सुरक्षा के लिए समुचित प्रबंध करें। वाहनों के पार्किंग स्थल रैम्प बनाकर आवागमन सुगम कराएं। कलेक्टर ने मंदिर की साज-सज्जा, मंच व्यवस्था, साउंड सिस्टम, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा समारोह से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री दौरे के लिए अधिकारी तैनात

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जिले में 31 जनवरी को दौरा कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में भैरवनाथ मंदिर का लोकार्पण करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मुख्यमंत्री जी के दौरे से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न अधिकारियों को तैनात किया है। अधिकारियों को रीवा एयरपोर्ट, सर्किट हाउस, गुढ़ हेलीपैड, कार्यक्रम के मुख्य मंच की संपूर्ण व्यवस्थाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भैरव बाबा मंदिर परिसर में तैनात किया गया है। सभी अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं।

मेडिकल नशे को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेंः कलेक्टर

जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति में लिए गए कई निर्णय

रीवा। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई। जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि नशे की बुराई को दूर करने के लिए समन्वित प्रयास करें। कोरेक्स पर कड़ाई से कार्रवाई करने के कारण अन्य दवाओं का नशे के रूप में दुरुपयोग हो सकता है। मेडिकल नशे को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। नशे के विरुद्ध जिले भर में व्यापक जन जागरुकता अभियान चलाएं। शिक्षण संस्थानों में नशा, पॉक्सो एक्ट की जानकारी तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरुकता अभियान चलाएं। यदि किसी मेडिकल स्टोर से नशीले पदार्थ का अवैध व्यापार पाया जाता है तो उसका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार और उपयोग कानून व्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती है। मेडिकल नशे तथा अन्य नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार से जुड़े लोगों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। नशे के शिकार व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए भी समुचित प्रयास आवश्यक है। बैठक में सहायक आयुक्त आबकारी अनिल जैन ने बताया कि महुआ लाहन के अवैध भण्डारण तथा अवैध शराब बिक्री पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

MP BIRLA GROUP

बिरला केबल लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : उद्योग विहार, डाकघर-चोरहटा, रीवा - 486006 (म.प्र.)
CIN: L31300MP1992PLC007190
Telephone No: 07662-400580, Fax No: 07662-400680
Email: headoffice@birlacable.com; Website: www.birlacable.com

31 दिसंबर, 2025 को समाप्त हुई तिमाही एवं नौमाही अवधि के अनांकेक्षित समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश

(लाख ₹ में)

क्रमांक	विवरण	तिमाही अवधि			नौमाही अवधि		वार्षिक अवधि
		31.12.2025	30.09.2025	31.12.2024	31.12.2025	31.12.2024	31.03.2025
		(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अंकेक्षित)
1	परिचालनों से कुल आय	20450.51	17606.70	15779.82	55700.97	50542.96	66165.23
2	समयावधि के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि) (कर, विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	542.92	104.49	199.96	833.33	463.26	668.29
3	कर के पूर्व समयावधि के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	542.92	104.49	199.96	833.33	463.26	668.29
4	कर के पश्चात समयावधि के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	402.47	71.25	144.36	609.93	340.73	489.14
5	समयावधि के लिए विस्तृत आय [समयावधि के लिए लाभ (कर पश्चात) एवं अन्य विस्तृत आय (कर पश्चात) को समावेशित करते हुए]	1625.92	(377.10)	1068.97	3267.10	2719.57	749.66
6	समता अंश पूँजी (प्रति अंश आय मूल्य रु.10/- प्रति)	3000.00	3000.00	3000.00	3000.00	3000.00	3000.00
7	आरक्षतियाँ (पुनर्मुल्यांकन आरक्षित को छोड़ कर)						22324.94
8	समयावधि के लिए आधारभूत एवं तरलीकृत प्रति अंश आय (रु. 10/- प्रति अंश)	1.34	0.24	0.48	2.03	1.14	1.63

कम्पनी की अनांकेक्षित एकांगी मुख्य वित्तीय सूचनाएं इस प्रकार हैं:-

क्रमांक	विवरण	तिमाही अवधि			नौमाही अवधि		वार्षिक अवधि
		31.12.2025	30.09.2025	31.12.2024	31.12.2025	31.12.2024	31.03.2025
		(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अनांकेक्षित)	(अंकेक्षित)
1	परिचालनों से कुल आय	20450.51	17606.70	15779.82	55700.97	50542.26	66165.23
2	कर के पूर्व लाभ	542.58	102.98	210.61	828.69	480.57	683.56
3	कर के पश्चात लाभ	402.17	69.08	155.01	605.74	358.04	503.11
4	समयावधि के लिए विस्तृत आय	1625.18	(380.44)	1078.29	3261.41	2734.78	762.07

टिप्पणी: उपरोक्त विवरण कम्पनी के 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही एवं नौमाही अवधि के अनांकेक्षित समेकित एवं एकांगी वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है जो कि सेबी के (दायित्वों एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं की सूची) अधिनियम, 2015 के नियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में फाईल किया गया है। 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त हुई उपरोक्त तिमाही एवं नौमाही अवधि के वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेब साईट www.bseindia.com एवं www.nseindia.com एवं कम्पनी की वेब साईट www.birlacable.com पर भी उपलब्ध है।दिए गए क्विक रिस्पॉन्स (QR) कोड को स्कैन करके भी इस पर पहुंचा जा सकता है।

कृते बिरला केबल लिमिटेड
(हर्ष वी. लोढ़ा)
चेयरमैन
डीन : 00394094
कोलकाता

दिनांक : 29 जनवरी, 2026

जीजा की बाइक दौड़ा रहा नाबालिग साला बाइक सहित खेत में गिरा

जागरण, रीवा। दुआरी से मैदानी की ओर जाने वाले मार्ग पर अपने जीजा की बाइक दौड़ा रहे साले की बाइक असंतुलित होकर खेत में घुस जाने से नाबालिग साले सहित तीन बच्चे घायल हो गए। मैदानी से दुआरी मार्ग पर स्थित माताजी मंदिर के समीप हरिजन बस्ती बनी हुई है। जहां निवास करने वाला नाबालिग साला अपने जीजा की बाइक क्रमांक एमपी-19-झेडबी-1091 लेकर सड़क पर चला रहा था। आसपास के लोगों ने बताया कि उससे ठीक से बाइक चलाते नहीं बन रही थी, पहले तो वह अकेला बाइक चला रहा था बाद में उसने बस्ती के तीन बच्चों को भी बाइक में बैठा लिया और तेज गति से बाइक दौड़ने लगा, अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ा और बाइक सड़क किनारे स्थित खेत पर लगी लोहे की बाड़ को तोड़ते हुए खेत में जा घुसी, बाइक व चालक दोनों खेत में रखे बबूल के सूखे पेड़ पर टकरा गए, जिससे नाबालिग बाइक चालक का सिर फट जाने से वह बेहोश हो गया, वहीं पीछे बैठे तीनों बच्चों को भी चोंटे आई।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

मरीजों को मिला नया उजाला: 1991 से अब तक 28 हजार से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन

लायंस नेत्र चिकित्सालय का सेवा संकल्प अनवरत जारी, गुरुवार को हुए 22 आपेरशन

जागरण, रीवा। रीवा लायंस नेत्र चिकित्सालय में जिला दृष्टिहीनता नियंत्रण समिति के सहयोग से नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन का क्रम लगातार जारी है। चिकित्सालय की विशेषज्ञ टीम द्वारा मरीजों की आंखों से संबंधित सभी प्रकार की जांच की जा रही है, वहीं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षित एवं सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को चिकित्सालय में मोतियाबिंद के कुल 22 सफल ऑपरेशन के पश्चात चिकित्सालय के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी द्वारा मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया तथा उनसे संवाद कर अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी ने बताया कि रीवा लायंस नेत्र चिकित्सालय में वर्ष 1991 से अब तक कुल 28 हजार 261 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा चुके हैं, जबकि ओपीडी में 25 लाख 89 हजार 691 से अधिक नेत्र रोगियों की जांच की जा चुकी है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के माध्यम से अस्पताल को समय-समय पर उचित सुविधा प्रदान की जाती है जिसका परिणाम है कि आज रीवा लायंस नेत्र चिकित्सालय प्रदेश के प्रमुख नेत्र अस्पतालों में गिना जाता है। चिकित्सालय प्रशासन ने जानकारी दी कि अस्पताल में अत्याधुनिक मशीनों से जांच के बाद फीको मशीन के माध्यम से ऑपरेशन किए जा रहे हैं। शिविर में भर्ती सभी मरीजों को भोजन, बिस्तर, दवाइयां, लैंस एवं काले चश्मे सहित आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही मरीजों को ऑपरेशन के बाद बरती जाने वाली सावधानियों एवं दवाओं के सेवन की विधि की भी जानकारी दी गई।

रीवा लायंस नेत्र चिकित्सालय द्वारा किया जा रहा यह प्रयास दृष्टिहीनता की रोकथाम की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस अवसर पर चिकित्सालय के प्रबंधक प्रखर गुप्ता, ज्ञानेंद्र पाठक, ऑप्थल्मिक असिस्टेंट मिनासिंह, प्रियंका शुक्ला, शालिनी सिंह, पारिचरिका राजदुलारी पटेल, परवीन खान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा: कलेक्टर ने कहा बंद करो चोरहटा से रतहरा रिंग रोड के अनावश्यक कट्स

कैसे रोकी जायें सड़क दुर्घटनाएं, करो उपाय

जागरण, रीवा

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटना के दो ब्लैक स्पॉटों में सुधार का कार्य किया जा रहा है। अन्य स्थलों में भी साइन बोर्ड लगाने और स्पीड ब्रेकर बनाने का कार्य तत्परता से करें। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार कार्यवाही करें। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरुकता अभियान चलाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्रवाई करें। ई डॉर पोर्टल के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं की मॉनीटरिंग करने पर इनमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए कड़े निर्देश

बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने बताया कि राहवीर योजना में गोल्डन ऑवर में दुर्घटना पीड़ित को सहायता देकर अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को कैशलेस उपचार योजना के तहत डेढ़ लाख रुपए तक की उपचार सहायता निश्शुल्क देने का प्रावधान है। यह योजना औपचारिक रूप से शीघ्र ही शुरू हो रही है। इसमें 48 अस्पतालों को शामिल किया गया है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, प्रभारी डीएफओ नितेश खण्डेलवाल, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, एसडीओपी उदित मिश्रा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जय स्तंभ चौक की रोटरी छोटी और रोड चौड़ी होगी

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि चोरहटा से रतहरा रिंग रोड के अनावश्यक कट्स तत्काल बंद कराएं। जय स्तंभ चौक पर सड़क को चौड़ा करने, रोटरी को छोटा करने तथा यातायात को सुगम बनाने के अन्य उपायों पर तत्परता से कार्यवाही करें। मॉडल रोड में रेलवे ओवर ब्रिज से बायपास के बीच तीन बड़ी कॉलोनियों के सामने स्पीड ब्रोकर बनाएं। वाहनों की अधिक गति के कारण यहाँ अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। बैठक में पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि जिला परिवहन अधिकारी, नगर निगम आयुक्त तथा पुलिस के अधिकारी मिलकर ई रिक्शा और ऑटो रिक्शा को व्यवस्थित कराएं। भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर ई-रिक्शा को प्रतिबंधित करके यातायात सुगम करें। रीवा-हनुमना तथा मनगवां-प्रयागराज हाईवे में कई जगह ढावा संचालकों तथा अन्य व्यक्तियों द्वारा अवैध कट बना लिए गए हैं। इन्हें बंद कराने के साथ अवैध कट्स बनाने वालों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई करें।

सोहागी घाट के सुधार के लिए टेण्डर

बैठक में एमपीआरडीसी के जिला प्रबंधक विनोद तंतुवाय ने बताया कि सोहागी घाट के सुधार के लिए टेण्डर की कार्यवाही की जा रही है। कलवारी मोड़ पर भी दुर्घटना रोकने के लिए आवश्यक साइन बोर्ड लगाए गए हैं। निर्माणाधीन बायपास में भी साइन बोर्ड पर्याप्त संख्या में लगाए गए हैं। बैठक में ऑल इंडिया परमिट बसों के बस स्टैण्ड में प्रवेश पर कार्यवाही, बस संचालकों के साथ बैठक करके पुराने और नए बस स्टैण्ड में सड़कों पर सवारी बैठाने पर रोक संबंधी कार्यवाही तथा यातायात नियमों के प्रचार-पसार के संबंध में निर्णय लिया गया।

समान बस स्टैंड: पर्याप्त स्थान फिर भी बेतरतीब खड़ी रहती हैं बसें

जागरण, रीवा। शहर नए बस स्टैंड में पर्याप्त स्थान होने के बाद भी बस चालक बेतरतीब तरीके से बसें खड़ी कर देते हैं, जिससे अंदर तक पैदल जाने वालों की भी फजीहत हो जाती है। कहने को तो यहां यातायात पुलिस कर्मचारी मौजूद रहते हैं लेकिन उनकी बात सुनकर भी बस चालक अनसुनी कर देते हैं, जिसका खामियाजा यहां आने वाले यात्रियों के साथ ही अन्य बस चालकों को भी भोगना पड़ता है।

कई बस चालक तो यहां आने के बाद भी बसों को बस स्टैंड के अंदर न ले जाकर अपनी बसें सड़क किनारे ही खड़ी कर देते हैं, जहां सवारियां चढ़ाने-उतारने के बाद जब तक उनका जाने का समय नहीं होता बस वहीं खड़ी रहती है, जिससे आवागमन अवरुद्ध होता है। कुछ बसें तो ऐसी भी खड़ी रहती हैं जिनका जाने का समय नहीं होता लेकिन बस सड़क किनारे खड़ी कर चालक-परिचालक नदारद हो जाते हैं इस वजह से भी रास्ता जाम होता है, इस अनियमितता को दुरुस्त करने जिम्मेदार भी कोई ध्यान देने को तैयार नहीं।

समान ओवर ब्रिज के नीचे से नहीं हटाए जा रहे अवैध ठेले

जागरण, रीवा। समान ओवर ब्रिज के नीचे अवैध रूप से ठेले, गुमटियां लगी रहती हैं, जिससे यहां पर वाहन पार्क करने की जगह नहीं रहती, जिसके चलते वाहन चालकों को अपने वाहन सड़क किनारे खड़े करना पड़ते हैं, जिससे बार-बार यहां आवागमन बाधित होता है। नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ उड़नदस्ता प्रतिदिन उक्त क्षेत्र में भ्रमण के लिए निकलता है, किन्तु इन ठेले, गुमटी संचालकों को हटा नहीं पा रहा। निगम के जिम्मेदारों की इस लापरवाही से यहां दिन प्रतिदिन ठेले, गुमटियों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है।

इंजी. दीपक ने माना आभार

रीवा। इंजीनियर दीपक सिंह क्रांतिकारी नेता ने जारी बयान में कहा कि स्व. रामानंद सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिस प्रकार समाज के हर वर्ग से लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की, वह न केवल रामानंद सिंह जी के विचारों की जीवंतता को दर्शाता है, बल्कि सामाजिक चेतना और क्रांतिकारी सोच की मजबूती का भी प्रमाण है। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्रांतिकारी युवा परिषद सेवा समिति, रामानंद सेवा समिति सहित बरा परिवार एवं सभी सहयोगी संगठनों और मंच संचालन से जुड़े साथियों का विशेष योगदान रहा, जिसके लिए वे साधुवाद के पात्र हैं। अंत में, इंजीनियर दीपक सिंह ने कहा कि रामानंद सिंह जी के सपनों का समाज बनाने के लिए यह एकजुटता आगे भी बनी रहेगी और सामाजिक परिवर्तन की यह लड़ाई और तेज़ होगी।

राजेन्द्र सिंह कटहा को बनाया गया अभा हिन्दू महासभा का राष्ट्रीय महासचिव

जागरण, रीवा। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी विजय नारायण भट्ट द्वारा राजेन्द्र सिंह कटहा को अखिल भारतीय हिन्दू महासभा का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें म0प्र0 व छत्तीसगढ़ का प्रभार भी सौपा गया है। इस नियुक्ति से म0प्र0 व छत्तीसगढ़ में संगठन को मजबूती प्रदान करने में नई दिशा मिलेगी। भाजपा नेता राजेन्द्र सिंह कटहा द्वारा वर्तमान में हिन्दू राष्ट्र के लिए अलग-अलग तरीके से लोगों से मिलकर राष्ट्र निर्माण के कार्य किये जा रहे हैं। इसकी जानकारी संगठन पहले से बनी हुई थी जिसे दृष्टिगत रखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी है। राजेन्द्र सिंह की नियुक्ति पर संगठन के वरिष्ठजनों ने प्रशन्नता व्यक्ति की एवं बधाइयों दी। जिसमें राष्ट्रीय संरक्षक आलोक मिश्र आजाद, राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष म0प्र0 अखिल भारतीय हिन्दू महासभा संजय सोलंकी, महंत दिवाकर प्रसाद चतुर्वेदी चित्रकूट, राकेश सिंह प्रयागराज, महन्त राधेश्याम महाराज, पाखा आश्रम, विलासपुर छ0ग0, अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्यों ने राजेन्द्र सिंह कटहा को शुभकामनायें प्रेषित की है।

छात्रों को यूजीसी नेट परीक्षा की दी विस्तृत जानकारी

शासकीय स्नातक महाविद्यालय गुढ़ में व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

जागरण, रीवा। शासकीय स्नातक महाविद्यालय गुढ़ में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन के उद्देश्य से एक विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अंजली सोनी उपस्थित रहीं, जिन्होंने अपने प्रेरक वक्तव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को यूजीसी नेट परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी किस प्रकार की जानी चाहिए, सही रणनीति का निर्माण कैसे किया जाए तथा उस रणनीति पर निरंतर और अनुशासित रूप से कार्य करना क्यों आवश्यक है। अपने व्याख्यान के दौरान अंजली सोनी ने विद्यार्थियों के तनाव प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान तनाव और असफलता आना स्वाभाविक है, किंतु उससे निराश होने की आवश्यकता नहीं है। असफलता को सीख के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने आत्मविश्वास, निरंतर अभ्यास, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच को सफलता का आधार बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आरके तिवारी द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम विद्यार्थियों के लक्ष्य निर्धारण और करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन तथा अंजली सोनी को पुनः आमंत्रित किए जाने की आशा व्यक्त की। कार्यक्रम के संचालन का दायित्व डॉ.संदीप कपूर द्वारा कुशलतापूर्वक निभाया गया। उन्होंने पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करते हुए वक्ता एवं उपस्थितजनों के बीच बेहतर संवाद स्थापित किया। इस व्याख्यान माला के सफल आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उपस्थिति अत्यंत सराहनीय रही तथा उन्होंने पूरे उत्साह और ध्यान के साथ व्याख्यान को सुना।

पालतू श्वानों के मुंह में नहीं बांधते मज़ल आए दिन बढ़ रहे श्वानों के हमले के मामले

अस्पताल में एंटी रेबीज़ का भी अभाव, दो दिन पहले ही मरीजों को नहीं लग पाया एंटी रेबीज़

जागरण, रीवा। न्यायालय द्वारा समय-समय पर आक्रामक, विदेशी नस्ल व देशी नस्ल के पालतू श्वानों के मुंह पर जाली (मज़ल) बांधने के आदेश पारित किए गए हैं, लेकिन अधिकतर श्वान पालने वाले श्वान प्रेमी अपने श्वानों को प्रतिदिन सुबह उनके मुंह पर जाली लगाए बिना ही गले में चैन, पट्टा बांधकर घूमने निकल पड़ते हैं, जिसके चलते कई बार ये सड़क पर सैर करने वाले अथवा निकलने वाले लोगों के लिए मुसीबत बन रहे हैं, कई श्वान पालकों की स्थिति तो ये होती है कि आगे-आगे श्वान पीछे-पीछे जबरन खिंचता पालक, जिससे प्रतीत होता है कि श्वान को पालक नहीं अपितु श्वान उन्हें सैर करवा रहा है। कुछ श्वान पालक खुले स्थान पर ले जाकर श्वान को छोड़ देते हैं और स्वयं मोबाइल पर बतियाने लगते हैं, कुछ श्वान पालक पालतू श्वानों को अपने घरों में बांधने की बजाय घर के बाहर खुला छोड़ देते हैं, आवारा श्वान खुले छोड़े गए श्वान पर हमला कर देते हैं, जिन्हें भगाने वाले लोगों को भी श्वान काट लेते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में देखें तो श्वान काटने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार सरकारी अस्पताल में एंटी रेबीज़ भी नहीं मिल पाता, मजबूरीवश श्वान पीड़ित मरीज को बाजार से एंटी रेबीज़ खरीदकर लगवाना पड़ता है। शहर में निवासरत पूर्व सैनिक ने बताया कि संजय गांधी अस्पताल में दो दिन पूर्व ही एंटी रेबीज़ नहीं लग पाया, जिन्हें बाजार से खरीदकर एंटी रेबीज़ लगवाना पड़ा। न्यायालय के आदेशानुसार बढ़ती श्वानों की संख्या व इनके हमलों में वृद्धि को देखते हुए श्वानों की नसबंदी किए जाने भी अभियान चलाया गया था, किन्तु कुछ समय में ही उक्त अभियान की हवा निकल गई। मप्र सहित विभिन्न प्रदेशों में विगत सितंबर माह से ही पालतू श्वानों के मुंह पर मज़ल लगाने के आदेश जारी किए गए किन्तु उक्त आदेश का भी पालन नहीं हो रहा।

रीवा विकास के क्षेत्र में ही नहीं कला व संस्कृति के क्षेत्र में भी आगे है: उप मुख्यमंत्री

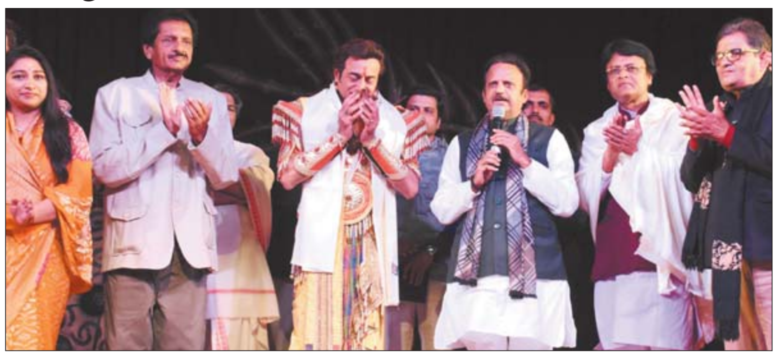

चित्रांगन अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म एवं थियेटर फेस्टिवल का शुभारंभ

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा विकास के क्षेत्र में ही नहीं कला व संस्कृति के क्षेत्र में भी आगे है। कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम कला प्रेमियों के लिए वह स्थल बन गया है जहां महानगरों की तरह ही राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

रंग उत्सव नाट्य समिति द्वारा आयोजित चित्रांगन अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म एवं थियेटर फेस्टिवल के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महाभारत सीरियल में कृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतिश भारद्वाज के चर्चित नाटक चक्रव्यूह की प्रस्तुति रीवा के सुधी दर्शकों को अविभूत कर गई और हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें यह नाट्य मंचन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि नीतिश भारद्वाज व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत नाटक का मंचन मानस पटल पर चिरकाल तक अविस्मरणीय रहेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा के लोग रिश्ते बनाना नहीं रिश्ते निभाना भी जानते हैं जिसका उदाहरण यह राजकपूर ऑडिटोरियम है जहाँ राजकपूर जी का विवाह हुआ था और अब इस स्थान में भव्य ऑडिटोरियम कला व संस्कृति प्रेमियों के लिये माध्यम बना है। श्री शुक्ल ने आयोजन समिति को बधाई दी जिनके प्रयासों से यहां के लोगों ने इसका मंचन देखा। इस अवसर पर नीतिश भारद्वाज ने कहा कि राजकपूर ऑडिटोरियम में नाटक खेलने में आनंद आ गया। रंगमच और सिनेमा समाज का दर्पण है। उन्होंने रीवा के सुधी दर्शकों की समझ की सराहना भी की।

आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में सलाद सजावट स्पर्धा आयोजित

जागरण, रीवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय) के वनस्पति शास्त्र विभाग के तत्वावधान में गत दिवस सलाद सजावट स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने न सिर्फ अपनी कलात्मकता अपितु वनस्पति विज्ञान की अपनी समझ को भी बखूबी दर्शाया। स्पर्धा का का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा सलाद सजावट के साथ दी गई वैज्ञानिक प्रस्तुतियां थीं, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों, फलों व सब्जियों का प्रयोग कर आकर्षक आकृतियां बनाई। इसके साथ ही उन्होंने निर्णायक मंडल को उन वनस्पतियों में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और उनकी वैज्ञानिक जानकारी विस्तार से समझाई तथा बताया कि किस प्रकार दैनिक आहार में इनका संतुलन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आरएन तिवारी ने की, उन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा ऐसे आयोजन छात्रों में रचनात्मकता और विषय के प्रति रुचि बढ़ाते हैं। प्रतियोगिता के लिए गठित निर्णायक मंडल में सेवानिवृत्त प्रो. डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. राजश्री पांडे, डॉ. सोनू राही व डॉ. अनूप सिंह बघेल शामिल थे जिन्होंने सूक्ष्मता से विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। उक्त आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया, उन्होंने विद्यार्थियों को वनस्पति विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में विभाग के डॉ. संतोष अग्निहोत्री, डॉ. रश्मि अर्नाल्ड, डॉ. आशीष पटेल, संजय वर्मा, रुचि वर्मा, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव सहित विभाग के अन्य कर्मचारियों का सहयोग रहा। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मेजबान रीवा को मिली करारी शिकस्त, नहीं खुला जीत का खाता

खेलो एमपी-यूथ गेम्स फुटबाल प्रतियोगिता

जागरण, रीवा। खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स फुटबॉल प्रतियोगिता स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित किया जा रहा है, जिससे 8 संभाग से बालक, बालिकाओं की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतिशेगिता में रीवा, जबलपुर, सागर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, शहडोल की टीमें शामिल हैं। गुरुवार को खेले गए लीग मैच में बालक वर्ग में प्रथम मैच ग्वालियर और उज्जैन के बीच खेला गया जिसमें उज्जैन 7-0 से विजेता रही, दूसरा मैच जबलपुर और सागर के बीच खेला गया जिसमें मैच ड्रॉ रहा, तीसरा मैच बालिका वर्ग में जबलपुर और इंदौर के बीच खेला गया, जिसमें जबलपुर 5-0 से विजेता रहा, चौथा मैच बालक वर्ग में जबलपुर और उज्जैन की बीच खेला गया जिसमें जबलपुर 2-1 से विजेता रहा। चन्द्रा मलिक ने मैच कमिश्नर के रूप में भूमिका निभाई, मैच के रेफरी शालिकग्राम विश्वकर्मा, शहरूख खॉन, अम्बुज गुप्ता, राहुल गुप्ता, शेख कुनैन, तरुण प्रजापति, राजेश चौहान, शुभम वर्मा रहे। वहीं बालिका वर्ग में प्रथम मैच शहडोल और उज्जैन की बीच खेला गया, जिसमें शहडोल 8-1 विजेता रही, बालक वर्ग में प्रथम मैच इंदौर और रीवा के बीच खेला गया जिसमें इंदौर 4-1 से विजेता रही, द्वितीय मैच शहडोल और भोपाल के मध्य खेला गया जिसमें भोपाल 2-00 से विजेता रही, चौथा मैच भोपाल और इंदौर के मध्य खेला गया जिसमें इंदौर 1- 0 से विजेता रही। मैच के रेफरी राजेश कौशल मैच कमिश्नर, अनूप मंडल, कुलदीप सिंह राजपूत, भानू सोनी, गौरव पांचे, दीपचंद कहार, जमान हाशमी, नवीन बरकोरिया रहे। सैनिक स्कूल खेल मैदान में प्रथम मैच ग्वालियर और सागर के बीच खेला गया जिसमें ग्वालियर ने 5-01 से विजेता रही, द्वितीय मैच भोपाल और रीवा के बीच खेला गया जिसमे भोपाल ने 2-00 से विजेता रही, तीसरा मैच इंदौर और उज्जैन के बीच खेला गया जिसमें इंदौर 4-1 से विजेता रही, चौथा मैच ग्वालियर और रीवा की बीच खेला गया जिसमें से ग्वालियर 2-00 से विजेता रही, पाँचवां मैच भोपाल और सागर के बीच खेला गया जिसमे से भोपाल 4-0 से विजेता रही, मैच के रैफरी उदय भान सिंह मैच कमिश्नर, ज्योति कौर, वंदना यादव, मेताली पाण्डेय, ज्वाला धारीवाल, करुणा मिश्रा, प्रिया सिसोंधिया, रेनू केवट, प्रवीण मिश्रा रहे। कार्यक्रम में फुटबाल महासंघ के टूर्नामेंट डायरेक्टर मैच कमिश्नर नकवी, यूबी सिंह, मैच कमिश्नर राजेश कौशल और चन्द्रा मलिक की देखरेख में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सैनिक स्कूल के खेल मैदान, टी.आर.एस.कॉलेज के खेल मैदान में कराये जा रहे।

आज होंगे सेमीफाइनल : संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी द्वारा जानकारी देते हुये बाताया गया कि राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स में फुटबॉल खेल का आयोजन किया जा रहा है, आज के सेमीफाइनल मैच ग्रुप ए बालक वर्ग में जबलपुर और सागर के बीच, ग्रुप बी भोपाल और इंदौर, बालिका वर्ग में ग्रुप ए भोपाल और ग्वालियर, ग्रुप बी में जबलपुर और शहडोल के बीच खेला जावेगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

राज्यों की कर्ज पर बढ़ती निर्भरता चिंताजनक

बजट से ठीक पहले आई रिजर्व बैंक की यह रिपोर्ट चिंताजनक है कि देश के ज्यादातर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की वित्तीय आवश्यकताएं बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में, ये अपनी फंडिंग के लिए बाजार से लिये जाने वाले कर्ज पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्यों के कुल राजकोषीय घाटे का लगभग 76 प्रतिशत हिस्सा इसी उधारी से पूरा किया जायेगा।

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च, 2024 में राज्यों का कुल कर्ज घटकर जीडीपी के 28.1 प्रतिशत पर आ गया था, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि मार्च, 2026 तक यह बढ़कर लगभग 29.2 प्रतिशत हो जायेगा। कई राज्यों का कर्ज तो उनकी अपनी अर्थव्यवस्था के 30 प्रतिशत से भी अधिक है। फिलहाल तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्य बाजार से कर्ज लेने के मामले में अव्वल हैं। वहीं मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड और कर्नाटक जैसे राज्यों का कर्ज भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन राज्यों में युवाओं की आबादी ज्यादा है, वे राज्य कम कर्ज ले रहे हैं, जबकि बुजुर्गों की ज्यादा आबादी वाले राज्यों की आर्थिक चुनौतियां बढ़ रही हैं।

राज्यों द्वारा कर्ज लेने के तरीके में भी बदलाव आया है। ये अब वित्तीय संस्थानों तथा राष्ट्रीय लघु बचत कोष (एनएसएसएफ) से कम कर्ज ले रहे हैं, और ज्यादातर बाजार पर निर्भर हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों की कुल बाजार उधारी बढ़कर 10.73 लाख करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले 10.07 लाख करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट की अच्छी बात यह है कि 2024-25 में कुछ बड़े राज्यों ने कम कर्ज लिया। इस दौरान उत्तर प्रदेश का कर्ज 49,618 करोड़ रुपये से घटकर 4,500 करोड़ रुपये रह गया, जबकि बिहार का कर्ज भी 47,612 करोड़ रुपये से घटकर 47,546 करोड़ रुपये रह गया।

अच्छी बात यह भी है कि कर्ज लेकर भविष्य के लिए निवेश किया जा रहा है। चूंकि बड़ी परियोजनाओं पर काम करने के लिए राज्यों को केंद्र सरकार 50 साल के लिए बिना ब्याज के कर्ज दे रही है, इसलिए भी कर्ज लेने का आंकड़ा बढ़ा है। रिजर्व बैंक का यह भी कहना है कि राज्य सरकारें अब फालतू के खर्चों को कम कर रही हैं और उन परियोजनाओं पर निवेश कर रही हैं, जिनमें दीर्घावधि में लाभ मिले। राज्य विकास ऋण उधार लेने का मुख्य साधन है, जिसका उद्देश्य अवसंरचना, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे दीर्घकालिक विकासात्मक कार्यों पर खर्च करना है। लेकिन तेजी से, इन ऋणों का उपयोग राजस्व व्यय के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। आरबीआई की 'राज्य वित्त- बजट 2024-25 का अध्ययन' रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष कुल राज्य ऋण सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 28.7 फीसद के आसपास रहेगा - जो राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) ढांचे के तहत अनुशंसित 30 फीसद की सीमा के खतरनाक रूप से करीब है।

महामारी के बाद के दबावों ने इस असंतुलन को और बढ़ा दिया है। कुछ राज्य विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के मजबूत राजस्व के कारण राजकोषीय स्थिति को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। वहीं, अन्य राज्य आरबीआई द्वारा वर्णित 'व्यय की गुणवत्ता' की समस्या से जूझ रहे हैं, मसलन, उत्पादक संपत्तियों में बहुत कम निवेश और आवर्ती प्रतिबद्धताओं में बहुत अधिक निवेश।

एक समय था जब भारतीय राज्य मुख्य रूप से विकास के लिए ऋण लेते थे। सड़कें, सिंचाई प्रणाली, स्कूल और अस्पताल बनाने के लिए। यह पैटर्न अब बदल गया है। अब ऋण राजकोषीय घाटे को पूरा करने, कल्याणकारी व्यय के लिए धन जुटाने और पुराने ऋणों का भुगतान करने का एक मुख्य जरिया बन गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, राज्य केवल चालू तिमाही में रु 2.82 लाख करोड़ जुटाने की योजना बना रहे हैं, यह पैमाना उप-राष्ट्रीय ऋण की स्थिरता के बारे में नई चिंताएं पैदा करता है।

हरे बाँस की बनी बाँसुरिया...(भाग-1)

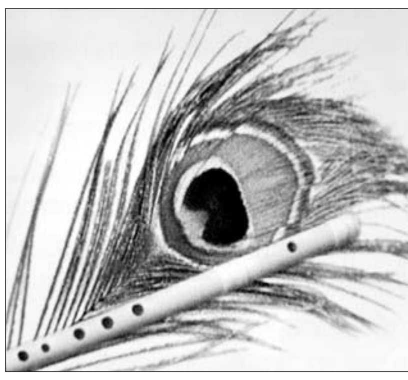

हे कृष्णा...! हे कान्हा...! यह तुमने क्या कर डाला...! अनायास ही... खेल-खेल में.... तुम ने अपने अधरों से क्यों छू दिया मुझे... कुछ तो सोचा होता... तनिक तो विचार किया होता... तुम्हारे... इन देव दुर्लभ अधरों का स्पर्श पाकर... किसी को भी... जीवन.... सुर... लय... ताल... मिल सकती है... फिर मुझ निर्जीव बाँस के टुकड़े को क्यों चूम लिया तुमने... क्यों मुझमें फूँक दिये प्राण और भर दीं भावनाएँ तुमने... तुमने... मुझ शाख से बिछुड़े... जड़ों से उखड़े... निर्जीव बाँस को... अपने माधवी अधरों के स्पर्श से बाँसुरी बना डाला... तुमने तो अपनी साँसें अपने प्राण ही फूँक दिये... मेरे खोखले तन में... तुम्हारे देव दुर्लभ स्पर्श से खिल उठा... मेरा पोर-पोर... टूट गईं जितनी भी ग्रन्थियाँ थीं जितनी भी कुन्ठायें थीं.... मेरे मन में... मेरे तन में... मेरा नीरस जीवन.... निखर उठा तुम्हारी तान में... एक युग हुआ... मुझे मेरे कान्हा...! जलते-जलते हर चिता पर... पालने से लठिया तक.... मैंने हर मनुज के तन का साथ दिया... पर मनुष्य ने मुझे जब-जब छुआ... मुझे तोड़ा मरोड़ा... मुझे काटा-छाँटा... इस्तेमाल किया... और फेंक दिया... पर तूने यह क्या किया रेऽऽ मोरे श्यामा...! मुझे बंशी बनाकर... काहे अधरों से अपने लगा लिया... मिली सार्थकता मेरे जीवन को... तृप्त हुआ मेरा मन... जब अपने अधरों पर 'कृष्ण' मुझे तूने सजा लिया...

मैं भला... कहाँ बैरन थी राधा रानी की... जो उसने तुझसे मुझे छुड़ा लिया... मैं कब बोली... पटरानी रुक्मणी से... जो उसने.... मुझे सोने हीरे मोती से मढ़वा दिया... मेरा हरि सा हरा रंग छुपा दिया... तेरा संग छूटा.... मेरा सुख गया... मेरा चैन गया... जब 'कनक' को तूने अपने अंग लगा लिया... भले ही... बाँस की थी मैं मुरलिया... और तू था... 'गोपाला'... 'ग्वाल बाला'... धेनु संग वन-वन घूमन वाला... मतवाला... आनंदित हो 'वनवारी'... जब-जब तू हरे-हरे बाँस की बाँसुरिया बजाता... धेनु झूमतीं... पपिहा कूकते... मयूरा नाचते ... तब डोलते... जब तू मुरलिया की तान छेड़ता... गोपांगनाएँ सुध-बुध खो तेरी तरु-लताएं... वृक्ष गुल्म... वन उपवन सब धुन पर थिरकतीं... पर यह तूने क्या किया मोरे राजा... तूने काहे मोरा रूप रंग... मेरी पावन निर्दोष प्रकृति को सोने के पीछे छुपवा दिया... मेरे कान्हा तेरे स्वर्ण की आभा ने... बंशी भी मुझे कहाँ रहने दिया... वाद्ययन्त्र सा बजती हूँ अब भी मैं... पर तुम्हारे अधरों के उस माधवी स्पर्शों के प्रणय को युगों बीते... अब तो हर हवा में... हर दिशा में... हर दशा में... बस ढूँढ़ती ही रहती हूँ... प्रेम स्पर्श तुम्हारा... अपने ही प्राणों को बसाकर अपनी ही काया में फूँकती हूँ... पर तुम नहीं हो... यह जानती हूँ मैं... फिर भी... हर पल... हर दिशा में... समीर के हर झोंकों में... तुम्हें ही ढूंढ़ती हूँ... तुम्हें ही पुकारती हूँ मेरे कान्हा.... ! मेरे कन्हैया...! मैं जानती हूँ...! अब तुम हो गये हो द्वारकाधीश... राजा- महाराजा... अब तुम पहले से उन्मुक्त वैष्णवी पीताम्बरा नहीं... पलाश पुष्पों से रंगे अब तुम्हारे वसन नहीं... अब तुम्हारे भव्य व्यक्तित्व में सम्पूर्ण वानस्पतिकता नहीं... मलयाचल चंदन से लेपित अब तुम्हारा ललाट नहीं... तुलसी माला... वनमाला... वैजन्ती मालाओं का... अब तुम्हारे वक्ष पर शोभित श्रृंगार नहीं... अब तो आकाशों से... तुम्हें देव वस्त्रों की प्राचुरता बनी रहती है... कौस्तुभ मणि... कण्ठ पर विराजित रहती है... गले में तुम्हारे झूलती हैं... मोतियन की माला... अब तुम्हारे वक्ष पर गोपियों के निश्छल प्रेम के प्रतीक में लिपटे... नागमणि से उनके श्यामल केश कहाँ...? अब तुम्हारी छाती पर गोपांगनाओं के पुष्पों से सुसज्जित केश विन्यास की सोंधी सोंधी महक भी कहाँ... ? अब तो तुम्हारे भव्य वक्ष स्थल पर... श्रीदेवी और भूदेवी विराजी रहती हैं... हे मेरे अधीश्वर...! अब तुम्हारे कटिबंध में पहले सा मुझ मुरलिया का स्थान कहाँ... अब तो तुम्हारी कमर में बंधी रहती हैं बड़ी-बड़ी तलवारें.... भले ही अंग अब मेरा मढ़ा हो सोने से... पर छूटा तुम्हारा सारा स्पर्श सुख... मेरे माधव...! जब मैं हरे बाँस की थी बाँसुरिया... तब तुम्हारे बिम्ब अधरों को छूकर... मैं तड़पाती रहती थी गोपियों को और राधा रानी को... कृष्णप्रियाएँ-गोपांगनाएँ ही नहीं लतायें और कानन की वन औषधियाँ भी... मेरे सौभाग्य पर ईर्ष्या करती थीं... सब कहती थीं... अरे देखो तो भाग्य... इस बाँस के तुच्छ टुकड़े का... सीधे जा विराजता है... कृष्ण-कन्हैया... 'परमात्मा' के अधरों पर... और त्रैलोक्य के स्वामी... फूँक देते हैं... उसमें अपनी 'विश्वात्मा'... अपने 'चैतन्य प्राण'... अपनी 'हर श्वांस'... और अपना निश्छल प्रेम.....

यदुनंदन से अब तो तुम बन गये हो द्वारकाधीश ...! पर अब भी मुझ पर क्या यह कृपा कम है तुम्हारी... ? सोने-चांदी... हीरे-मोती... माणिक्य मुक्ता के बीच... डरी सहमी सी... संज्ञाहीन होकर... व्यक्तित्वहीन होकर... संग तुम्हारे ही तो रहती हूँ... परंतु तुम्हारे कमरबन्ध में लिपटी हुई नहीं... अपितु तुम्हारे महल के किसी कोने में उपेक्षित सी धरी रहती हूँ मैं... हे मेरे मुरलीधर...!

गूँजती क्यों प्राण वंशी
शून्यता तेरे हृदय की
आज किस की साँस भरती
प्यास को वरदान करती
स्वरलहरियों में बिखरती
आज मूक अभाव किसने
कर दिया लयवान वंशी
अमिट वंशी के अंक से
सूने कभी थे छिद्र तेरे
पुलक के अब हैं बसेरे
मुखर रंगों के चितेरे
आज ली इनकी व्यथा
किन उंगलियों ने जान वंशी
गूँजती क्यों प्राण वंशी
मृणमयी तू रच रही
यह तरल विद्युत ज्वार सा क्या
चाँदनी घनसार सा क्या
दीपकों के हार सा क्या
स्वप्न क्यों अवरोह में
आरोह में दुःख गान वंशी
गूँजती क्यों प्राण वंशी...

कितना निष्ठुर.... कितना कठोर... जीवन दर्शन है यह... यही है हरे बाँस से बनी 'मुरली' की जीवन कहानी... कहाँ हरे बाँस की बाँसुरिया को श्याम-सलोने के अधरों का स्पर्श... और उनका उन्मुक्त गगन जैसा... प्रेम भरा सानिध्य मिलता था... परन्तु अब यह उसकी कैसी नियति... कैसा दुर्भाग्य... ? सोने चाँदी से मढ़ा हुआ... दिपदिपाता रूप... पर फिर भी श्याम सलोने के अधरों से दूर मुरलिया... बंशीवाले की अंतरंग जिन्दगी से दूर उसकी बाँसुरिया... उस हरे बाँस की मुरलिया का यह स्वर्णिम चमक-दमक भरा जीवन पाकर भी... हरे बाँस की बाँसुरी श्याम के अधरों से कितनी दूर... कितनी दूर ... कितनी दूर..... और जा बैठे हमारे 'ठाकुर' द्वारका के राजसिंहासन पर.... अब..... 'मलयाचल के चन्दन' वाले माथे पर... केसर तिलक के बीच एक नन्हा सा .... छोटा सा... प्रतीकात्मक चन्दन का टीका ही बचा है द्वारकाधीश के उन्नत भाल पर... सिर पर केसरिया फेंटा पगड़ी और मोर मुकुट की जगह.... अब जगमगाता... दिपदिपाता... चारों दिशाओं में वैभव की रोशनी फैलाता...स्वर्ण मुकुट आ विराजा है... त्रैलोक्य के स्वामी के शीश पर... हाँ कभी 'ठाकुर जी' 'कन्हैया' थे... यह याद दिलवाने को मोर का एक छोटा सा पंख खुसा रह गया है अब भी... उस 'केशव' के स्वर्ण मुकुट में... यही संसार की रीत है...

कितना सच है कि जैसे-जैसे हम सब धनवान होते जाते हैं.... जैसे-जैसे हमारे सुख के साधन बढ़ते जाते हैं... जैसे-जैसे हमारा वैभव.... प्रभुत्व... हमारी कीर्ति बढ़ती जाती है... वैसे-वैसे ही... हमारी प्रकृति से समीपता... हमें सुख देने वाले नैसर्गिक साधन छूटते जाते हैं... हमारी वानस्पतिकता घटती जाती है... मनुष्य हो या देवता सब पर यह बात लागू होती है... 'कृष्णा' का भी तो... बृज छूटा... गोवर्धन छूटा... और छूट गईं उसकी दुलारीं गइयाँ... कानन छूटा... वन और वनस्पतियाँ भी उनसे सारी छूट गईं... कंस और चारुण का वध कर... मानवता को मुक्ति देने वाले तारणहार की.... मथुरा भी छूटी... वृन्दावन भी छूटा... प्यारी गोपियाँ छूटीं... और प्यारी राधा... अपनी राधा रानी से कान्हा ऐसा बिछड़ा कि दोबारा फिर इस धरा पर राधा से मिला ही नहीं...

क्रमशः-06 फरवरी शुक्रवार को

(श्री मदनमोहन के लेखों, पुस्तकों, कविताओं की बेवसाइट)
https://adhyatmsanatandharma.com

प्रसंगवश

बढ़ती बुजुर्ग आबादी के साथ संतुलन जरूरी

भारत को अक्सर जनसांख्यिकीय लाभांश के लिए सराहा जाता है। पर, इसके विभिन्न राज्य एक महत्वपूर्ण लेकिन असमान जनसांख्यिकीय बदलाव से गुजर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, केरल और तमिलनाडु 2036 तक 'वृद्धावस्था वाले राज्य' बन जायेंगे क्योंकि उनकी बुजुर्ग आबादी क्रमशः 22 फीसदी और 20 फीसदी से ज्यादा हो जाएगी। दूसरी तरफ बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड की कामकाजी उम्र वाली आबादी 2031 के बाद भी बढ़ती रहेगी। कर्नाटक और महाराष्ट्र बीच वाली राह पर हैं। ये दोनों राज्य विकास और बढ़ती उम्र के दबाव के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। जवाब में, आरबीआई ने वृद्ध आबादी वाले राज्यों को बढ़ती पेंशन लागत को वहन करने के लिए अपनी सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने और युवा आबादी वाले राज्यों को मानव पूंजी में भारी निवेश करने की सलाह दी है।

लेकिन आरबीआई की राजकोषीय सलाह में राजनीतिक निहितार्थों का कितना ध्यान रखा जाता है? जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने के बावजूद, दक्षिणी राज्यों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है- वित्त आयोग के फॉर्मूले में जनसंख्या भार के चलते ज्यादा आबादी वाले उत्तरी राज्यों के मुकाबले उन्हें कम मात्रा में केंद्रीय कर हस्तांतरण हासिल हो रहा है और साथ ही आगामी परिसीमन की कवायद में उनका संसदीय प्रतिनिधित्व भी घट रहा है।

उधर, युवा आबादी वाले राज्यों के पास जहां विशाल कार्यबल का उपयोग करके विकास को गति देने का सुनहरा अवसर है, वहीं शिक्षा पर उनके व्यय का हिस्सा स्थिर या कम हो गया है और रोजगार की समस्या बनी हुई है। तिस पर, ये लोग ऐसे समय में कार्यबल में प्रवेश करेंगे जब मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में स्वचालन और उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बोलबाला है। लिहाजा आरबीआई का श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा देने का सुझाव इन राज्यों को समृद्ध होने से पहले ही वृद्ध होने की आशंका के हिसाब से नाजुक बना सकता है। विभिन्न शोधों से पता चला है कि भारत में बढ़ती उम्र का असर महिलाओं पर असमान रूप से पड़ता है, जो अक्सर अधिक समय तक जीवित रहती हैं लेकिन उनके पास वित्तीय परिसंपत्तियां कम होती है। आरबीआई द्वारा कार्यबल नीति पर दिया गया ध्यान उन अधिकांश बुजुर्ग महिलाओं की अनदेखी करता है जो कभी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा नहीं रहीं और इसलिए उन्हें कोई पेंशन नहीं मिलती। आरबीआई के मॉडल में पारिवारिक सहयोग की भी कुछ हद तक अपेक्षा की गई है, लेकिन प्रवासन और एकल परिवारों के आम होने के चलते अनौपचारिक सुरक्षा जाल ध्वस्त हो रहा है। ऐसे में कुछ ऐसे रणनीतिक कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग आबादी को वित्तीय सुरक्षा उपब्ध कराई जा सके। जैसे हरित ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में रोजगार सृजन की आवश्यकता।

राज्यों को भविष्य के वित्तीय झटकों से बचने के लिए इन सेवाओं का निर्माण करना चाहिए। बुजुर्गों में वित्तीय निर्भरता को रोकने के लिए सामाजिक पेंशन का विस्तार अत्यंत महत्वपूर्ण घटक है। वृद्धावस्था में देखभाल के लिए सार्वजनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना, यह धनी लोगों के अलावा अन्य लोगों के लिए भी सम्मानजनक वृद्धावस्था को सुलभ बनाने के लिए आवश्यक है। अंततः, सार्वजनिक वृद्धावस्था देखभाल में पर्याप्त नीतिगत बदलावों और निवेश के बिना, शालीन वृद्धावस्था केवल धनी लोगों तक ही सीमित रहेगी।

खाद्यान्न आपूर्ति

अधिकांश खाद्य-पादप प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं या उनका इस्तेमाल कम हो रहा

भारत की फूड सिक्योरिटी का जवाब भूली-बिसरी फसलें

सुरिंदर सूद

दुनिया में लगभग 7,000 पादप प्रजातियों का इस्तेमाल मानव भोजन के रूप में होता रहा है। मगर अब उनमें केवल लगभग 150 प्रजातियां ही बड़े पैमाने पर उगाई जा रही हैं और केवल 30 प्रजातियां लोगों की पोषण से जुड़ी अधिकांश जरूरतें पूरी कर रही हैं। वास्तव में कुल आहार में 60 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल तीन खाद्यान्न फसलों चावल, गेहूं और मक्का का है। शेष अधिकांश खाद्य-पादप प्रजातियां या तो विलुप्त हो गई हैं या उनका इस्तेमाल काफी कम रह गया है। इसका कारण यह है कि वे आधुनिक जीवन शैली आधारित आहार की आदतों और वर्तमान कृषि प्रणालियों के अनुरूप नहीं हैं।

उपेक्षित या कम इस्तेमाल किए जाने वाले पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में रागी, क्विनोआ, कुट्टू, कोदो और कांगनी जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर अनाज, बेर और करौंदा जैसी फलों की किस्में और सहजन और चौलाई जैसी सब्जियां शामिल हैं। कई उपयोगी जड़ी-बूटियां और औषधीय गुणों वाले पौधे भी इस्तेमाल से बाहर हो गए हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि न केवल समकालीन खाद्य समूह (फूड बास्केट) का आकार छोटा हो गया है बल्कि इन उत्पादों के लिए विशिष्ट बाजारों के नदारद रहने से उन संसाधनहीन गरीब किसानों की आजीविका भी प्रभावित हुई है जो पारंपरिक रूप से ये फसलों उगाते रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि कई उपेक्षित और व्यावसायिक रूप से कम इस्तेमाल वाली खाद्य फसलों (जिन्हें अक्सर 'अनाथ फसलें' कहा जाता है) में उनके विशिष्ट पोषक तत्वों के कारण महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक और चिकित्सीय गुण होते हैं। ये फसलें अतीत में 'स्मार्ट फूड' थीं और भविष्य के 'सुपरफूड' बनने की क्षमता भी रखती हैं।

दूसरी तरफ, धीरे-धीरे गायब हो रहे कुछ खाद्य पदार्थों बाजरा जैसे मोटे अनाजों को राष्ट्रीय और

अंतरराष्ट्रीय अभियानों के माध्यम से पुनर्वासित करने की मांग की जा रही है मगर कृषि कार्यों से बाहर हो रहे फल एवं सब्जियों के लिए अभी तक ऐसे कदम नहीं उठाए गए हैं। यहां तक कि नीति निर्माता एवं शोधकर्ता भी इन सस्ते फल एवं सब्जियों की उपेक्षा करने के लिए जिम्मेदार हैं। वे व्यावसायिक रूप से अहम एवं उन्नत खाद्य उत्पादों में सुधार पर ध्यान दे रहे हैं। इनके साथ-साथ कम इस्तेमाल वाले मगर पौष्टिक खाद्य पदार्थों की उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढ़ाने का प्रयास भी किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी ने हाल ही में 'पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कम इस्तेमाल होने वाले फल और सब्जियां।' शीर्षक नाम से प्रकाशित एक शोध में पौधों के इस समूह की ओर ध्यान आकर्षित करने की दिशा में अच्छा प्रयास किया है।

अक्टूबर 2025 में जारी इस नीति पत्र (नंबर 140) में 10 किस्मों के फल एवं 10 सब्जियां चुनी गई हैं जिनके उत्पादन एवं खपत में भारी गिरावट आई है। ये वे उत्पाद हैं जो हाल तक काफी प्रचलित थे मगर मौजूदा समय में बाजार में शायद ही दिखाई देते हैं। अकादमी द्वारा चिह्नित इस्तेमाल में कम आने वाली फलों की किस्मों में आंवला, बेल, जामुन, बेर, शरीफा, करौंदा, फालसा, इमली, कठबेल और शहतूत शामिल हैं। ऐसी सब्जियों की श्रेणी में चौलाई, मोरिंगा (सहजन), बेसेला, विंग्ड बीन, फाबा बीन, परवल, गोल तरबूज, क्लस्टर बीन, यम बीन और जूट मैलो शामिल हैं।

अकादमी के शोध पत्र में कहा गया है कि फल एवं सब्जियां कुपोषित और अल्प पोषित लोगों के पोषण में सुधार करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा विविध साथ ही प्रतिकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों (शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और वर्षा-निर्भर पारिस्थितिक तंत्र) में पनपने की अद्भुत क्षमता के कारण ये फसलें उन क्षेत्रों में सतत उत्पादन सुनिश्चित कर सकती हैं जहां प्रमुख फसलें अक्सर विफल हो जाती हैं। बेर, करौंदा, लसोड़ा और खेजड़ी जैसी प्रजातियों के लिए काफी कम देखभाल की जरूरत होती है और वे वर्षा जल पर जीवित रह सकती हैं।

आंवला, इमली, शरीफा और बेल के पौधे सूखे का सामना कर सकते हैं और खराब गुणवत्ता वाली मिट्टी में भी खड़े रह सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता और कीट एवं अन्य बीमारियों से वे बचे रहते हैं क्योंकि उनमें प्रतिरोध क्षमता काफी होती है। अपनी इन खूबियों के कारण ये कम लागत वाली बंजर भूमि बागवानी प्रणालियों के तहत उगाने के लिए भी आदर्श फसलें हैं।

इमली, शरीफा, बेल, खिरनी, करौंदा, फालसा, शहतूत, जंगली नोनी और कठबेल जैसी फलों की किस्में विटामिन, खनिज और आहार रेशे के उत्कृष्ट स्रोत हैं जो कई शारीरिक कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं। नियमित आहार में इन्हें शामिल करने से कुपोषण, एनीमिया, कम भूख और जीवन शैली से संबंधित विकारों से निपटने में मदद मिल सकती है। विटामिन, खनिज, आहार फाइबर, प्रोटीन और जैव सक्रिय यौगिकों की अपनी बेहतरीन संरचना के कारण ये फसलें सामुदायिक पोषण और स्वास्थ्य में, विशेष रूप से कमजोर तबके में, सुधार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

हालांकि, इन उपेक्षित फल एवं सब्जियों के साथ समस्या यह है कि वे जल्द खराब हो जाती हैं इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उनकी साल भर (यानी ऑफ-सीजन) उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कटाई के बाद संरक्षण उपचार की आवश्यकता होती है। उनमें से कुछ को पारंपरिक रूप से ग्रामीण समुदायों द्वारा धूप में सुखाने और अचार बनाने जैसे पारंपरिक तरीकों से संरक्षित किया जाता है। मगर फल एवं सब्जियों का मूल्यवर्द्धित और संरक्षण बढ़ाने वाले उत्पादों में वाणिज्यिक प्रसंस्करण उनकी बाजार क्षमता और लाभप्रदता को बढ़ावा देने में बहुत मददगार हो सकता है।

देश में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए लागू की जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से फल एवं सब्जियों की इन किस्मों के औद्योगिक पैमाने पर प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इससे कम प्रचलित मगर अत्यधिक मूल्यवान, पारंपरिक फल एवं सब्जियों के उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा।

जीवन दर्शन

तर्क वह प्रकाश है, जो मनुष्य को अंधकार से दूर रखता है

जब हम सहिष्णुता, नैतिकता और न्याय को अपने जीवन का आधार बनाते हैं, तब समाज केवल एक ढांचा नहीं रह जाता, बल्कि वह शांति और समानता का एक जीता-जागता उदाहरण बन जाता है। मानवता का उदय तर्क और विवेक के उस पावन प्रकाश में हुआ है, जिसे 'प्राकृतिक अवस्था' कहा जाता है। कल्पना कीजिए एक ऐसे मूल अस्तित्व की, जहां हर मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है और जिसकी आत्मा पर किसी सत्ता का दासत्व नहीं है। यहां शासन किसी निरंकुश शासक का नहीं, बल्कि उस 'प्राकृतिक कानून' का है, जो हर हृदय में गूंजता है और यह बोध कराता है कि हम सब एक ही महान सृजन की उत्कृष्ट और समान रचनाएं हैं। यह कानून कोई बाहरी बंधन नहीं, बल्कि एक दिव्य नैतिक प्रतिज्ञा है, जो हमें सिखाती है कि सच्ची स्वतंत्रता वहीं है, जहां हम दूसरे के जीवन, स्वास्थ्य, स्वायत्तता और उसकी मेहनत से अर्जित संपत्ति का सम्मान करें। इस अवस्था में, मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं विधाता है और तर्क वह प्रकाश है, जो उसे अंधकार से दूर रखता है।

विवेक हमें यह महान सत्य समझाता है कि हमारी अपनी स्वतंत्रता तभी तक सुरक्षित है, जब तक हम दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। यह आपसी

सहयोग और न्याय की एक सक्रिय साधना है, जहां हर व्यक्ति प्राकृतिक कानून का पालन करते हुए एक सामंजस्यपूर्ण जगत का निर्माण करता है। प्राकृतिक न्याय का यह मार्ग हमें सिखाता है कि हम विनाश के लिए नहीं, बल्कि रक्षण के लिए बने हैं और जब हम दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हैं, तो हम वास्तव में अपनी ही गरिमा को ऊंचा उठा रहे होते हैं। हालांकि, मानवीय स्वभाव की सीमाओं के कारण जहां स्वार्थ या अज्ञानता तर्क के प्रकाश को धुंधला कर देती है, वहां विवादों की परछाईं पड़ना स्वाभाविक है। इसी अनिश्चितता को दूर करने तथा अपने अधिकारों को और अधिक दृढ़ता प्रदान करने के लिए, हम एक 'नागरिक समाज' के गठन का संकल्प लेते हैं। यह व्यवस्था किसी दमनकारी शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक पवित्र विश्वास के रूप में जन्म लेती है, जिसका एकमात्र आधार जनता की स्वेच्छा और सहमति है। सरकार कोई स्वामी नहीं, बल्कि एक रक्षक है, जिसकी वैधता केवल इस बात पर टिकी है कि वह कितनी निष्पक्षता से न्याय और सुरक्षा का विधान करती है।

शिक्षा और एक सकारात्मक वातावरण के माध्यम से हम किसी भी मस्तिष्क को उस स्तर तक परिष्कृत कर सकते हैं, जहां वह समाज को केवल संघर्ष का मैदान नहीं, बल्कि साझा उन्नति का मंच मानने लगे। जब हम सहिष्णुता, नैतिकता और न्याय को अपने जीवन का आधार बनाते हैं, तब समाज केवल एक ढांचा नहीं रह जाता, बल्कि वह शांति और समानता का एक जीता-जागता उदाहरण बन जाता है। हमें विवेक को अपना मार्गदर्शक बनाना चाहिए, क्योंकि यह एक स्थायी और न्यायपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए जरूरी है। सच्ची उन्नति दूसरों को पीछे छोड़ने में नहीं, बल्कि सबके साथ आगे बढ़ने में निहित होती है। तर्क, सहिष्णुता और न्याय केवल विचार नहीं, बल्कि दैनिक जीवन के आचरण होने चाहिए। जब मनुष्य अपने भीतर के विवेक को जाग्रत रखता है, तब समाज संघर्ष का क्षेत्र नहीं, बल्कि सहयोग और शांति का आधार बन जाता है।

जॉन लॉक

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

ज्ञेयः सः नित्यसन्न्यासी यः न द्वेष्टि न काङ्क्षति,
निर्द्वन्द्वःहि महाबाहो सुखम बन्धात प्रमुच्यते॥

भावार्थ

भावार्थ- जो श्रद्धालु भक्त चाहे बाल-बच्चों सहित है या रहित है या किसी आश्रम में रहकर सतगुरु व संगत की सेवा में रत हैं। वह सर्वथा राग-द्वेष रहित होता है। वास्तव में वही सन्यासी है, वही फिर अन्य शास्त्र विरुद्ध साधकों को पूर्ण निश्चय के साथ सत्य साधना का ज्ञान स्वतन्त्र होकर बताता है।

पंडित पद्मधर झा शर्मा का किया गया सम्मान

रीवा। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ की संभागीय इकाई द्वारा विंध्य के गौरव राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिलब्ध संगीत कार एवं सीधी जिले के रिटायर्ड शासकीय आर्टिस्ट रहे आकाशवाणी रीवा के बी हाई कलाकार पंडित पद्मधर झा शर्मा को संगीत के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महंत डॉ. गोविन्द नारायण चित्रगुप्त महाराज के द्वारा शाल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के संभागीय संयोजक पंडित सतीश मिश्रा, कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष पंडित राकेश अग्निहोत्री, संभागीय महामंत्री रघुवर शरण चतुर्वेदी, कार्यकारी जिलाध्यक्ष इंद्रजीत चौबे, जिला महामंत्री मृत्यंजय तिवारी, संभागीय प्रवक्ता अमर दहिया, आकाशवाणी रीवा की पूर्व बघेली लोक गायिका डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, तबला वादक डॉ. प्रदीप शर्मा,इंजी. ईशान श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में स्थानीय गणमान्य जन उपस्थित रहे।

6 जिलों के नर्सिंग कॉलेजों से एफीलेशन के लिए मांगे जाएंगे आवेदन, मिली सक्षम स्वीकृति

नर्सिंग और पैरामेडिकल अब एपीएसयू के हवाले

जागरण,रीवा

नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्स अब अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के जिम्मे आ गया है। कुछ समय पूर्व रादुविवि जबलपुर ने ऑर्डिनेंस बनाकर इसे उच्च शिक्षा विभाग को भेजा गया था जिसे मान्य किया गया और अब एपीएसयू द्वारा इसी आर्डिनेंस को एडॉप्ट कर आगे की कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल विश्वविद्यालय की तरफ से अधिसूचना जारी की जा रही है, जिसकी स्वीकृति गुरुवार को दी गई है। क्षेत्रीय विवि के 6 जिलों रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना, मैहर व मऊगंज के सभी नर्सिंग कॉलेजों को निर्देश जारी किए जा रहे हैं कि वह ऑनलाइन आवेदन कर दें। एपीएसयू द्वारा जारी किए जा रहे इस आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार अंतर्गत जिलों में संचालित नर्सिंग महाविद्यालयों को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से सत्र 2025-2026 में संबंधित पाठ्यक्रमों की प्रथम वर्ष की सम्बद्धता-निरंतरता प्राप्त करने हेतु एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के लिए लिंक प्रारम्भ की जा रही है, नर्सिंग पाठ्यक्रमों को संचालित करने वाले महाविद्यालय को पोर्टल पर आवेदन शुल्क जमा कर पंजीयन करना होगा जिसके बाद प्रत्येक महाविद्यालय को लॉगिन आईडी जारी किया जाएगा।

फीस में नहीं हुआ परिवर्तन

बता दें कि एपीएसयू ने मान्यता नवीनीकरण के लिए फीस में कोई परिवर्तन नहीं किया है। जो फीस मेडिकल कॉलेज द्वारा निर्धारित की गई थी, वहीं फीस विवि द्वारा भी ली जाएगी। मान्यता नवीनीकरण में बिंदुओं पर जरूर विवि द्वारा गहन परीक्षण किया जाएगा। पूर्व में मान्यता को लेकर भारी लापरवाही सामने आ चुकी है इसलिए विवि प्रबंधन किसी प्रकार की कोई चूक नहीं करना चाहता है।

पहले एपीएसयू के ही अंतर्गत था नर्सिंग

पूर्व में नर्सिंग-पैरामेडिकल की पढ़ाई से सम्बंधित कोर्स एपीएसयू द्वारा ही संचालित किए जाते थे, लेकिन वर्ष 2011 में मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना के साथ ही कुछ वर्षों के अंतराल में इन्हें एमपीएमएसयू से संचालित किया जाने लगा। अब एक बार फिर इसे एपीएसयू के हवाले किया गया है।

काफी देरी से कार्य हो रहे

शिक्षा विभाग द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक एपीएसयू से संबद्ध नर्सिंग-पैरामेडिकल कॉलेजों में सत्र 2025-26 के लिए 1 नवंबर 2025 से नियमित क्लासेस शुरू होनी थी। इसके पूर्व एपीएसयू को 1 सितंबर से 15 अक्टूबर 2025 के बीच नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेजों को संबद्धता देनी थी और एडमिशन के लिए काउंसलिंग 1 अगस्त से 15 अक्टूबर 2025 के बीच पूरी होनी थी, हालांकि कुछ बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी के अभाव में यह संभव नहीं हो सका।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से ही क्षेत्रीय नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्स के लिए मान्यता नवीनीकरण किए जाने संबंधित नोटिफिकेशन जारी किया जा रहा है, मेडिकल कॉलेज द्वारा निर्धारित शुल्क ही लिया जाएगा। इसमें परिवर्तन नहीं किया गया है। कॉलेजों को मान्यता नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

डॉ. सुरेन्द्र सिंह परिहार
कुलसचिव एपीएसयू

स्कूलों के शिक्षकों को अगले माह का नहीं मिलेगा वेतन

ई-सेवा पुस्तिका अपडेट नहीं होने से बढ़ी परेशानी, कल है लास्ट डेट

जागरण,रीवा। स्कूली शिक्षकों के लिए इतने नियम कानून बनते हैं कि वे और पूरा विभाग भी उसी में उलझा नजर आता है। ताजा आदेश था कि सभी शिक्षकों की ई-सेवा पुस्तिका को अपडेट किया जाए और यदि ऐसा नहीं किया गया तो वेतन नहीं मिलेगा और अब हो भी यही रहा है। 31 जनवरी अपडेशन की लास्ट डेट है और अभी तक हजारों शिक्षकों की सेवा पुस्तिका अपडेट नहीं हो पाई है। ऐसे में इन्हें वेतन नहीं मिल पाएगा। जिले में करीब 8 हजार से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से कई हजार की ई-सेवा पुस्तिका अब तक अपडेट नहीं हो सकी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार 31 जनवरी तक ई-सेवा पुस्तिका वार्षिक परीक्षा की तैयारियों के निर्देश पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू होंगी। दोनों ही परीक्षाएं दोपहर दो बजे से अपरान्ह साढ़े चार बजे तक एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल ने कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा के आयोजन को लेकर विस्तृत निर्देशिका जारी कर दी है। इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र भेजकर निर्देशिका के अनुसार तत्काल तैयारियां प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। अपडेट नहीं कराने वाले शिक्षकों को वेतन का भुगतान नहीं किया जाएगा, जिससे हजारों शिक्षक परेशानी में फंस जाएंगे। विभाग ने यह भी तय किया है कि शिक्षकों को मूल पदांकित स्कूल में उपस्थित होकर कार्य करना होगा। फरवरी का वेतन भी मूल पदान्कित विद्यालय में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद ही दिया जाएगा। बताया जाता है कि इस मामले में संकुल प्राचार्यों ने गंभीर लापरवाही की है और उन पर कार्रवाई के लिए जल्द ही निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

एसएएफ ग्राउंड में गूंजी जीवन-रक्षा की सीख

रीवा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर एस.ए.एफ. ग्राउंड में फेस संस्था द्वारा स्वास्थ्य जागरुकता अभियान के तहत सीपीआर पर आधारित जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी एवं उनकी प्रशिक्षित टीम द्वारा सीपीआर की जीवन-रक्षक तकनीक का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को हार्ट अटैक जैसी आपात स्थिति में सीपीआर की महत्ता एवं सही प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया गया। लाइव डेमो के माध्यम से यह बताया गया कि समय पर दिया गया सीपीआर कैसे किसी की जान बचा सकता है। इस सराहनीय प्रस्तुति को मंच से उपस्थित मुख्य अतिथियों द्वारा विशेष रूप से प्रशंसा प्राप्त हुई। वहीं एडीएम रीवा ने इस पहल को जीवन रक्षक संजीवनी की संज्ञा देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी और समय की आवश्यकता हैं। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ। संस्था द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही गई।

इंटरनेशनल गोल्डन वैली स्कूल में मना वार्षिकोत्सव

रीवा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल गोल्डन वैली स्कूल का वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम से हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य शास्त्री उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर कर्चुलियान अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत के कार्य समिति मेंबर एडवोकेट गोपाल त्रिपाठी मौजूद रहे। कार्यक्रम भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ, इस अवसर पर बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की प्रस्तुत की गई विद्यालय के डायरेक्टर विनय पांडेय प्राचार्य शैल पांडेय, शिक्षकों में मुख्य रूप से बीना पांडे, अंजलि मिश्रा, रेखा सिंह, संचिता पयासी, खुशी त्रिपाठी सहित अन्य सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा दुबे एवं प्रिया मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय के बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में।

रीवा: अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट। कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा। ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी डे- केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर), A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, गाउट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेड़े मेड़े पाँव का उपचार, रीड की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फ्रैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फ्रैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन सिंह 08 फरवरी रविवार को रीवा में

रीवा-राष्ट्रपति पदक से सम्मानित प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग सुपर स्पेशलिस्ट एंडोस्कोपिक सर्जन डॉ सचिन सिंह MBBS, MS, MCh (न्यूरो) PGI नई दिल्ली, निर्देशक-लाइफ लाइन हॉस्पिटल प्रयागराज, के द्वारा, दिनांक 08 फरवरी 2026 को (प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को) सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक, कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी क्लीनिक/डाइग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर)- A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की बीमारियां जैसे रीड़ की हड्डी की चोट/दर्द, गर्दन, कमर व घुटने का दर्द, लकवा, सिर का दर्द(माइग्रेन की समस्या), मिर्गी रोग, बेहोसी व चक्कर आना, अंगों में कंपन-झुनझुनी-शून्यता, मांसपेशियों/नसों में कमजोरी, मस्तिष्क ज्वर, ब्रेन हैमरेज, सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस, स्नायु रोग, साइटिका, रीड़ की हड्डी की टी.बी., एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी आदि न्यूरो से संबंधित सभी प्रकार के रोगों का परामर्श देकर इलाज किया जाएगा, डॉ सचिन सिंह लगभग 20000 (बीस हजार) से ज्यादा ब्रेन, सर्वाइकल एवं स्पाइन से संबंधित सर्जरी सफलता पूर्वक कर चुके है, डॉ सचिन को न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की सर्जरी में महारथ हासिल है, डॉ सचिन के द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को विगत सात (10) वर्षों से कमाता मेडिकल में मरींजों को OPD परामर्श दिया जा रहा है। क्लीनिक में सोनोग्राफी, इकोकार्डियोग्राफी, TMT, ECG, होल्टर, ABPM, पैथोलॉजी, डिजिटल एक्सरे, यूरोफ्लोमेट्री आदि जांचों की सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा मोबाइल नं 9399312433 में संपर्क करें। -Advt.

यूजीसी कानून के खिलाफ जताया कड़ा विरोध

प्रधानमंत्री को खून से लिखा पत्र भेजा

रीवा। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव सतीश चौबे व श्रावण सेना के जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, मुकेश पांडे, प्रकाश मिश्रा, संदीप तिवारी ने यूजीसी कानून के खिलाफ अनोखा और कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सतीश चौबे व अनुराग मिश्रा ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस कानून को तुरंत वापस लेने की मांग की है। प्रदेश सचिव सतीश चौबे का कहना है कि यूजीसी का नया कानून समाज को बांटने वाला है, यह सामान्य वर्ग के अधिकारों के साथ अन्याय करता है और इससे शैक्षणिक संस्थानों में असंतुलन व वैमनस्य बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को यह कानून जनभावनाओं के विरुद्ध नहीं थोपना चाहिए। श्री चौबे ने चेतावनी दी कि अगर यूजीसी कानून वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और यह विरोध देशव्यापी रूप ले सकता है। खून से लिखे पत्र के जरिए उन्होंने प्रधानमंत्री से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि यह कानून सामाजिक समरसता के लिए खतरा है, इसे तुरंत वापस लिया जाए। फिलहाल इस पूरे मामले पर सरकार या यूजीसी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस विरोध के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। इस बिल के विरोध में क्या कह रहे सतीश चौबे व अनुराग मिश्रा आप सुन सकते हैं।

विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सा. विज्ञान प्रर्दशनी में दिखा हुनर

विद्यार्थियों ने किया मॉडल के माध्यम से जागृत, विद्यार्थी सेमिनार एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी भी हुई

जागरण, रीवा। डाइट में दो दिवसीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में 6 विषय विज्ञान, पर्यावरण, गणित, इतिहास, भूगोल एवं सामाजिक, राजनीतिक जीवन विषयों के मॉडल पर्यावरण गीत, सामाजिक विज्ञान नाटिका, सेमिनार प्लास्टिक प्रदूषण कम करना व प्रश्नमंच स्पर्धाएं आयोजित हुई। विज्ञान प्रदर्शनी में सतना, सीधी, सिंगरौली व रीवा जिले से 22-22 कुल 132 विद्यार्थियों ने सहभागिता की जिन्हें 42 शिक्षकों ने मार्गदर्शन दिया।

गुरुवार को मॉडल, पर्यावरण गीत, विद्यार्थी सेमिनार एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए एसटीइएम था। जिसमें शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. ऋषि कुमार तिवारी उपस्थित रहे। बुधवार को डाइट सभागार में डीएलएड प्रथम व द्वितीय वर्ष के प्राध्यापकों ने टीएलएम की प्रदर्शनी में सहभागिता की। डाइट प्राचार्य टीपी सिंह एवं समस्त अकादमिक सदस्यों के मार्गदर्शन में उक्त प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। उद्बोधक प्राचार्य टीपी सिंह रहे, मुख्य अतिथि प्राचार्य शिक्षा महाविद्यालय आरएन पटेल, सेवानिवृत्त प्राचार्य श्यामनारायण शर्मा, सेवानिवृत्त सहा. संचालक केपी तिवारी रहे। निर्णायकों में पर्यावरण गीत में सेवानिवृत्त प्राचार्य माया त्रिपाठी, पीके प्राचार्य वरुणेन्द्र प्रताप सिंह, मार्तण्ड क्रमांक-2 प्राचार्य सुदामालाल गुप्ता, एसके स्कूल प्राचार्य मिथिलेश सिंह परिहार, प्राचार्य हर्दीशंकर देवराज सिंह, सेवानिवृत्त व्याख्याता प्रसन्न सिंह परिहार, सेवानिवृत्त व्याख्याता नीलम श्रीवास्तव, प्रीती मिश्रा, लघु नाटिका में सेवानिवृत्त वरिष्ठ व्याख्याता तनुजा तिवारी, वरिष्ठ व्याख्याता दीया अग्निहोत्री, अल्पना सिंह, गीता पालीवाल, संजीव तिवारी, संगोष्ठी में संजय सक्सेना, संगोष्ठी (बीएसी) केपी त्रिपाठी सहित अन्य निर्णायक शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन अनीता सोहगौरा, संचालक अनिता अवधूत, अनिल सिंह तिवारी, डॉ. विपिन कुमार शर्मा, डॉ. अशोक पटेल, पूनम मिश्रा, दीप्ति शुक्ला, सुनीता अग्निहोत्री, अपूर्वा मिश्रा, अपर्णा मिश्रा, स्नेहलता चौधरी, अनिल श्रीवास्तव, रोहिणी प्रसाद पाठक, रोहिणी प्रसाद तिवारी, प्रमोद मिश्रा, सुबोध पाण्डेय, शाहिद मंसूरी, कामेश्वर दुबे सहित समस्त प्राध्यापक द्वारा किया गया।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

एमसीयू रीवा परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

जागरण, रीवा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, रीवा परिसर में प्रतिभा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली, मेहनती और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने पुरस्कार प्रदान किये।

कुलगुरु ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य रोजगार प्राप्ति के साधन मात्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके द्वारा समग्र व्यक्तित्व का निर्माण भी करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल विषयगत ज्ञान तक सीमित न रहे, बल्कि नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्य और सामाजिक संवेदनशीलता का विकास भी करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता के लिए सर्वोच्च गुणवत्ता वाला प्रयास होना चाहिए। इस अवसर पर विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक जयंत सिंह तोमर ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि पत्रकारिता और संचार के क्षेत्र में सत्य, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपने कार्य का आधार बनाएं। कार्यक्रम के अंत में परिसर निदेशक सतेंद्र डेहरिया ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षित करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवीन तिवारी और आरती श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस दौरान जयराम शुक्ल, डॉ. बृजेश पाण्डेय, डॉ.विनोद दुबे, डॉ.अजीत कुमार मिश्र, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. वंदना तिवारी, प्रो. प्रदीप के.शुक्ल, प्रो. अपर्णा गोस्वामी. प्रो. सोमेंद्र सिंह, डॉ. नीति मिश्रा, डॉ. दिव्य प्रकाश मिश्रा, प्रो. सौरभ मिश्रा, प्रो, तरुण त्रिपाठी, कनिष्क तिवारी, अखंड प्रताप सिंह, अंबुज पाण्डेय, ज्योति सिंह, हरीश मिश्रा, संगीता द्विवेदी, सुनील पांडेय, कैलाश कुमार, सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थिति रहे।

म.प्र.लिपिक वर्गीय संगठन की आवश्यक बैठक 31 को

रीवा। म.प्र.लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ (लिपिक संगठन) का 45 वां वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती के रूप में मनाये जाने का निर्णय प्रदेश स्तर पर लिया गया है। लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ जिला इकाई रीवा के जिलाध्यक्ष नागेश पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्ण जयंती महासम्मेलन का आयोजन मार्च 2026 में भोपाल के रविन्द्र भवन में किया जाना निश्चित है जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री उपस्थित रहेंगे। महासम्मेलन की तैयारी को लेकर 31 जनवरी को डाइट रीवा के सभागार में दोपहर 12 बजे लिपिकीय संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संगठन के पदाधिकारी, संभाग पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी एवं तहसील पदाधिकारी एवं समस्त लिपिक भाई एवं बहन आपेक्षित किये गये हैं। जिलाध्यक्ष नागेश पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने सभी पदाधिकारियों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

KALYAN SINGH SUPER SPECIALTY CANCER INSTITUTE
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002.
(An Autonomous Institute of the Govt. of Uttar Pradesh)
Email: procurementservices.ksssci@gmail.com

Notice Inviting Expression of Interest (EOI)

The KSSSCI invites Expression of Interest (EOI) from reputed Service Providers for Operation of PET CT Machine on PPP Model at KSSSCI, where interested service providers may participate in the technical discussion with the technical committee of KSSSCI to finalise tender specifications for Operation of PET CT Machine on PPP Model at KSSSCI.

The meeting may be attended either in person or through the online Zoom platform. The meeting is scheduled to be held on 09.02.2026 at 03:00 pm. The Zoom meeting link may be obtained by sending an email to **procurementservices.ksssci@gmail.com** on or before 07.02.2026.

For more details like scope of work, services provider are requested to please visit our website **www.cancerinstitute.edu.in**

Advt. No.: KSSSCI/EOI-04/2025-26 DIRECTOR

Kalyan Singh Super Specialty Cancer Institute
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
(An Autonomous Institute of the Govt. of Uttar Pradesh)
Website: https://cancerinstitute.edu.in Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through Custom bid on GeM portal (GEM bid No. GEM/2026/B/7133002 dated: 24.01.2026) for the item: **Liquid-Based Cytology (LBC),** from Original Equipment Manufacture/Direct Importers/Authorized Distributors (declared by principal firm only) for the supply & installation of **Liquid-Based Cytology (LBC). Bidder should submit their Representation only on GeM Portal regarding Equipment within time frame provided by GeM and no Representation will be accepted either physically or through E-mail in this regard.**
The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bids system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal with terms and conditions as mentioned against bidding documents.

For more detailed information you may please visit the Gem portal www.gem.gov.in or our website https://cancerinstitute.edu.in, for reference only. The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.

Advt. no. KSSSCI/Tender-21/2025-26 DIRECTOR

Kalyan Singh Super Speciality Cancer Institute
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-(226002)
Website: https://cancerinstitute.edu.in, Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through Custom bid on GeM portal (GEM bid No. **GEM/2026/B/7144200 dated: 28.01.2026**) for the item: **Neurosurgical Operating Table with all accessories,** from Original Equipment Manufacture/Direct Importers/Authorized Distributors (declared by principal firm only) for the supply & installation of **Neurosurgical Operating Table with all accessories. Bidder should submit their Representation only on GeM Portal regarding Equipment within time frame provided by GeM and no Representation will be accepted either physically or through E-mail in this regard.**
The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bids system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal with terms and conditions as mentioned against bidding documents.

For more detailed information you may please visit the Gem portal www.gem.gov.in, or our website https://cancerinstitute.edu.in, for reference only.
The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.

Advt No:- KSSSCI/Tender-20 /2025-26 DIRECTOR

भारत सरकार, रेल मंत्रालय

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी)

केंद्रीकृत रोज़गार अधिसूचना (सीईएन) सं.-09/2025

7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 1 में विभिन्न पदों के लिए भर्ती
(संकेतात्मक सूचना)

नीचे दी गई तालिका के अनुसार विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 02.03.2026 है। पूर्ण रूप से भरे हुए सभी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से (https://www.rrbapply.gov.in) ही जमा किए जाने चाहिए।

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 31.01.2026
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 02.03.2026 (23:59 बजे)

पद	प्रारंभिक वेतन (रु.)	पदानुसार शैक्षणिक योग्यता एवं चिकित्सा मानक	आयु (01.01.2026 को)*	संभावित रिक्तियां (सभी आरआरबी)
7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 1 में विभिन्न पद	18000	विस्तृत सीईएन के अनुसार	18 – 33 वर्ष	22000 (लगभग)

नोट:-
1. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपनी मूल जानकारी को 'आधार' से सत्यापित करें। यदि आवेदन 'आधार' से सत्यापित नहीं होगा, तो भर्ती की प्रक्रिया में हर चरण पर अतिरिक्त जांच के कारण ज्यादा समय लगेगा और असुविधा होगी।
2. 'आधार' के माध्यम से सफल सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु, 'आधार' में अंकित नाम एवं जन्मतिथि को 10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम एवं जन्मतिथि से शत-प्रतिशत मेल खाना आवश्यक है। इसी प्रकार, ऑनलाइन आवेदन भरने से पूर्व 'आधार' में नवीनतम फोटो तथा नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट एवं आइरिस) अद्यतन होना चाहिए।
3. यह सूचना केवल सांकेतिक स्वरूप में जारी की गई है, जिसका उद्देश्य संभावित उम्मीदवारों को आगामी केंद्रीकृत रोज़गार अधिसूचना के संबंध में अवगत कराना तथा आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों के साथ तैयार रहने के लिए है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियम, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएँ एवं अन्य आवश्यकताएँ विस्तृत केंद्रीकृत रोज़गार अधिसूचना संख्या 09/2025 (साथ ही समय-समय पर जारी किए जाने वाले किसी भी परिशिष्ट) के अनुसार ही होंगी, जो केवल नीचे सूचीबद्ध रेलवे भर्ती बोर्डों की आधिकारिक वेबसाइटों पर प्रकाशित की जाएंगी।

सीईएन संख्या 09/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं

आरआरबी और रेलवे का नाम	वेबसाइट	आरआरबी और रेलवे का नाम	वेबसाइट
अहमदाबाद (डब्लू.आर.)	www.rrbahmedabad.gov.in	गोरखपुर (एन.ई.आर.)	www.rrbgkp.gov.in
अजमेर (एन.डब्ल्यू.आर.)	www.rrbajmer.gov.in	गुवाहाटी (एन.एफ.आर.)	www.rrbguwahati.gov.in
बैंगलूरु (एस.डब्ल्यू.आर)	www.rrbbnc.gov.in	कोलकाता (ई.आर.)	www.rrbkolkata.gov.in
भोपाल (डब्ल्यू.सी.आर.)	www.rrbbhopal.gov.in	मुंबई (सी.आर.)	www.rrbmumbai.gov.in
भुवनेश्वर (ई.सी.ओ.आर.)	www.rrbbbs.gov.in	पटना (ई.सी.आर)	www.rrbpatna.gov.in
बिलासपुर (एस.ई.सी.आर.)	www.rrbbilaspur.gov.in	प्रयागराज (एन.सी.आर.)	www.rrbpryj.gov.in
चंडीगढ़ (एन.आर.)	www.rrbcdg.gov.in	रांची (एस.ई.आर.)	www.rrbranchi.gov.in
चेन्नई (एस.आर.)	www.rrbchennai.gov.in	सिकंदराबाद (एस.सी.आर.)	www.rrbsecunderabad.gov.in

सं.- आरआरबी/भोपाल/विज्ञापन/सीईएन-09/2025.
दिनांक: 30.01.2026
अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

"दलालों, नौकरी दिलाने वालों और ठगों से सावधान रहें"

प्राकृतिक खेती में रीवा का नाम रोशन करने में किसान आगे आयें : उप मुख्यमंत्री

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री ने नवनिर्मित पंचायत भवन (अटल सेवा सदन) का किया लोकार्पण

मरहा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित होगाः उप मुख्यमंत्री

जागरण, रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्राकृतिक खेती में रीवा का नाम रोशन करने में किसान आगे आयें और अपने स्वयं एवं परिवार के स्वास्थ्य के साथ जमीन के स्वास्थ्य के लिये प्राकृतिक खेती को अपनायें। उप मुख्यमंत्री ग्राम पंचायत मरहा में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने 37.50 लाख रु. की लागत से निर्मित पंचायत भवन (अटल सेवा सदन) का लोकार्पण किया। श्री शुक्ल ने घोषणा की कि मरहा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित होगा। उप मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि किसान भाई बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का भ्रमण करें और वहां प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केन्द्र में प्राकृतिक खेती के गुर सीखें और अपनी कृषि योग्य भूमि में से कुछ भाग में इसे अपनाकर लाभ लें इससे आने वाली पीढ़ी को भी लाभ मिलेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा के प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केन्द्र की देश के गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी सराहना की है। यह देश के तीन उत्कृष्ट गौसंरक्षण केन्द्र व प्रशिक्षण केन्द्र के तौर पर है। प्रधानमंत्री जी ने भी गत वर्षों में रीवा के अपने भ्रमण के दौरान प्रस्तुत धरती माता की पुकार नाटिका के मंथन को गंभीरता से देखा था और अपेक्षा की थी कि किसान प्राकृतिक खेती अपनायें। रीवा जिले में प्रधानमंत्री जी, गृह मंत्री जी की मंशानुरूप प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये गये हैं। बसामन मामा, हिनौती गौधाम व हरिहरपुर में प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण केन्द्रों में आसपास के किसानों को लाभ मिलेगा और वह इससे सीखकर अपने खेत में प्राकृतिक खेती कर सकेंगे।

श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा जिले में एक लाख गौ के आश्रय के लिये संरक्षण केन्द्र के तौर पर गौवंश वन्य विहार बनाये जायेंगे ताकि गौसंरक्षण से प्राकृतिक खेती को जोड़कर किसानों को समृद्ध किया जा सके। उन्होंने किसानों से धरती के सूक्ष्म जीवों के बचाने के लिये प्राकृतिक खेती के प्रकल्प को अपनाने का आह्वान किया। श्री शुक्ल ने संकल्प दोहराया कि किसानों को समृद्ध करने के सभी कार्य प्राथमिकता से किये जा रहे हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किसानों सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ मनुष्य से ही विकसित व स्वस्थ भारत का निर्माण संभव है। स्वस्थ भारत ही विश्वगुरु बनेगा। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गत दिनों बसामन मामा में केन्द्रीय गृह मंत्री के आगमन के उपरांत प्राकृतिक खेती को बल मिला है। किसान इस दिशा में आगे आ रहे हैं और यह अपने व अपनी जमीन के स्वास्थ्य के लिये आवश्यक भी है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बनाने में प्राकृतिक खेती आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सेमरिया क्षेत्र में 20 से अधिक अटल सेवा सदन निर्माणाधीन है। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन सरपंच फणीन्द्र मिश्रा ने दिया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष संगीता यादव, गौसंवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय तथागत मिश्रा कबीर, अनिरुद्ध पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने पंचायत परिसर में पौधारोपण भी किया।

जनगणना कार्य के लिए कर्मचारी तैनात

रीवा। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शासन के निर्देशों के अनुसार जनगणना कार्य किया जाएगा। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी प्रतिभा पाल ने जनगणना कार्य के लिए कर्मचारी तैनात किए हैं। तहसील त्योंथर में सहायक ग्रेड तीन अमरेन्द्र कुमार मिश्रा तथा रामभुवन कोल एवं तहसील जवा में पीसीओ श्यामशंकर सिंह तथा सहायक ग्रेड तीन दीपेन्द्र कुमार तिवारी को तैनात किया गया है। तहसील सिरमौर में सहायक ग्रेड तीन अरूण शुक्ला एवं प्राथमिक शिक्षक अजय कुमार सोनी, तहसील मनगवां में प्रवाचक राजेश पाण्डेय, तहसील सेमरिया में जनगणना सहायक मनोज कुमार शर्मा तथा तहसील हुजूर ग्रामीण में सहायक ग्रेड तीन किरण रावत को तैनात किया गया है।

कलेक्टर ने तहसील रायपुर कर्चुलियान में सहायक ग्रेड तीन सुशील कुमार पाण्डेय, तहसील गुढ़ में सहायक ग्रेड तीन प्रशांत विश्वकर्मा तथा अतुल वर्मा एवं तहसील हुजूर नगर में सहायक ग्रेड तीन रवि तिवारी को तैनात किया है। नगर परिषद चाकघाट में सहायक राजस्व निरीक्षक अमित मिश्रा, नगर परिषद त्योंथर में सहायक राजस्व निरीक्षक मोहम्मद आरिफ अंसारी, नगर परिषद सिरमौर में सहायक ग्रेड तीन अशोकचन्द्र यादव तथा नगर परिषद बैकुण्ठपुर में सहायक राजस्व निरीक्षक वीरेन्द्र विक्रम सिंह को तैनात किया गया है। नगर परिषद मनगवां में लिपिक संतोष शर्मा, नगर परिषद सेमरिया में सहायक ग्रेड तीन शिवशंकर पाण्डेय, नगर परिषद गोविंदगढ़ में सहायक राजस्व निरीक्षक नीलेश कुमार, नगर परिषद गुढ़ में सहायक ग्रेड दो संतोष कुमार पटेल तथा नगर परिषद डभौरा में सहायक ग्रेड तीन योगेन्द्र सिंह को तैनात किया गया है।

राहत के प्रकरणों में तत्परता से कार्यवाही करें: कलेक्टर

जागरण, रीवा। अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि अत्याचार पीड़ितों के राहत राशि के प्रकरण तत्काल प्रस्तुत करें। पीड़ितों को राहत राशि देने के लिए जनजातीय कार्य विभाग तथा पुलिस विभाग समन्वय से प्रयास करे। इनमें यदि किसी प्रकरण में जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता है तो जिला संयोजक जनजातीय कार्य साप्ताहिक टीएल बैठक में प्रस्तुत करें। अनुसूचित जाति तथा जनजाति से जुड़े प्रकरणों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए भी प्रयास करें। गवाहों की ठीक से काउंसलिंग करके कोर्ट में अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए प्रेरित करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में संवेदनशीलता से कार्यवाही करें। इन्वेस्टिगेशन करके तय समय सीमा में कोर्ट में चालान प्रस्तुत करें। चालान प्रस्तुत करने की जानकारी जनजातीय कार्य विभाग को तत्काल उपलब्ध कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में मेडिकल रिपोर्ट तत्परता से जारी कराएं। इसमें देरी होने से चालान प्रस्तुत करने में कठिनाई आती है। बैठक में बताया गया कि दर्ज 24 प्रकरणों में से सात में जाति प्रमाण पत्र जारी करना शेष है। इसे सात दिन में जारी करा दिया जाएगा। पीड़ितों को राहत राशि देने के लिए बजट आवंटन की मांग की गई है। आवंटन प्राप्त होते ही लंबित प्रकरणों में राहत राशि का भुगतान किया जाएगा। बैठक में सहायक संचालक जनजातीय कार्य रूचि तिवारी ने राहत प्रकरणों की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, एसडीओपी उदित मिश्रा, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली संकट से तिलया सब स्टेशन के मझिगवां अल्हवा गांव की जनता बेहाल

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना क्षेत्र अंतर्गत तिलया सब स्टेशन से जुड़े मझिगवां गांव में दो ट्रांसफार्मरों के बंद होने से पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि बिजली कटौती के कारण गांव की आम जनता भारी परेशानियों का सामना कर रही है, वहीं आने वाले फरवरी में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 10वीं एवं 12वीं के छात्र गंभीर संकट में हैं। छात्रों का कहना है कि बोर्ड परीक्षाएं नजदीक हैं और लगातार बिजली न होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। लाइट न होने के कारण परीक्षा की तैयारी कर पाना बेहद मुश्किल हो रहा है। कई छात्र इस परिस्थिति को लेकर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। बिजली संकट का असर घरेलू कार्यों एवं जलापूर्ति पर भी देखने को मिल रहा है। मोटरें बंद होने के कारण पानी की कमी ने आम नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग द्वारा समय पर ट्रांसफार्मर बदलने व मरम्मत की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। ग्रामीणों ने मांग की है कि बोर्ड परीक्षाएं सिर पर हैं इसलिए बिजली आपूर्ति को तत्काल सुचारू किया जाए और ट्रांसफार्मर को दुरुस्त स्थापित कर गांव को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से बिजली विभाग अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की ओर कदम बढ़ाने के लिए बाध्य होंगे।

प्रांतीय अध्यक्ष की अधिकारिक यात्रा संपन्न

जागरण, रीवा। वी क्लब रीवा ग्रेट अधिकारिक यात्रा पर प्रांतीय अध्यक्ष मनीषा सोनी जबलपुर से बुधवार को रीवा पहुंची। उनके साथ सतना से एरिया ऑफिसर रचना अवस्थी व प्रांतीय कोषाध्यक्ष भी थीं। क्लब अध्यक्ष रश्मि पुरवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष लता आर्य उपस्थित थीं। आरंभ में ध्वज वंदना का वाचन पूनम दुबे ने किया। प्रतिवेदन सचिव गायत्री गुप्ता ने प्रस्तुत किया। लता आर्य ने कहा कि हमारे क्लब में अनुभव व युवा जोश का शानदार तालमेल है, नए सदस्यों में उत्साह है। एरिया ऑफिसर रचना अवस्थी, मनीषा सोनी ने भी संबोधित किया।

क्लब अध्यक्ष ने सभी सहयोगियों को सम्मानित किया, क्लब द्वारा पूर्व अध्यक्षों का भी सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। आभार गायत्री गुप्ता ने किया, संचालन अर्चना श्रीवास्तव द्वारा किया गयाप्रेस के छाया चित्रकार रंजीव गुप्ता व विजय वर्मा (निक्की) का भी सम्मान किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने तैयार की जाएगी इकोनोमिक प्रोफाइल

डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरुकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

जागरण, रीवा। शहरी पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नगर निगम द्वारा उनकी इकनोमिक प्रोफाइल तैयार की जाएगी। डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरुकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके लिए नोवेसंन इंडिया के द्वारा अभियान चलाया जा चुका है। इसका लाभ उन्हीं पथ विक्रेताओं को प्रदान किया जाएगा जिनका पंजीयन होगा। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने, सोशल इकनोमिक प्रोफाइलिंग करके हितग्राहियों एवं परिवार के सदस्यों को शासन की 8 महत्वाकांक्षी योजनाओं के आवेदनों में कार्यवाही करने मददगार साबित होगा। इसके साथ ही डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरुकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों जिनमें बैंकों के द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के तहत लंबित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त के ऋण आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ऋण आवंटित किया जावेगा। डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए पथ विक्रताओं को डिजिटल भुगतान के माध्यमों जैसे की यूपीआई, क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग एवं मोबाइल बैंकिंग से जोड़ा जाएगा। पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेन-देन के लिए प्रशिक्षण देने का कार्य किया जावेगा। स्वनिधि से समृद्धि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों का सोशल इकनोमिक प्रोफाइलिंग का कार्य किया जावेगा। प्रोफाइलिंग के उपरांत 5 विभाग प्रमुखों अग्रणी बैंक प्रबंधक, श्रम अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी के द्वारा 8 प्रमुख योजनाओं का लाभ दिलाने को प्रयास किया जाएगा। पथ विक्रेताओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, बीओसीडब्ल्यू के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, एक देश एक राशन कार्ड, जननी सुरक्षा योजनाएं, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना से लाभांवित करने का कार्य किया जाएगा। इसका प्रमुख उद्देश्य पथ विक्रेताओं को सशक्त बनाना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। जिला परियोजना अभिकरण अधिकारी एवं सिटी मिशन मैनेजर के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट क्रियान्वयन संस्था नोवेसंन इंडिया के द्वारा अभियान चलाया जा चुका है। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने सभी पथ विक्रताओं से अपील है कि सभी पथ विक्रेता नगर निगम में अपना पंजीयन आवश्यक रुप से कराले। जो पथ विक्रेता पंजीयन नहीं करायेंगे वे इस महत्वाकांक्षी योजना के लाभ से वंचित रह जाएंगे।

मैदानी स्तर पर सतत् निगरानी रखने के निर्देश

सीएम बाल आरोग्य संवर्धन की समीक्षा बैठक संपन्न

मऊगंज। जिले में कुपोषण की रोकथाम एवं बच्चों के पोषण स्तर में सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विगत माह के दौरान नवीन रूप से चिन्हित कुपोषित श्रेणी के बच्चों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी चिन्हित बच्चों का मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम अंतर्गत शत-प्रतिशत पंजीयन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र बच्चों को शासन द्वारा प्रदत्त समस्त स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जा सकें।कलेक्टर द्वारा निर्देश दिए गए कि मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम अंतर्गत पंजीकृत किए गए समस्त गंभीर कुपोषित बच्चों को अमॉक्सीसिलिन दवा की पर्याप्त एवं सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि संक्रमण की रोकथाम करते हुए उनके स्वास्थ्य स्तर में अपेक्षित सुधार लाया जा सके। बैठक में कुपोषित बच्चों की नियमित मॉनिटरिंग, स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण आहार की आपूर्ति एवं फॉलो-अप की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने तथा मैदानी स्तर पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम सहित अन्य पोषण एवं स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी तथा निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि जिले में कुपोषण उन्मूलन की दिशा में ठोस एवं प्रभावी प्रगति सुनिश्चित की जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर पी के पांडेय, संयुक्त कलेक्टर एपी द्विवेदी,डिप्टी कलेक्टर पवन गौरिया, एसडीएम मऊगंज राजेश मेहता, एसडीएम हनुमना रश्मि चतुर्वेदी,जिला कार्यक्रम अधिकारी आशीष द्विवेदी, बीएमओ डॉ प्रदुम शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

किसानों की मोटर साइकिल रैली को दिखाई हरी झण्डी

रीवा। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने किसानों की मोटर साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप मनाया जा रहा है। किसानों को कृषि कार्यों के लिए जागरूक करने के लिए कृषि रथ भी संचालित किये जा रहे हैं। किसान मोटर साइकिल रैली शहर के विभिन्न मार्ग से होकर गुजरी।

डॉ.अमित तिवारी को मातृ शोक

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.अमित तिवारी की माता समाजसेवी डॉ.नयनतारा तिवारी का निधन गत दिवस हो गया। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार जबलपुर स्थित उनके पैतृक गांव में किया गया। डॉ.नयनतारा तिवारी का परिवार मूल रूप से जबलपुर से रीवा आया था। उनके परिवार के कई सदस्य रीवा में प्रमुख चिकित्सक रहे हैं। उनके पति डॉ.एके तिवारी का भी कुछ वर्ष पहले ही निधन हुआ है। शोक की इस घड़ी में पुत्र अमित तिवारी, श्रीराम तिवारी, नाती डॉ.जय तिवारी, राजेंद्र शर्मा एवं डीसी गुप्ता सहित समस्त परिजनों और शुभचिंतकों ने गहरा दुख व्यक्त किया।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र

शुद्धिपत्र सूचना क्र. एवं दिनांक : क्रं. 2, 27.01.2026, मद : IREPS की वेबसाइट पर NIT EL-JBP-Project-25-PMS-01 dtd-19-12-2025, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः 29-01-2026 up to 15:00 hrs., IREPS पर संशोधित दिनांक : 06-02-2026 upto 15:00 hrs. शेष वस्तुएँ यथावत एवं अपरिवर्तित रहेंगी।

हस्ता.
उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

युवा संगम कार्यक्रमः 58 युवाओं को मिला रोजगार

मऊगंज। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में सेठ रधुनाथ प्रसाद महाविद्यालय हनुमना में रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 109 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 8 कंपनियों ने 58 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में शामिल कंपनी आमधनी बजाज ऑटो लि.मि. चाकन औरंगाबाद में 7, याजाकी इंडिया प्रा. लि. अहमदाबाद में 4, ब्राम्हादेवी इंजीनियरिंग इंदौर में 4, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार (म.प्र.) में 8, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा में 10, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. रीवा में 17, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा.लि. रीवा में 3 तथा सीआईआई-एमसीसी गुजरात में 5 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

कम्प्यूटर ऑपरेटर कर्मचारी/हेल्पर की आवश्यकता है।
8770231515
पर सम्पर्क करें। RN-83159(30/1)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क -
8962086944

आवश्यकता है

1. सुरक्षा गार्ड, 2. सफाई कर्मी (घर, होटल, हास्पिटल, सॉपिंग मॉल), 3. सुपर वाइजर (10 से 12 पास) अनुभव कम से कम 2 साल।
Company Name:- S&R Suraksha Guard एवं Facility Service.
सम्पर्क करें रीवा के लिएः-
मो. 8839868626, 9685622651, 7724832009 RN-83165(01/02)

डायरेक्टर-अम्ब्रीश उपाध्याय
मोबा. 7021777625, 9987606771
राम श्याम वर वधु केन्द्र
हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006 RN-83161(28/2)

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी और राजस्व कार्यों की समीक्षा

प्रकरणों के लंबित रहने पर जताई नाराजगी

मऊगंज। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी और राजस्व प्रकरणों के लंबित रहने पर नाराजगी व्यक्त की है। मऊगंज कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यप्रणाली असंतोष व्यक्त किया। कलेक्टर ने कहा कि कार्य में लापरवाही और उदासीनता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन तथा मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम, फार्मर रजिस्ट्री एवं वय वंदना योजना के अंतर्गत लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का तत्काल, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ देने में किसी भी प्रकार की देरी होने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरण समय-सीमा के भीतर निराकृत करें। कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल पर लंबित मामलों की तहसीलवार समीक्षा करते हुए लक्ष्य निर्धारित किया।

जागृत व सजग हुआ हिन्दू समाज

सिरमौर। लालगाँव मंडल खंड सिरमौर के तत्वावधान में विशाल हिन्दू सम्मेलन व सामाजिक समरसता भोज का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल के सभी गाँवों से भारी जन सैलाब उमड़ा। सर्व प्रथम भारत माता व कन्यापूजन किया गया। विभिन्न देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रमों के उपरांत क्योटी आश्रम के मुख्य संत चतुर्भुज महाराज, मातृशक्ति सुनीता जी एवं मुख्य वक्ता श्रवण जी सहप्रान्त प्रचारक का उद्बोधन हुआ। आभार कार्यक्रम के संयोजक बृजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक नरेंद्र प्रजापति, सह संयोजक डॉ चंद्रभूषण शुक्ला, हरिनारायण जी विभाग प्रचारक, विवेक जायसवाल विभाग प्रचार प्रमुख, मनीष सिंह, दीपनारायण पाण्डेय, कपिलेश गौतम, संजय खरे, रामनाथ जायसवाल, शंकर सिंह, अभिमन्यु सिंह, श्रवण मिश्रा सहित अनेकों कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीण जन व मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इन्जी. (कर्षण वितरण) झाँसी के निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन, (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झॉसी-टी.डी.-टेन्डर-2025-16	अनुमानित लागत (रु) : 8016032.52
कार्य का नाम : झांसी मंडल की रेल क्रेनों की मरम्मत/रखरखाव हेतु दो वर्ष की अवधि के लिये व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध का कार्य।	
अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु) : 160300.00	
निविदा बन्द होने की तिथि : 20.02.2026 15:00pm.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 24 माह	

• निविदा दिनांक 20.02.2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 203/26 (AS)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 03/2026/आर.एस./जे.एच.एस. दिनांक : 27.01.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (चल स्टॉक), उत्तर मध्य रेल, झॉसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं: झॉसी-आर.एस.-डब्ल्यू सी.-टी14-2025-26	निविदा मूल्यः ₹ 6194646.00
कार्य का विवरणः ईएलएस/जेएचएस के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में ऑन बोर्ड माउंटिंग प्रकार के प्रत्येक मुख्यकंप्रेसर (1750 एलपीएम) की मोटर सहित स्थापना,कमीशनिंग और परीक्षण।	
बयाना राशिः ₹ 123900.00	निविदा बंद होने की तिथिः 27.02.2026
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 18 माह	

निविदाकार निविदा दिनांक 27.02.2026 को 15.00 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 204/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

23 हजार गांवों का होगा एनर्जी ऑडिट, लगेंगे सोलर प्लांट

बिजली बेचकर कमाई करेंगी ग्राम पंचायतें, दफ्तरों, स्ट्रीट लाइट और पेयजल आपूर्ति के लिए सप्लाई होगी बिजली

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने सभी 23 हजार ग्राम पंचायतों को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए एनर्जी ऑडिट कराने की तैयारी की है। इससे हर गांव की बिजली खपत की सटीक जानकारी मिलेगी और ग्राम पंचायतों में उसी के आधार पर सोलर एनर्जी प्लांट लगाए जाएंगे। इससे सरकारी दफ्तरों, स्ट्रीट लाइट और पेयजल आपूर्ति के लिए बिजली सप्लाई होगी और शेष बची बिजली बेचकर कमाई की जाएगी। ग्राम ऊर्जा स्वराज अभियान और सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के तहत राज्य सरकार ने 2030 तक 50 फीसदी ऊर्जा को रिन्यूएबल सोर्सेस से हासिल करने का टारगेट रखा है। फिलहाल प्रदेश में विद्युत वितरण कंपनियां सालाना एनर्जी ऑडिट रिपोर्ट तैयार करती हैं, जिसका दायरा अब ग्राम स्तर तक बढ़ाया जा रहा है। देश में तमिलनाडु पहला राज्य है जहां पंचायत स्तर पर एनर्जी ऑडिट किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अनुसार एमपी में भी इसी मॉडल को अपनाया जाएगा।

25 साल तक कमाई की गारंटी, सरकार को मिलेगी सब्सिडी से मुक्ति

ग्राम पंचायतों में सोलर प्लांट लगाने के लिए पंचायतों में किसान समूह, सहकारी समितियां और फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन्स (एफपीओ) मिलकर भी सोलर प्लांट लगा सकेंगे। ये प्लांट ग्रिड से जोड़े जाएंगे और गांव में खपत के बाद बची हुई बिजली को राज्य की पावर मैनेजमेंट कंपनियों को बेची जा सकेगा। सरकारी योजनाओं के अनुसार लगभग 25 सालों तक सोलर प्लांट के जरिए आय की गारंटी मिलेगी। इनमें से 1200 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट के लिए टेंडर भी हो चुके हैं। प्रदेश की कैबिनेट पहले ही सभी रूरल 11 केवी फीडर्स को सोलराइज करने की मंजूरी दे चुकी है। सोलर प्लांट के जरिए सरकार को उम्मीद है कि इससे उस पर हर साल लगभग 15000 करोड़ रुपए का सब्सिडी का बोझ भी कम होगा। एमपी में फिलहाल 9300 मेगावाट बिजली सोलर प्लांट के जरिए पैदा होती है। इससे पहले सरकार ये घोषणा कर चुकी है कि एमपी के सभी सरकारी भवन सोलर पैनल से लैस किए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में इसके लिए ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

यह होता है एनर्जी ऑडिट

किसी गांव, घर या इमारत में एनर्जी ऑडिट के जरिए पता लगाया जाता है कि ऊर्जा कहां और कैसे बर्बाद हो रही है, और इसे बचाने के लिए क्या सुधार किए जा सकते हैं। इसका मकसद बिजली की खपत कम करना और दक्षता बढ़ाना है। इसमें हीटिंग, कूलिंग, लाइटिंग, उपकरण, दीवार, खिड़की, दरवाजे, इन्सुलेशन की जांच ब्लोअर डोर टेस्ट और थर्मल इमेजिंग जैसे उपकरणों से की जाती है। एनर्जी ऑडिट के दौरान बिजली बिलों की जांच कर खपत पैटर्न को समझा जाता है। इससे बिजली के बिलों में कमी आती है और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक कार्बन फुटप्रिंट घटता है। एनर्जी ऑडिट से ये पता लगता है कि सौलर पैनल जैसे सिस्टम लगाने से कितनी ऊर्जा और पैसों की बचत हो सकती है।

खंडवा और खरगोन में पायलट प्रोजेक्ट सफल, भोपाल में तैयारी

मध्य प्रदेश सरकार ने बिजली बिलों को घटाने के लिए ग्राम पंचायतों में सूर्य शक्ति अभियान के तहत सोलर एनर्जी पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत स्ट्रीट लाइट, पेयजल के लिए पंप और सरकारी भवनों पर सोलर पैनल लगाए जाने हैं। खरगोन और खंडवा के गांवों में इस पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब भोपाल के मुगालिया छाप, नजीराबाद, गुनगा, ललरिया और धमर्रा में सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आने वाले समय में प्रदेश की सभी 23 हजार ग्राम पंचायतों में इस योजना को ऊर्जा विकास निगम के जरिए लागू करने की तैयारी है। इससे न केवल ग्राम पंचायतें बिजली का खर्च बचे सकेंगी, बल्कि खाली जमीनों पर सोलर प्लांट के जरिए पैदा होने वाली बिजली बेचकर कमाई भी बड़ा सकेंगी। इसके लिए अनुदान के आधार पर पंचायतों को सोलर प्लांट लगाने में आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों में पहले एनर्जी ऑडिट होगा।

लापरवाह एजेंसी को तुरंत किया जाए बर्खास्त: गौर

विस, भोपाल। पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने अधिकारियों से कहा कि लापरवाही बरतने वाली एजेंसी व ठेकेदारों को तत्काल बर्खास्त किया जाए। जनता के हितों से जुड़े कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौर गुरुवार को मंत्रालय में विकास कार्यों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कई कार्यों की पूर्णता में देरी होने पर आपत्ति जताई और अधिकारियों से कहा कि वे स्वयं निरीक्षण करें व ऐसी एजेंसियों या ठेकेदारों पर एक्शन लें, जो समय सीमा पर कार्यों को पूरा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण होने चाहिए, जनहित के कार्यों में लापरवाही और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम की नियमित मॉनिटरिंग हो, गुणवत्ता से समझौता न किया जाए।

समस्याओं का हो सहा निराकरण: इधर भाजपा मुख्यालय में मंत्री गौर ने बाहर से आए कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना और निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। गौर ने पत्रकारों से कहा कि सरकार का यह नवाचार निश्चित तौर पर सार्थक और सराहनीय है,जो परिणाममूलक है। उन्होंने कहा कि इससे कार्यकर्ताओं की समस्याओं का फौरी तरह से निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए सरकार के साथ साथ संगठन का प्रयास सराहनीय है।

संजय कुमार भोपाल के नए पुलिस कमिश्नर, अंशुमान खेल संचालक

मिश्र को एसबीआरबी भेजा, डीजी, एडीजी, आईजी स्तर के 14 आईपीएस के तबादले

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गुरुवार को 14 सीनियर आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए। यह तबादले सूची गणतंत्र दिवस से पहले ही तैयार हो गई थी, जिसे अब जारी किया गया है। लिस्ट के मुताबिक एंटी नक्सल ऑपरेशन और एसटीएफ के स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव को स्पेशल डीजी सीआईडी और विजिलेंस की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। पिछले माह दिसंबर में ही पवन श्रीवास्तव के रिटायर होने के बाद उन्हें इन दोनों पदों का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। तबादला सूची के अनुसार एडीजी नारकोटिक्स केपी वेंकटेश्वर राव को अब एडीजी तकनीकी सेवाएं एवं एंटी नक्सल ऑपरेशन का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा प्रतिनियुक्ति से लौटने पर अनंत सिंह को स्पेशल डीजी एवं एमडी पुलिस हाउसिंग बनाया गया है। इसके अलावा उज्जैन के एडीजी उमेश जोगा अब राज्य के नए परिवहन आयुक्त होंगे। वर्तमान परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा को एडीजी पीटीआरआई बनाया गया है। वे एक अप्रैल से अध्ययन अवकाश पर जाने वाले हैं।

अंशुमान और श्रीनिवास को भी अहम जिम्मेदारी, गुप्ता को उज्जैन की कमान

संजय कुमार

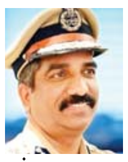

अंशुमान यादव

नवंबर में प्रतिनियुक्ति से वापस आमद देने वाले एडीजी अंशुमान यादव को संचालक खेल एवं युवक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि डी श्रीनिवास वर्मा को एडीजी नारकोटिक्स के साथ एसटीएफ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा प्रदेश के खेल संचालक राकेश गुप्ता को एडीजी उज्जैन बनाया गया है। आगामी 2028 में होने वाले सिंहस्थ को देखते हुए ये पोस्टिंग बेहद अहम मानी जा रही है। भोपाल ग्रामीण के नए आईजी संजय तिवारी होंगे, जो आईजी योजना के तौर पर पदस्थ थे। अभय सिंह को उनके स्थान पर आईजी योजना के पद पर पीएचक्यू में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा सूची में शामिल एकमात्र महिला अधिकारी चैत्रा एन को आईजी शहडोल बनाया गया है, वे अब तक एसएसआईबी में आईजी थीं।

बालाघाट को डेडलाइन से पहले नक्सल फ्री करने का इनाम

संजय कुमार 2004 बैच के आईपीएस हैं। मूल रूप से हरियाणा के रोहतक निवासी संजय कुमार बीएसएफ में डीआईजी भी रह चुके हैं। 2022 में उन्हें नक्सलियों के सफाए के मकसद से बालाघाट में पदस्थ किया गया था। उनकी अगुआई में ही बालाघाट पुलिस, हॉक फोर्स और अन्य बलों ने ऑपरेशन चलाकर नक्सलियों का एमपी से सफाया किया। दिसंबर में एमपी के नक्सल मुक्त होने के बाद वे सुर्खियों में आए थे। अब उन्हें भोपाल पुलिस कमिश्नर के पद पर पदस्थ किया गया है। हरिनारायण चारी मिश्र का बतौर भोपाल पुलिस कमिश्नर तीन साल का कार्यकाल आगामी मार्च में पूरा होने वाला था, लिहाजा उनका भी तबादला तय था। उन्हें स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) में आईजी के पद पर पदस्थ किया गया है।

आईपीएस अफसरों की नई पदस्थापना

नाम	वर्तमान पद	नई पदस्थापना
पंकज श्रीवास्तव	स्पेशल डीजी, एंटी नक्सल, एसटीएफ	स्पेशल डीजी सीआईडी, विजिलेंस
अनंत कुमार सिंह	प्रतिनियुक्ति से वापस	एमडी पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन
केपी वेंकटेश्वर राव	एडीजी नारकोटिक्स	एडीजी तकनीकी सेवाएं एवं एंटी नक्सल
उमेश जोगा	एडीजी उज्जैन	परिवहन आयुक्त
डीश्रीनिवास वर्मा	एडीजी पीएचक्यू	एडीजी नारको, एसटीएफ
विवेक शर्मा	परिवहन आयुक्त	एडीजी पीटीआरआई
अंशुमान यादव	एडीजी पीएचक्यू	संचालक खेल एवं युवा कल्याण
राकेश गुप्ता	संचालक खेल एवं युवा कल्याण	एडीजी उज्जैन
अभय सिंह	आईजी भोपाल ग्रामीण	आईजी योजना
हरिनारायण चारी मिश्र	पुलिस कमिश्नर, भोपाल	आईजी एससीआरबी
संजय कुमार	आईजी बालाघाट	पुलिस कमिश्नर, भोपाल
संजय तिवारी	आईजी योजना	आईजी भोपाल ग्रामीण
चैत्रा एन	आईजी एससीआरबी	आईजी शहडोल
ललित शाक्यवार	आईजी शिकायत	आईजी बालाघाट

(नोट - विवेक शर्मा के एडीजी पीटीआरआई संभालने पर एडीजी चयन शाहिद अबसार इस पद के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे।)

अफसरों ने निर्धारण के नाम पर कम कर दिया ग्रेड-पे

विस, भोपाल। प्रदेश के संविदा कर्मियों का कहना है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी राज्य के संविदा कर्मियों के लिए जारी सामान्य प्रशासन नीति का विभागों द्वारा अब तक पालन नहीं किया गया है। विभागीय अधिकारियों द्वारा निर्धारण के नाम पर ग्रेड घटा दिया गया। कर्मचारियों के अनुसार वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री की घोषणा के उपरांत सामान्य प्रशासन नीति तैयार कर आदेश जारी किया गया था। इसके अनुसार शासकीय सेव के समान 100 प्रतिशत वेतन संविदा कर्मियों को देने के निर्देश दिए गए थे, किन्तु विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रेड निर्धारण के नाम पर संविदा कर्मियों कर्मचारियों के साथ धोखा कर ग्रेड घटा दिया गया,जिससे उनका मानदेय न के बराबर बढ़ा। उन्होंने बताया कि आदेश में संविदा कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान किया गया था। गत वर्षों में लगभग 3 हजार से अधिक संविदा कर्मियों की कार्य के दौरान मृत्यु हुई,किन्तु अब तक एक भी अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि इसी तरह संविदा कर्मियों का प्रतिवर्ष अनुबंध पत्र भरे जाने की प्रथा समाप्त कर दी गई थी, किन्तु अधिकारियों द्वारा शासन के आदेशों के विपरीत आज भी संविदा कर्मियों को मानसिक और आर्थिक शोषण किया जा रहा है। इस संबंध में संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह का कहना है कि संविदा कर्मियों को उनके घटे हुए ग्रेड पे तत्काल सुधारे जाए और प्रति वर्ष महंगाई सूचकांक मजदूरी के स्थान पर शासकीय सेवक के समान महंगाई भत्ता प्रदान किया जाए। विभागों में रिक्त पदों संविदा कर्मियों को उनके अनुभव के आधार पर नियमित किया जाए।

मप्र में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण का मामला

सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 4 को

नई दिल्ली/भोपाल, जेएनएन। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने से जुड़े मामलों की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हालांकि, खबर है कि सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार की ओर से कोई भी अधिवक्ता उपस्थित नहीं था। हालांकि राज्य सरकार ने कहा है कि सुनवाई के दौरान राज्य के प्रतिनिधि उपस्थित थे। ओबीसी वर्ग के वकीलों के अनुरोध पर अदालत ने इन मामलों की अगली सुनवाई 4 फरवरी को निर्धारित की है। ओबीसी आरक्षण से जुड़े सभी प्रकरण गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति नरसिंहा और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की खंडपीठ के समक्ष सीरियल नंबर 106 पर अंतिम बहस के लिए सूचीबद्ध थे। ओबीसी वर्ग के वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी ने जारी बयान में बताया कि जैसे ही मामलों को कॉल किया गया। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार की ओर से कोई भी वकील अदालत में मौजूद नहीं मिला।

सरकार की प्रतिबद्धता का दावा

राज्य सरकार की ओर से यह कहा गया है कि सरकार ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार पक्ष के अनुसार सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज, स्टेंडिंग काउंसिल मृणाल, अलंकार, रूपराह और एडिशनल एडवोकेट जनरल धीरेंद्र सिंह परमार मौजूद थे। हालांकि, ओबीसी पक्ष का कहना है कि जिन मामलों की सुनवाई तय थी, उनमें राज्य का प्रभावी प्रतिनिधित्व नहीं हुआ।

हाईकोर्ट से सभी केस सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर

राज्य सरकार ने ओबीसी आरक्षण से जुड़े सभी प्रकरण हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर करवा दिए थे। ओबीसी पक्ष के वकीलों का आरोप है कि 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के दबाव से बचने के लिए यह कदम उठाया गया। वकीलों का यह भी कहना है कि सरकार भर्ती विज्ञापनों में तो 27 फीसदी आरक्षण का उल्लेख कर रही है, लेकिन नियमों के विपरीत 13 फीसदी पद होल्ड किए जा रहे हैं।

निजी स्कूलों को 15 तक देनी होगी किताबों की सूची, कोर्स बदला तो कारण बताना होगा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। निजी स्कूल संचालक तीन शैक्षणिक सत्रों तक गणवेश नहीं बदल सकेंगे। जिला प्रशासन ने निजी स्कूलों को 15 फरवरी तक किताबों की सूची जमा करने का आदेश जारी कर दिया है। संभागीय अतिरिक्त संचालक ने स्कूलों को बीस जनवरी तक सूची जमा करने का आदेश दिया था। जानकारी के मुताबिक गत कुछ सालों से यूनिफार्म और किताबों पर दलाली हो रही है। इसे देखते हुए संभागीय संयुक्त संचालक (जेडी) ने सख्ती दिखाते हुए बीस जनवरी तक सूची जमा करने को कहा था, लेकिन प्रदेश के कई स्कूल उक्त तिथि तक सूची जमा नहीं कर पाए हैं। जेडी के आदेश में कहा है कि शिक्षण सत्र प्रारंभ होने पर कई निजी शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन द्वारा विशेष दुकान से ही कोर्स, यूनिफार्म और अन्य सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। कई स्कूलों में स्वयं स्कूल प्रबंधन द्वारा पुस्तकें और यूनिफार्म तथा अन्य सामग्री बेचने के संबंध में जानकारी प्राप्त होती है। जिला प्रशासन ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए 15 फरवरी तक सूची जमा करने का आदेश जारी कर दिया है। सभी अशासकीय विद्यालयों के लिए यह अनिवार्य है कि वे आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पूर्व लेखक एवं प्रकाशक के नाम तथा मूल्य के साथ

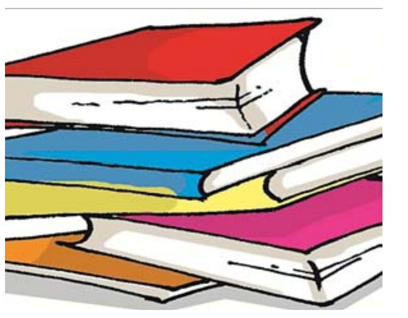

कक्षावार पुस्तकों की सूची विद्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करें और स्कूल के विद्यार्थियों को ऐसी सूची मांगने पर उपलब्ध कराई जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उक्त पुस्तकों को उनकी सुविधा अनुसार खुले बाजार से क्रय कर सकें। प्रत्येक स्कूल प्रबंधक/प्राचार्य प्रत्येक कक्षा में लगने वाली पुस्तकें तथा प्रकाशक की जानकारी को जिला प्रशासन के कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करेंगे। एक हार्ड कापी जमा कराएंगे। किसी स्कूल द्वारा पिछले साल की अपेक्षा किताबें बदली जाती हैं, तो 15 फरवरी तक कारण भी बताना होगा।

हर जिले में 32 विजेता विद्यार्थी होंगे सम्मानित

भोपाल। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा दूसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, बौद्धिक विकास एवं शैक्षिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने आयोजित शैक्षिक ओलम्पियाड के जिला स्तरीय परिणाम राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। घोषित परिणामों के अनुसार प्रत्येक जिले से हर विषय एवं प्रत्येक कक्षा से एक प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी को जिला विजेता के रूप में चयनित किया गया है। जिला स्तर पर 1 से 20 फरवरी के बीच सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। विजेता विद्यार्थियों के साथ उनके मार्गदर्शी शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में 32 विद्यार्थियों को जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड विजेता के रूप में सम्मानित किया जाएगा। शैक्षिक ओलम्पियाड के तहत जिला स्तर की परीक्षाएं 16 और 17 जनवरी को प्रदेश के समस्त विकासखंडों पर आयोजित की गई थीं, जिनमें करीब दो लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे।

आय से 155 फीसदी अधिक संपत्ति मिली

सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट के खिलाफ एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सीबीआई की एसीबी जबलपुर यूनिट ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के पूर्व अधीक्षक सोमेन गोस्वामी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। जांच में सामने आया है कि इस अधिकारी ने अपनी आय के डेढ़ गुना ज्यादा संपत्ति बनाई है। सीबीआई की रिपोर्ट के अनुसार 1 अप्रैल 2015 से 13 जून 2023 के बीच सोमेन के पास 96 लाख 91 हजार 390 रुपए की ऐसी संपत्ति मिली जिसका जबाव वे नहीं दे सके। यह प्रॉपर्टी उनकी इस अवधि में वैध कमाई से 155.फीसदी अधिक है। जबलपुर स्थित सीजीएसटी की प्रिवेंटिव ब्रांच मुख्यालय में तैनात रहे सोमेन गोस्वामी के खिलाफ की गई एक शिकायत की जांच के बाद ये मामला दर्ज किया गया है। उन पर

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और 13(1)(बी) के तहत पद का दुरुपयोग कर अवैध संपत्ति बनाने के आरोप में लगाए गए हैं। सीबीआई ने उनके पिछले 8 सालों के वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और निवेशों का बारीकी से विश्लेषण किया है। रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ है कि इस अधिकारी ने पद पर रहते हुए अनुचित काली कमाई से ये संपत्ति बनाई है। इसमें जायदाद के अलावा बैंकों में जमा राशि भी शामिल है।

आईएफएस मीट आज से, सीएम करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को वानिकी सम्मेलन एवं आईएफएस मीट-2026 का शुभारंभ करेंगे। डॉ. यादव वन विभाग के आईएफएस थीम गीत का विमोचन कर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड भी प्रदान करेंगे। वन, पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप सिंह अहिरवार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वीएन अंबाडे व वन अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

पशुपति लोक का सीएम ने किया लोकार्पण: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को मंदसौर में भगवान श्री पशुपतिनाथ लोक का लोकार्पण किया। प्रथम चरण में लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से लोक का निर्माण किया गया है।

बैंक का 1.66 करोड़ का लोन हड़पा

आरोपी ने बंधक रखे दो मकान भी बेचे, बार संचालक पर एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केनरा बैंक के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की रीवा यूनिट ने

एफआईआर दर्ज कर ली है। यहां के एक बियर बार संचालक ने बैंक से लाखों का लोन लिया और फिर बड़ी ही चतुराई से बैंक में गिरवी रखी प्रॉपर्टी को ही ठिकाने लगा दिया। मामला केनरा बैंक की रीवा ब्रांच का है। ईओडब्ल्यू से मिली जानकारी के मुताबिक बियर बार का संचालन करने वाली फर्म सिंह एंड कंपनी के प्रोपराइटर लाल बहादुर सिंह उर्फ एलबी सिंह ने 2013 में अपनी फर्म और घर के लिए कुल 58 लाख रुपए का कमर्शियल और हाउसिंग लोन लिया था। इसके लिए उन्होंने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रीवा स्थित अपने मकान समेत कुल 4 प्रॉपर्टी केनरा बैंक के पास बंधक रखी थीं। एलबी सिंह ने लोन लेने के बाद लंबे समय तक बैंक का कर्ज नहीं चुकाया। किस्त जमा न होने पर बैंक के अफसरों ने छानबीन की तो उजागर हुआ कि सिंह ने बैंक को बिना बताए बंधक रखे 2 मकान बेच दिए और 1 दुकान का स्वरूप ही बदल दिया ताकि लोन की वसूली न की जा सके। इस बीच ब्याज की रकम जोड़कर ऋण की कुल रकम 1 करोड़ 66 लाख 83 हजार हो गई। बैंक की शिकायत के बाद जब ईओडब्ल्यू ने जांच की तो पता चला कि यह साजिश बैंक की रकम हड़पने के मकसद से ही रची गई थी। इस मामले में दो साल की जांच के बाद ईओडब्ल्यू रीवा ने आरोपी लाल बहादुर सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश रचने के आरोप में आईपीसी की धारा 420, 406 और 120बी के तहत केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल जांच एजेंसी मामले की विवेचना कर रही है।

रणनीति दिल्ली में कांग्रेस के चार नेताओं ने राहुल को बताई प्रदेश संगठन की वास्तविक स्थिति

हर माह मुद्दे बदलकर सरकार से लड़ेगी कांग्रेस

विदेश प्रवास पर कमलनाथ नहीं पहुंचे बैठक में

विशेष संवाददाता, भोपाल। दिल्ली के फरमान के बाद अब प्रदेश कांग्रेस नए मुद्दों को लेकर सरकार को घेरेगी। इसके लिए कांग्रेसी नेताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर ऐसे मुद्दे तलाशने होंगे, जो सीधे जनता के हितों को प्रभावित करते हैं। पार्टी हर महीने नए मुद्दे को लेकर सरकार और भाजपा के खिलाफ मैदानी लड़ाई लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस संगठन को लेकर बीते बुधवार को आलाकमान ने दिल्ली में बैठक बुलाई थी, जिसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के अलावा सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह मौजूद रहे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भी इस बैठक में बुलाया गया था, किन्तु नाथ देश से बाहर होने की वजह से बैठक में शामिल नहीं हो सके।

सूत्रों की मानें तो बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी ने इस

बात पर असंतोष जताया कि मध्यप्रदेश में अभी भी एकजुटता का अभाव है। कई नेता अलग-अलग तरीके से सरकार और भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ते हैं। इससे गुटबाजी को बढ़ावा मिलता है। नेतृत्व ने संदेश दिया है कि मध्यप्रदेश में सरकार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जाए। प्रदेश नेता जिला और ब्लाक स्तर पर स्वयं जाकर स्थानीय मुद्दों पर वहां के नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा करें। अगर मुद्दा ऐसा हो कि उसे प्रदेश स्तर पर लाया जाए, तो पूरी तैयारी की जाए। कहा गया है कि सभी बड़े नेता महीने में कम से कम दो बार भोपाल में आपस में बैठें और निचले स्तर से आए मुद्दों पर चर्चा कर उसे जमीनी स्तर पर उठाने की रणनीति बनाएं। हर महीने कांग्रेस को नए मुद्दे को साथ सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। यदि कोई प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा मुद्दा सामने आता है,तो उसे प्राथमिकता दी जाए और स्थानीय मुद्दे को बाद में उठाया जाए।

समस्याओं को करें चिह्नित

प्रदेश संगठन से कहा है कि उसे हर वर्ग की समस्याओं को चिह्नित करना चाहिए। इसके लिए अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, ओबीसी, महिलाएं और सवर्णों को लेकर अलग-अलग रणनीति तैयार की जाए। हर वर्ग से नेता मिलें और उनकी समस्याओं को समझे, फिर से मुद्दा बनाकर सरकार के सामने रखा जाए। इसके अलावा पदाधिकारियों को दिए गए दायित्वों की माइक्रो मॉनिटरिंग होनी चाहिए। जिम्मेदार लोग पदाधिकारियों को सौंपे गए कार्यों का फॉलोअप लें। प्रत्येक पदाधिकारी को जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका नियमित तौर पर आंकलन किया जाना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ के शेष

उमेश जोगा 15 माह बाद ...

अधिकारियों की सूची में इनपैनल किए गए हैं, ऐसे में उन्हें पुलिस कमिश्नर भोपाल से हटाकर पीएचक्यू भेजकर उनका रास्ता आसान कर दिया है। हालांकि, कहा जा रहा है कि चारी ने अभी तक प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए आवेदन नहीं किया है। ऐसे में अब उन पर निर्भर करेगा कि वे प्रतिनियुक्ति पर जाते हैं या नहीं। इसी तरह बालाघाट में जिस तरह से नक्सल मूवमेंट में पुलिस को सफलता मिली है, उससे वहां के आईजी संजय कुमार का कद बढ़ा है। परिणाम स्वरूप उन्हें भोपाल का पुलिस मुखिया बनाकर प्रोत्साहित किया गया है।

एक साल में सेवाएं वापस ली शर्मा से 3 जनवरी 2025 में जब परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा का मामला तूल पर था, तब राज्य सरकार ने परिवहन आयुक्त के पद पर 1998 बैच के अधिकारी विवेक शर्मा की सेवाएं परिवहन विभाग को सौंपते हुए उन्हें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर बनाया गया था, लेकिन उनकी सेवाएं महज 1 साल 25 दिन बाद वापस ले ली गई।

खेलो इंडिया के बीच संचालक बदले: इस फेरबदल में प्रदेश के खेल संचालक को ऐसे समय में बदला गया है,जब राज्य में खेलो इंडिया गेम चल रहे है। इस पद पर एडीजी अंशुमान यादव को पदस्थ किया गया है। 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी यादव काफी समय से पुलिस मुख्यालय में पदस्थ थे। उनकी सेवाएं खेल एवं युवक कल्याण विभाग को सौंपी गई है, जिससे वे खेल के साथ युवक कल्याण विभाग का दायित्व निभा सकेंगे। उनकी छवि ईमानदार और कड़क अधिकारी के तौर पर रही है।

भोपाल के एसपी रहे सिंह को हाऊसिंग कॉर्पोरेशन: भोपाल सहित राज्य के कई जिलों में एसपी रहे अनंत कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति से प्रदेश में वापसी हो रही है। वर्ष 1994 बैच के आईपीएस सिंह को म.प्र. पुलिस हाऊसिंग कॉर्पोरेशन भोपाल की जिम्मेदारी दी गई है।

11 जिलों को मिलेंगे नए एसपी, सूची कभी भी: इधर, चर्चा है कि गृह विभाग जल्द ही एक दर्जन से ज्यादा जिलों के पुलिस कप्तान बदले

संक्षिप्त समाचार

आवारा कुत्तों से जुड़े केस में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, जेएनएन। आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है। गुरुवार को आवारा कुत्तों के मामले में पिछले आदेशों में संशोधन के अनुरोध वाली याचिकाओं पर कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में डॉग लवर्स, कुत्तों के काटने के शिकार हुए लोगों, एनिमल राइट एक्टिविस्ट, केंद्र और राज्य सरकारों समेत सभी पक्षकारों की ओर से वकीलों की दलीलें विस्तार से सुनने के बाद फैसला सुरक्षित किया। अदालत ने सभी पक्षों को एक हफ्ते में लिखित दलीलें जमा करने का आदेश दिया है। एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के बंध्याकरण मामले में राज्य सरकारों द्वारा क्षमता बढ़ाने के निर्देशों का पालन न करने पर चिंता जताई थी।

अल्बानियाई एआई मंत्री शक के घेरे में

तिराना, जेएनएन। अल्बानिया ने साल 2025 में दुनिया की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंत्री डिएला बनाया था, जिसका मकसद देश में फैली भ्रष्टाचार को कम करना था। हालांकि अब एक बड़ा विवाद सामने आया है डिएला को बनाने वाली नेशनल इंफॉर्मेशन एजेंसी के दो प्रमुख अधिकारी खुद भ्रष्टाचार के आरोप में फंस गए हैं। नेशनल इंफॉर्मेशन एजेंसी की डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर को हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्हें ठेकों में धमकी देकर हेरफेर करने, रिश्वत लेने और क्रिमिनल संगठन से जुड़े होने का आरोप है। यह वही एजेंसी है जो सरकार की डिजिटल व्यवस्था संभालती है। इस पूरे घटनाक्रम ने सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जमीन के बदले नौकरी: 9 मार्च से नियमित सुनवाई

नई दिल्ली, जेएनएन। जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मामले में अदालत नौ मार्च से नियमित सुनवाई करेगी। कोर्ट ने ट्रायल प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए अभियोजन साक्ष्य दर्ज करने का आदेश दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत में सुनवाई हुई। लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी और तेजप्रताप को अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट दी गई थी। अदालत ने उन्हें 25 फरवरी तक किसी भी दिन पेश होने को कहा है। पेशी से एक दिन पहले उन्हें अदालत को सूचित करना अनिवार्य होगा, ताकि आरोप तय करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके। वहीं, मीसा भारती और हेमा यादव अदालत में स्वयं उपस्थित हुईं और उन्होंने अपने खिलाफ तय आरोपों से इनकार किया।

सोनम वांगचुक केस: दिए बेहतर इलाज के निर्देश

नई दिल्ली, जेएनएन। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने जेल प्रशासन को आदेश दिया है कि सोनम वांगचुक को अस्पताल में उचित उपचार मुहैया कराया जाए। वहीं, उनकी हिरासत को चुनौती देने से जुड़े बड़े मुद्दे पर अब 2 फरवरी को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि पिछले तीन महीनों में उनका 21 बार मेडिकल चेकअप हो चुका है, लेकिन उन्हें लगातार पेट से जुड़ी समस्या बनी हुई है, इस पर कोर्ट ने सवाल किया कि जब पेट की बीमारी की शिकायत है तो गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट को क्यों नहीं दिखाया गया। सरकार की ओर से एएसजी केएम नटराज ने कहा, हिरासत में सोनम वांगचुक का पूरा ध्यान रखा गया है। और ताजा मेडिकल रिपोर्ट में उनकी ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन लेवल सामान्य पाए गए हैं।

बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी: सेना ने राष्ट्रपति को दिया नेशनल सैल्यूट

गणतंत्र दिवस के 4 दिवसीय समारोह का समापन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम रहे मौजूद

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के विजय चौक पर गुरुवार शाम को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी हुई। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के 4 दिन तक चले कार्यक्रमों का समापन हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सेरेमनी में मौजूद रहीं। समारोह की शुरुआत में सेना ने राष्ट्रपति को नेशनल सैल्यूट दिया। इसके बाद तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरुआत धुन कदम-कदम बढ़ाए जा बजाकर की। तीनों सेनाओं के साथ सीएपीएफ के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय धुनें बजाईं। वायुसेना के बैंड ने पिछले साल रिटायर किए गए फाइटर जेट मिग-21 की आकृति बनाई। वहीं नौसेना बैंड ने वंदे मातरम् की 150वीं सालगिरह के मौके पर 3 आकृतियां बनाईं। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम नागरिक मौजूद रहे।

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा बन सकती हैं उप मुख्यमंत्री

बारामती सीट से उप चुनाव लड़ने की संभावना

मुंबई, जेएनएन। अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और सुनील तटकरे ने सुनेत्रा से मुलाकात की है। सुनेत्रा फिलहाल राज्यसभा सांसद हैं, वे अब अजित पवार की बारामती सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। इस प्रस्ताव पर एनसीपी के नेता सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करेंगे। उधर, एनसीपी पार्टी का शरद गुट से भी विलय हो सकता है। दरअसल, अजित पवार का बुधवार को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में निधन हो गया था। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई। पवार के निधन पर महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक रखा गया है।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को पुणे जिले के बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पुणे से 100 किमी दूर बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में एनसीपी प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी इस उपस्थित थे। वहीं अजित पवार की राज्यसभा सदस्य पत्नी सुनेत्रा और बेटे पार्थ एवं जय भी मौजूद थे। बारामती से सांसद और चचेरी बहन सुप्रिया सुले और एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल भी उपस्थित थे।

प्रफुल्ल पटेल बन सकते हैं पार्टी अध्यक्ष

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार पंचतत्व में विलीन हो गए। अब उनके निधन के बाद डिप्टी सीएम कौन बनेगा? फिलहाल अजित की पत्नी सुनेत्रा को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। वहीं प्रफुल्ल पटेल एनसीपी अध्यक्ष बन सकते हैं।

बेटे पार्थ और जय ने दी मुखाग्नि

शाह, गडकरी, नवीन, फडणवीस, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, एकनाथ शिंदे, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशीलकुमार शिंदे और आंध्र के मंत्री नारा लोकेश सहित कई नेताओं ने पवार के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। पार्थ और जय ने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। अजित पवार के पार्थिव शरीर को बारामती के पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी अस्पताल से बृहस्पतिवार की सुबह उनके गांव ले जाया गया।

दुर्घटना की जांच शुरू, ब्लैक बॉक्स जब्त

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस विमान दुर्घटना के संबंध में दुर्घटनावश मृत्यु रिपोर्ट दर्ज की है। सरकार ने जारी बयान में बताया कि सुबह खराब दृश्यता के कारण हवा में एक चक्कर लगाने के बाद 'लियरजेट' विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। विमान कुछ ही पल बाद रनवे के किनारे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि लियरजेट विमान का 'ब्लैक बॉक्स' बरामद कर लिया गया है।

आखिरी समय में बदला गया था विमान का पायलट

अजित पवार के विमान हादसे में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर उस दिन यह उड़ान भरने वाले नहीं थे। उनके दोस्तों के मुताबिक, वे आखिरी समय में दूसरे पायलट की जगह इस उड़ान के लिए गए थे। जिस पायलट को उड़ान भरनी थी वह ट्रैफिक में फंस गया था, इसलिए सुमित कपूर को उसकी जगह भेजा गया। कैप्टन सुमित कपूर कुछ दिन पहले ही हांगकांग से लौटे थे। उन्हें इस उड़ान की जानकारी हादसे से कुछ घंटे पहले ही दी गई थी।

तेल का पैसा रिलीज करेगा अमेरिका वेनेजुएला देगा हिसाब

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। वेनेजुएला की अंतरिम सरकार हर महीने अमेरिका को बजट का हिसाब देगी। उन्हें यह बताना होगा कि महीनेभर में उसे पैसे कहां-कहां खर्च करने हैं। इसके बदले में अमेरिका उस पैसे को रिलीज करेगा, जो वेनेजुएला के तेल बेचने से मिला है। अभी शुरुआत में यह पैसा जिस खाते में रखा जाएगा, उसे कतर संभालेगा इस पर डेमोक्रेट सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई। डेमोक्रेट सांसदों ने कहा कि यह साफ नहीं है कि यह व्यवस्था कानूनी और पारदर्शी कैसे है। उन्होंने यह भी कहा कि कतर के शासक को राष्ट्रपति ट्रम्प का करीबी माना जाता है, इसलिए शक और बढ़ता है। रुबियो ने कहा कि कतर को पैसा भेजना इसलिए जरूरी है क्योंकि वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंध हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला से जुड़े एक जब्त तेल टैंकर को वापस सौंपने का फैसला किया है। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर का नाम एम/टी सोफिया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह पहली बार है जब ट्रंप प्रशासन के दौरान जब्त किए गए किसी तेल टैंकर को वेनेजुएला को लौटाया जा रहा है।

राहुल-खड़गे से मिले शशि थरूर बोले-साथ मिलकर कर रहे काम

केरल चुनाव की मीटिंग में शामिल नहीं हुए थे सांसद

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस में पार्टी हाईकमान से मतभेद की खबरों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। तीनों के बीच बैठक संसद में खड़गे के कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि मेरी पार्टी के दोनों नेताओं से बातचीत हुई। सब ठीक है। हम सब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब थरूर और पार्टी लीडरशिप के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। हाल ही में केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एआईसीसी की एक बैठक हुई थी, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए थे। वहीं केरल का सीएम बनने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मेरी इस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

राहुल ने कोच्चि में थरूर को नजरअंदाज किया था

एक न्यूज एजेंसी के अनुसार 19 जनवरी को कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था। थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई।

'ये कश्मीर नहीं, बोलकर कश्मीरियों को पीटा

देहरादून, जेएनएन। देहरादून में दो कश्मीरी लड़कों को दुकानदार ने रॉड से पीटा। घायलों का आरोप है कि दुकानदार को जैसे ही पता लगा कि वो मुस्लिम हैं और कश्मीर से हैं तो वह भड़क गया और गाली-गलौज करता हुआ मारपीट करने लगा। इस दौरान दुकान के पास बैठे कुछ और लोग भी वहां पर पहुंचे और . घायल लड़के ने बताया कि मारपीट करने वालों में दुकानदार के साथ एक महिला भी थी। वे कह रहे थे-ये कश्मीर नहीं है, यहां कश्मीरी नहीं चलेगी, ये मुस्लिम हैं, इनको जिंदा मार दो। तुमने पहलगाम में हमारे लोगों को मारा है, अब तुम्हें बताएंगे। दरअसल, ये घटना बुधवार शाम को देहरादून के विकास नगर में हुई है, हमले में 18 साल का दानिश और एक नाबालिग लड़का घायल हुआ है। नाबालिग का हाथ टूट गया है और सिर में गंभीर चोटें लगी हैं। दानिश को भी कई जगहों पर चोटें आई हैं। यह नाबालिग, रिश्ते में दानिश का भाई है। घटना पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं, इन्हें हर हाल में रोका जाना चाहिए।

पीड़ित ने कहा-पहली बार देहरादून आए थे

दानिश के घायल रिश्तेदार ने कहा-हम विकास नगर के चौकी बाजार में दुकान पर गए थे। दुकानदार ने नाम पूछा, हमने अपना नाम बताया तो उसने कहा तुम मुस्लिम हो और फिर धर्म के नाम पर गाली-गलौज करने लगा। हमने उन्हें बताया कि हम सिर्फ शॉल बेचने आए हैं। हम पहली बार उत्तराखंड आए हैं। हमें बस नमकीन चाहिए। तभी कुछ और लोग वहां पर आए और कहने लगे कि ये मुस्लिम है, इन्हें मारो, खत्म कर दो।

इम्तियाज की फिल्म में रहमान देंगे म्युजिक

मुंबई, जेएनएन। म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान पिछले काफी वक्त से विवादों में घिरे हुए थे। उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सांप्रदायिक भेदभाव होने की बात कही थी, जिसपर काफी बवाल छिड़ा था, लेकिन लगता है कि रहमान के कमेंट्स से फिल्म मेकर इम्तियाज अली को कोई फर्क नहीं पड़ा है, वो उन्हें खुलेआम सपोर्ट कर रहे हैं। इम्तियाज अली ने कुछ महीनों पहले अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट की थी, जो वो दिलजीत दोसांझ के साथ बना रहे हैं, इसमें शरवरी वाघ, वेदांग रैना और नसीरुद्दीन शाह भी काम करेंगे। पिछले काफी समय से फिल्म की शूटिंग भी जोरो-शोरों से चल रही थी। अब फाइनली फिल्म की रिलीज डेट सामने आई है, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाया है। फिल्म मेकर की फिल्म इस साल 12 जून को थिएटर्स में रिलीज होनी है। ये एक लव स्टोरी है, जिसकी शूटिंग फिलहाल जारी है। हालांकि इस अनाउंसमेंट पोस्ट में जिस चीज पर फैंस का सबसे ज्यादा ध्यान गया, वो हैं ए आर रहमान। इम्तियाज अली की फिल्म में रहमान का म्यूजिक होने वाला है, जो कई लोगों को चौंकाने के साथ-साथ खुश कर गया है।

यूजीसी के नए नियम पर सुप्रीम के फैसले से थमेगा विवाद?

नई दिल्ली, जेएनएन। यूजीसी के नए नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद देश की राजनीति और विश्वविद्यालय परिसरों में उठता विवाद फिलहाल थमता दिख रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह विराम स्थायी है या आने वाले दिनों में यह मुद्दा ज्यादा तीखा होकर लौटेगा। 17 दिन पहले लागू हुए यूजीसी के नए नियम को शीर्ष अदालत ने अगली सुनवाई तक रोकते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी से जवाब मांगा है। तब तक 2012 का पुराना नियम ही लागू रहेगा। इस फैसले के बाद जहां सवर्ण समाज के कई संगठन और छात्र सड़कों पर मिठाइयां बांटते नजर आए, वहीं पिछड़े और वंचित वर्गों में असमंजस और चिंता का माहौल है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद उप्र, मप्र और बिहार में जश्न का माहौल देखने को मिला। लखनऊ, मथुरा, चंदौली और गोरखपुर जैसे शहरों में सवर्ण समाज के लोगों ने लड्डू, पेड़ा बांटे और नारेबाजी की। साधु-संतों से लेकर छात्र संगठनों तक ने इसे न्याय की जीत बताया। सवाल यह है कि जिस फैसले से अगड़ा वर्ग राहत महसूस कर रहा है, क्या वही फैसला पिछड़े वर्गों को स्वीकार होगा? दरअसल, यूजीसी के नए नियम कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसरों में जाति-आधारित भेदभाव की शिकायतों से जुड़े थे।

अब सामने हैं ये पांच सवाल

- **पहला सवाल**- क्या सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद सवर्ण समाज की नाराजगी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, या यह सिर्फ अस्थायी राहत है?
- **दूसरा सवाल**- जिन नियमों को रोक दिया गया है, उनसे जुड़े पिछड़े और वंचित वर्ग क्या खुद को असुरक्षित महसूस करेंगे?
- **तीसरा सवाल**- क्या सरकार इस पूरे विवाद की सियासी संवेदनशीलता को भांप चुकी थी, इसलिए सुप्रीम कोर्ट में नियमों का खुलकर बचाव नहीं किया गया?
- **चौथा सवाल**- अगर नियमों में सचमुच अस्पष्टता थी, तो उन्हें बिना व्यापक संवाद और विशेषज्ञ सलाह के लागू क्यों किया गया?
- **पांचवां और सबसे अहम सवाल**- क्या यह पूरा मामला आने वाले चुनावों में जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश का हिस्सा था?

अब 19 मार्च को होगी अगली सुनवाई: ध्यान देने वाली बात यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से किसी तरह की तीखी आपत्ति सामने नहीं आई। अब 19 मार्च को अगली सुनवाई होनी है।

एक्शन

ईरान के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई का जवाब

ईयू ने ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को आतंकवादी सूची में डाला

नई दिल्ली, जेएनएन। यूरोपीय संघ (ईयू) ने ईरान में हाल के हफ्तों में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई के जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी को अपनी आतंकवादी सूची में डाल दिया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स देश की एक बड़ी सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक ताक़त है। यूरोपियन यूनियन कमिशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का स्वागत किया है। ईयू की शीर्ष राजनयिक काया कलास ने कहा कि यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों ने यह निर्णायक क़दम इसलिए उठाया क्योंकि दमन का जवाब दिया जाना ज़रूरी है।

ईरान पर अमेरिकी हमले के हो सकते हैं ये सात नतीजे

ऐसा लग रहा है कि अमेरिका कुछ ही दिनों में ईरान पर हमला करने वाला है। हालाँकि इस हमले के संभावित टारगेट का अनुमान काफ़ी हद तक लगाया जा सकता है, लेकिन इसका नतीजा क्या होगा यह बता पाना आसान नहीं है। अगर ईरान के साथ अंतिम समय में कोई डील नहीं हो पाती है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी सेना को हमला करने का आदेश देते हैं, तो इसके संभावित परिणाम क्या होंगे? ईरान के खिलाफ़ अमेरिका कार्रवाई के पांच संभावित नतीजे-

» **सर्जिकल स्ट्राइक और लोकतंत्र की तरफ कदम:** अमेरिकी हवाई और नौसेना बल ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर और बसीज यूनिट मिलिट्री बेस बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने के ठिकानों और इनके स्टोरेज साइट्स पर हमला करे।

» **ईरानी शासन बच जाए लेकिन उसकी नीतियाँ नरम हो जाएं:** इसे मोटे तौर पर वेनेज़ुएला मॉडल कहा जा सकता है, जिसमें अमेरिकी कार्रवाई से सरकार तो बनी रहे, लेकिन उसकी नीतियों में बदलाव आ जाए। हालाँकि इस स्थिति की संभावना भी काफ़ी कम है।

» **सैन्य शासन की स्थापना:** कई लोगों को लगता है कि इस स्थिति की संभावना सबसे ज़्यादा है। हालाँकि मौजूदा ईरानी सरकार स्पष्ट तौर पर कई लोगों के बीच अलोकप्रिय है, और पिछले कुछ वर्षों में हर नया विरोध प्रदर्शन सरकार को कमज़ोर करता दिखता है।

» **अमेरिकी और पड़ोसी देशों पर हमला करके ईरान करे कार्रवाई :** ईरान ने अमेरिका के किसी भी हमले का बदला लेने की कसम खाई है, उसकी उंगली ट्रिगर पर है। अमेरिकी नौसेना और वायु सेना की ताक़त का मुक़ाबला नहीं कर सकता, लेकिन फिर भी वह अपनी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जखीरे से हमला कर सकता है।

» **ईरान खाड़ी में माइन बिछाकर जवाबी कार्रवाई करे:** ईरान साल 1980-88 के ईरान-इराक़ युद्ध के बाद से ही ग्लोबल शिपिंग और तेल सप्लाई के लिए एक संभावित ख़तरा बना हुआ है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत लिक्विफाइड नेचुरल गैस एक्सपोर्ट और तेल उत्पाद हर साल इसी से होकर गुज़रते हैं।

» **ईरान अमेरिकी युद्धपोत को डुबो दे:** इसके तहत एक अमेरिकी जंगी जहाज़ का डुबाना, और उसके क्रू के बचे हुए लोगों का संभावित रूप से पकड़ा जाना होगा जो अमेरिका के लिए एक बहुत बड़ी शर्मिंदगी होगी।

» **ईरानी देश में अराजकता:** यह हक़ीकत में एक बहुत बड़ा ख़तरा है और यही क़तर और सऊदी अरब जैसे पड़ोसी देशों की बड़ी चिंताओं में से एक है।

हिमाचल में बर्फबारी के बाद तापमान 1 डिग्री

श्रीनगर, जेएनएन। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान -6 डिग्री सेल्सियस से -1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में सबसे कम -6.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बर्फबारी के कारण हिमाचल में चार नेशनल हाईवे सहित कुल 885 सड़कें और 3 हजार से ज्यादा बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं। पाइपलाइन में पानी जमने से वाटर सप्लाई भी बंद हैं, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। इधर, उत्तराखंड में दो दिनों से लगातार बर्फबारी के बाद आज धूप खिली है। हालांकि, बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में सड़कों पर अभी भी 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी है।

लौटकर वापस आई ठंड, भोपाल में 5.6 डिग्री गिरा दिन का पारा

2 फरवरी के बाद बारिश के आसार, मंदसौर प्रदेश में सबसे ठंडा

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को दिन में ठिठुरन रही। दिन का तापमान 20 डिग्री के आस पास रिकार्ड किया गया। जो कि एक दिन पहले 26 डिग्री के पास था। मौसम बुलेटिन के मुताबिक भोपाल में आ रही ठंडी हवाओं के कारण ठंड लौट आई है। इसका असर अगले एक सप्ताह तक रहेगा। वहीं 2 फरवरी को हल्की बारिश होने का भी अनुमान है। जानकारी अनुसार गुरुवार सुबह प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कोहरा छाया रहा। कई जिलों में सुबह 10 बजे तक धूप नहीं निकली थी। भोपाल, ग्वालियर समेत 20 से ज्यादा जिलों में मध्यम से घना कोहरा दर्ज किया गया, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ और विजिबिलिटी कम रही। मौसम विभाग के अनुसार ग्वालियर और दतिया में सबसे घना कोहरा रहा। रात के तापमान में भी गिरावट आई है। वहीं प्रदेश में मंदसौर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में 5.8, मरुखेड़ा (नीमच) में रात का तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बादल और कोहरे का अलर्ट: अगले दो से तीन दिन तक प्रदेश के उत्तरी हिस्से में कोहरा छा सकता है। बारिश का अलर्ट नहीं है। दिन-रात में ठंड का असर बढ़ सकता है। वहीं ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़ और शाजापुर में भी कोहरा छा सकता है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

221

82,566

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Tata Steel	202.99	4.37%
Larsen	3,960.90	3.66%
Eternal	277.10	3.40%
TMPV	352.65	3.33%
Axis Bank	1,367.00	3.33%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Asian Paints	2,514.90	-3.81%
SBI Life Insura	2,065.00	-2.77%
Interglobe Avi	4,749.00	-2.70%
Maruti Suzuki	14,870.00	-2.52%
TATA Cons. Prod	1,131.40	-2.17%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	91.950
€ यूरो	109.94
¥ येन	0.5998
£ पौंड	126.93

आर्थिक सर्वेक्षण: 40 फीसदी गिग वर्कर्स की कमाई 15 हजार से कम

सर्वे में न्यूनतम आय तय करने की सिफारिश; प्रतीक्षा के लिए अतिरिक्त पैसे का सुझाव

नई दिल्ली, जेएनएन। संसद में पेश किए गए इकोनॉमिक सर्वे में गिग इकोनॉमी पर चिंता जताई गई है। सर्वे के मुताबिक, भारत में लगभग 40 फीसदी गिग वर्कर्स यानी फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स और अन्य प्लेटफॉर्म से जुड़े कर्मचारियों की महीने की कमाई 15 हजार रुपए से भी कम है। रिपोर्ट में सरकार से सिफारिश की गई है कि गिग वर्कर्स के लिए प्रति घंटा या प्रति टास्क के आधार पर मिनिमम अर्निंग तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, काम के इंतजार के दौरान लगने वाले समय के लिए भी पेमेंट दिए जाने का सुझाव सर्वे में दिया गया है। गिग वर्कर्स की फिक्स्ड इनकम न होने के कारण इन्हें बैंक से लोन मिलने या अन्य फाइनेंशियल सर्विस का फायदा उठाने में मुश्किल आती है। सरकार का मानना है कि पॉलिसी ऐसी होनी चाहिए कि लोग अपनी मर्जी से गिग वर्क चुनें, न कि मजबूरी में। सर्वे में उन प्लेटफॉर्म्स की भी आलोचना की गई है जो एल्गोरिदम के जरिए काम बांटते हैं। ये एल्गोरिदम ही तय करते हैं कि किसे कितना काम मिलेगा, परफॉरमेंस कैसी है और कमाई कितनी होगी। इस कंट्रोल की वजह से वर्कर्स पर काम का दबाव बढ़ रहा है।

4 साल में 55 फीसदी बढ़े वर्कर्स, 1.2 करोड़ हुई संख्या

देश में गिग वर्कफोर्स बहुत तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2021 में गिग वर्कर्स की संख्या 77 लाख थी, जो वित्त वर्ष 2025 में 55 फीसदी बढ़कर 1.2 करोड़ पहुंच गई है। फिलहाल कुल वर्कफोर्स में इनकी हिस्सेदारी 2 फीसदी से ज्यादा है। अनुमान है कि साल 2029-30 तक नॉन-एग्रीकल्चर सेक्टर की कुल नौकरियों में गिग वर्क की हिस्सेदारी 6.7 फीसदी हो जाएगी। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि डिलीवरी कंपनियों और अन्य प्लेटफॉर्म्स को अपने वर्कर्स की ट्रेनिंग और एसेट्स में निवेश करना चाहिए। अक्सर पैसों की कमी और संसाधनों के अभाव में ये वर्कर्स स्किल्ड जॉब्स की तरफ नहीं बढ़ पाते। आने वाले समय में गिग इकोनॉमी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा होगी। 2030 तक इसका भारत की जीडीपी में योगदान लगभग 2.35 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। बीते दिनों जोमैटो, स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म के वर्कर्स ने बेहतर वेतन और वर्किंग कंडीशन को लेकर प्रदर्शन भी किए थे। इसे देखते हुए सर्वे की ये सिफारिशें महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

आरटीआई कानून की दोबारा समीक्षा करने का सुझाव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 लोकसभा में पेश कर दिया। इकोनॉमिक सर्वे ने करीब दो दशक पुराने सूचना का अधिकार कानून की दोबारा समीक्षा करने की जोरदार पैरवी की है। सर्वे में कहा गया है कि गोपनीय रिपोर्टों, ड्राफ्ट टिप्पणियों और आंतरिक नोट्स को सार्वजनिक करने की बाध्यता शासन प्रक्रिया को सीमित करती है। सर्वे में स्पष्ट किया गया कि आरटीआई अधिनियम, 2005 को न तो बेकार की जिज्ञासा पूरी करने के लिए बनाया गया था और न ही सरकार को बाहर से माइक्रो-मैनेज करने के लिए। इसका मकसद कहीं अधिक व्यापक है, जो कानून में साफ तौर पर लिखा गया है। सर्वे में कहा गया कि 20 साल बाद अब आरटीआई कानून की समीक्षा की जरूरत हो सकती है।

4.4 फीसदी फिस्कल डेफिसिट लक्ष्य की ओर बढ़ी सरकार

संसद में गुरुवार को पेश आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि व्यापक रुझानों के आधार पर केंद्र सरकार चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 फीसदी तक सीमित रखने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन और उनकी टीम द्वारा तैयार इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने राजकोषीय अनुशासन और ग्रोथ के लिए टिकाऊ निवेश दोनों को संतुलित किया। इस वर्ष तीन रेटिंग एजेंसियों ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को बढ़ाया है। वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 के दौरान कुल केंद्रीय व्यय में पूंजीगत खर्च का हिस्सा 12.5 फीसदी से बढ़कर 22.6 फीसदी हो गया जबकि प्रभावी पूंजीगत व्यय लगभग 2.6 फीसदी से बढ़कर 4 फीसदी हो गया।

ईयू के 22 लाख करोड़ के बाजार पर भारत का दबदबा

भारत-यूरोपीय संघ समझौते से जीरो टैरिफ एंट्री

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और यूरोपीय संघ के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। मंगलवार को इस मदर ऑफ ऑल डील्स कहे जा रहे वाले समझौते का ऐलान किया गया। ये भारत के लिए कई मायने में बड़े फायदे का सौदा है और सबसे बड़ा लाभ टेक्सटाइल इंडस्ट्री को मिलता दिख रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि डील के तहत अब भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ के देशों में जीरो टैरिफ एक्सपोर्ट का एक्सेस मिलेगा। ईयू के कपड़ा बाजार का आकार करीब 22 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

यूएस के बाद दूसरा बड़ा बाजार ईयू: अमेरिका के बाद यूरोपीय संघ भारत के कपड़ा और परिधान निर्यात का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। ऐसे में ये डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी एक बड़ा झटका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2024 में यूरोपीय संघ का इस सेक्टर में वैश्विक आयात करीब 22.9 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का रहा था। इस बड़े कपड़ा बाजार में जीरो टैरिफ एंट्री से भारत के निर्यात और रोजगार दोनों में तगड़ा उछाल देखने को मिलेगा।

एफटीए से टैरिफ फ्री निर्यात

भारत-ईयू एफटीए के तहत भारत को कपड़ा और परिधान सेक्टर में जीरो टैरिफ एंट्री का लाभ मिलेगा। अभी तक भारत से यूरोपीय देशों में भेजे जाने वाले कपड़ों पर अलग-अलग कैटेगरी में 9 से 12 फीसदी तक का टैरिफ लागू होता है, जिसे डील में हुए समझौते के तहत या तो शून्य या महज 2-3 फीसदी तक सीमित किया जाएगा. इससे यूरोपीय संघ का का आयात बाजार भारतीय निर्यातकों के लिए आसान और फायदे वाला साबित होगा।

3.19 लाख करोड़ का है कपड़ा निर्यात बाजार

भारत ग्लोबली हर साल 3.19 लाख करोड़ रुपये के कपड़ों का निर्यात करता है। इसमें यूरोपीय संघ को 62.7 हजार करोड़ रुपये का निर्यात शामिल है। इस समझौते से सूत, कपास और मानव निर्मित फाइबर कपड़े, रेडीमेड कपड़े समेत अन्य टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स के निर्यात में बड़ा इजाफा होने की उम्मीद है। इससे दूसरा फायदा ये होगा कि यूरोप के बड़े बाजार में बेहतर और आसान पहुंच से लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपने परिचालन की ग्रोथ, रोजगार पैदा करने और एक विश्वसनीय सोर्स पार्टनर के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

फेडरल रिजर्व ने रखीं ब्याज दरें स्थिर, ट्रंप को किया नजरअंदाज

नई दिल्ली, जेएनएन। जेरोम पॉवेल की अध्यक्षता में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी दो दिवसीय बैठक के नतीजे घोषित किए, जिसमें केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर को स्थिर रखा। एफओएमसी ने कहा, अपने लक्ष्यों के समर्थन में, समिति ने फेडरल फंड्स दर के लक्ष्य को 3-1/2 से 3-3/4 प्रतिशत के बीच बनाए रखने का फैसला किया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ब्याज दरों की घोषणा करने से पहले मुद्रास्फीति के रुझान और श्रम बाजार की स्थिति जैसे विभिन्न आर्थिक संकेतकों पर विचार करती है। फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल जल्द ही एक बयान जारी करेंगे और प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। बाजार विशेषज्ञों को उम्मीद थी कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व बुधवार को अपनी दो दिवसीय नीतिगत बैठक के बाद ब्याज दरों को स्थिर रखेगा, हालांकि मीडिया रिपोर्टों में ट्रंप प्रशासन द्वारा ब्याज दरों में कमी करने के दबाव का संकेत दिया गया था। पिछली एफओएमसी बैठक में, 10 दिसंबर 2025, बुधवार को प्रमुख बेंचमार्क ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करने का निर्णय लिया गया था। अमेरिका में उच्च मुद्रास्फीति और कमजोर रोजगार बाजार के बीच, फेड ने ब्याज दर को 3.50 प्रतिशत-3.75 प्रतिशत तक कम करने का निर्णय लिया, जो 10 दिसंबर 2025 को 25 आधार अंकों की दर कटौती को दर्शाता है। अब सबकी निगाहें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की एफओएमसी और चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर टिकी हैं, क्योंकि केंद्रीय बैंक अपने नीतिगत फैसले की घोषणा करने वाला है।

टैक्स छूट व जीएसटी कटौती पर रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली, जेएनएन। रियल एस्टेट सेक्टर की नजरें बजट 2026 पर टिकी हैं। घर खरीदना और बनाना आज हर किसी के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। बढ़ती जमीन की कीमतें, महंगाई और मंजूरी की मुश्किल प्रक्रिया खरीदारों और डेवलपर्स के लिए मुश्किल खड़ी कर रही हैं। हालांकि, सरकार के 'सबके लिए घर' मिशन ने उम्मीद की किरण जगाई है, लेकिन इस बार इंडस्ट्री चाहती है कि बजट में टैक्स में छूट, होम लोन पर बढ़ी ब्याज कटौती और अफोर्डेबल हाउसिंग की नई परिभाषा जैसे सुधार शामिल हों। साथ ही, मांग है कि परियोजनाओं की समयसीमा और मंजूरी प्रक्रिया को आसान बनाकर घर बनाने और खरीदने को सरल बनाया जा सके।

एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर ये बदलाव लागू होते हैं, तो सिर्फ इंडस्ट्री ही नहीं बल्कि आम लोगों के लिए भी घर खरीदना आसान और किफायती होगा। बजट 2026 में ये उम्मीदें अब असली इंतजार बन चुकी हैं। सुदित के पारिख एंड कंपनी की पार्टनर अनीता बसुर के मुताबिक, इस बजट में रियल एस्टेट इंडस्ट्री के लिए जीएसटी दर में कटौती सबसे अहम मांगों में से एक है। अभी होम प्रोजेक्ट्स पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। इसे घटाकर 5 प्रतिशत या 12 प्रतिशत करने से घर बनाने वाले और खरीदार दोनों को फायदा होगा और इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा। अनीता कहती हैं, इसके अलावा अफोर्डेबल हाउसिंग की परिभाषा और होम लोन पर ब्याज कटौती की सीमा में बदलाव की जरूरत है।

अभी अफोर्डेबल हाउसिंग का दायरा 45 लाख रुपये और 60-90 वर्ग मीटर तक सीमित है, जो बढ़ती महंगाई और जमीन की कीमतों के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। होम लोन पर ब्याज कटौती की सीमा को बढ़ाने की जरूरत है। पहली बार घर खरीदने वालों को ब्याज सब्सिडी देना भी इंडस्ट्री को मजबूती देगा और अफोर्डेबल हाउसिंग को बढ़ावा देगा।

अनीता के अनुसार, रियल एस्टेट सेक्टर का बड़ा झंझट है कैपिटल गेन रिइन्वेस्टमेंट और प्रोजेक्ट पूरा करने का समय। अभी घर या प्रोजेक्ट खत्म करने के लिए सिर्फ 3 साल मिलते हैं, जो अक्सर पर्याप्त नहीं होते। उनका कहना है कि इसे बढ़ाकर कम से कम 5 साल कर देना चाहिए, ताकि डेवलपर्स आराम से और अच्छे तरीके से घर बना सकें। इसके अलावा डेवलपर्स को अक्सर प्रोजेक्ट के लिए जरूरी मंजूरी और क्लियरेंस मिलने में बहुत झंझट झेलना पड़ता है। अनीता का कहना है कि सरकार 'वन स्टॉप शॉप' जैसी व्यवस्था बनाए, जैसे स्टार्टअप्स के लिए होती है। इससे सभी मंजूरी एक ही जगह मिलेंगी, काम जल्दी होगा और निवेशकों का भरोसा भी बढ़ेगा। रियल एस्टेट इंडस्ट्री का मानना है कि ये सुधार केवल इंडस्ट्री को मजबूत नहीं करेंगे, बल्कि आम लोगों के लिए घर खरीदना और भी आसान बनाएंगे।

बजट 2026 में अगर ये बदलाव शामिल किए जाते हैं, तो 'सबके लिए घर' का सपना और करीब होगा। सरकार इस पहल के तहत परिवार की महिलाओं को घर का मालिक या सह-मालिक बनने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए आर्थिक सहायता और सब्सिडी जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि बजट 2026 में इन सब्सिडी योजनाओं को और अधिक विस्तार मिल सकता है ताकि समाज के हर वर्ग तक पक्के घर की पहुंच हो सके।

फिर रिकॉर्ड हाई: सोने में तेजी, चांदी भी महंगी

नई दिल्ली, जेएनएन। चांदी-सोने के दाम लगातार चौथे दिन अपने सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज 29 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,76,121 रुपए पर ओपन हुआ। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में थोड़ी कमी आई और ये 10,705 रुपए बढ़कर 1,75,340 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले सोना कल 1,64,635 रुपए पर था। वहीं चार कारोबारी दिनों में सोना 21,030 महंगा हो चुका है। 23 जनवरी को ये 1,54,310 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 21,721 रुपए बढ़कर 3,79,988 रुपए किलो पर पहुंच गई है। चार दिन में चांदी की कीमत 62,283 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 3,17,705 रुपए किलो थी। इस साल जनवरी के 29 दिन में ही सोने की कीमत 42,145 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,75,340 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 1,49,568 रुपए महंगी हो गई है।

भूली-बिसरी फसलें बन सकती हैं फूड सिक्योरिटी चैलेंज का जवाब

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया में लगभग 7,000 पादप प्रजातियों का इस्तेमाल मानव भोजन के रूप में होता रहा है। मगर अब उनमें केवल लगभग 150 प्रजातियां ही बड़े पैमाने पर उगाई जा रही हैं और केवल 30 प्रजातियां लोगों की पोषण से जुड़ी अधिकांश जरूरतें पूरी कर रही हैं। वास्तव में कुल आहार में 60 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल तीन खाद्यान्न फसलों चावल, गेहूं और मक्का का है। शेष अधिकांश खाद्य-पादप प्रजातियां या तो विलुप्त हो गई हैं या उनका इस्तेमाल काफी कम रह गया है। इसका कारण यह है कि वे आधुनिक जीवन शैली आधारित आहार की आदतों और वर्तमान कृषि प्रणालियों के अनुरूप नहीं हैं। उपेक्षित या कम इस्तेमाल किए जाने वाले पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में रागी, क्विनोआ, कुट्टू, कोदो और कांगनी जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर अनाज, बेर और करौंदा जैसी फलों की किस्में और सहजन और चौलाई जैसी सब्जियां शामिल हैं। कई उपयोगी जड़ी-बूटियां और औषधीय गुणों वाले पौधे भी इस्तेमाल से बाहर हो गए हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि न केवल समकालीन खाद्य समूह का आकार छोटा हो गया है बल्कि इन उत्पादों के लिए विशिष्ट बाजारों के नदारद रहने से उन संसाधनहीन गरीब किसानों की आजीविका भी प्रभावित हुई है। जो पारंपरिक रूप से ये फसलों उगाते रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि कई उपेक्षित और व्यावसायिक रूप से कम इस्तेमाल वाली खाद्य फसलों में उनके विशिष्ट पोषक तत्वों के कारण महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक और चिकित्सीय गुण होते हैं। ये फसलें अतीत में 'स्मार्ट फूड' थीं और भविष्य के 'सुपरफूड' बनने की क्षमता भी रखती हैं। दूसरी तरफ, धीरे-धीरे गायब हो रहे कुछ खाद्य पदार्थों बाजरा जैसे मोटे अनाजों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अभियानों के माध्यम से पुनर्वासित करने की मांग की जा रही है मगर कृषि कार्यों से बाहर हो रहे फल एवं सब्जियों के लिए अभी तक ऐसे कदम नहीं उठाए गए हैं। यहां तक कि नीति निर्माता एवं शोधकर्ता भी इन सस्ते फल एवं सब्जियों की उपेक्षा करने के लिए जिम्मेदार हैं। वे मुख्यत व्यावसायिक रूप से अहम एवं उन्नत खाद्य उत्पादों में सुधार पर ध्यान दे रहे हैं।

सीटें भरने मेडिकल में घटाया पर्सेंटाइल पर आयुर्वेद में नहीं

अनदेखी: मप्र में चार राउंड की काउंसलिंग में भी नहीं भर सकीं आयुष की 3480 सीटें, सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था मामला

नगर संवाददाता, भोपाल। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ने हाल ही में नीट पीजी काउंसलिंग में कट ऑफ पर्सेन्टाइल को घटाकर जीरो कर दिया है। इसके बाद माइनस 40 स्कोर वाला अभ्यर्थी भी पीजी काउंसलिंग में शामिल हो सकता है और सीट के लिए दावेदारी कर सकता है। इसके विपरीत आयुष कोर्सेस में पर्सेंटाइल को कम नहीं किया गया है, जबकि पूर्व के वर्षों में इसमें कटौती होती रही है। पर्सेंटाइल कम करवाने का मामला सुप्रीम कोर्ट भी गया, लेकिन न्यायालय ने इसे कम करने से मना कर दिया और तर्क दिया कि आयुष चिकित्सा की क्वालिटी से खिलवाड़ नहीं की जा सकती। इस स्थिति में अब बहस छिड़ गई है कि यदि आयुष में क्वालिटी खराब न हो इसलिए कट ऑफ नहीं घटाया तो ऐलोपैथी में जीरा पर्सेन्टाइल का क्या मतलब है।

चौथे राउंड में सिर्फ 33 एडमिशन

नीट यूजी आयुष स्टेट लेवल काउंसलिंग समाप्त हो चुकी है। तमाम प्रयासों के बाद भी प्रदेश के निजी व सरकारी आयुष कॉलेजों में पूरी सीटें नहीं भर सकीं। जानकारी अनुसार 22 जनवरी को स्ट्रे वैकेंसी राउंड समाप्त हुआ है। इस राउंड में सिर्फ 33 सीटों पर ही प्रवेश हो सका। जबकि चौथा राउंड शुरू होने से पहले प्रदेश के निजी व सरकारी आयुष कॉलेजों में 1043 सीटें खाली थीं, चौथा राउंड खत्म होने के बाद सिर्फ 33 नए प्रवेश हुए और 1010 सीटें खाली रह गईं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मप्र में आयुष विषय के 63 कॉलेज हैं। जिनमें आयुर्वेद, होम्यापेथी, यूनानी व नैचुरोपैथी की कुल 3480 सीटें हैं। इनमें से अब 1010 सीटें खाली बची हैं।

एमडी व एमएस में कटौती बना मजाक

एक तरफ जहां सुप्रीम कोर्ट ने आयुष काउंसलिंग में पर्सेंटाइल कम करने से मना कर दिया, वहीं एनबीई ने नीट पीजी काउंसलिंग में पर्सेंटाइल में भारी कटौती कर दी है। जीरो पर्सेंटाइल पर भी काउंसलिंग में हिस्सा लेने की अनुमति देने पर एनबीई पर आलोचना का शिकार हो रहा है। मेडिकल जगत के कई संगठन इस बात से नाराज हैं, उनका कहना है कि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का नया रास्ता है। एनआरआई कोटा के छात्रों को सीट उपलब्ध कराने के लिए यह रास्ता खोला गया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हम सब सम्मान करते हैं, लेकिन कट ऑफ कम न होने से कॉलेज और छात्र दोनों को नुकसान हुआ है।

■ डॉ. राकेश पांडे, प्रवक्ता आयुष मेडिकल ऑफीसर्स एसोसिएशन

नीट पीजी में एनबीई मजाक कर रहा है। बार-बार शेड्यूल बदला जा रहा है। जीरो पर्सेंटाइल से किसी सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को फायदा नहीं होने वाला। यह खास लोगों को फायदा पहुंचाने का माध्यम है।

■ डॉ. आकाश सोनी, एक्जीक्यूटिव मेंबर फाइमा

बीते तीन साल से कम हो रहा था कटऑफ

नीट यूजी आयुष काउंसलिंग में पिछले तीन साल से हर साल कट ऑफ कम होता आ रहा था। कटऑफ पर्सेंटाइल में यह कटौती काउंसलिंग के तीसरे चरण में होती थी। कटौती की सीमा 10 से 15 अंकों तक की होती थी। यानि सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 50 से घटाकर 40 पर्सेंटाइल पर सीट मिलने की सुविधा रहती थी और ओबीसी व अन्य आरक्षित वर्ग के लिए 40 की बजाय 25 पर्सेंटाइल पर सीट मिल जाया करती थी। इस परंपरा को देखते हुए इस बार भी निजी कॉलेज संचालकों ने पर्सेंटाइल में कटौती के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली।

शिकायत जनवरी में ही प्रदेशभर में दर्ज हो चुकी हैं 15 घटनाएं, मैनिट में पहली शिकायत का नहीं मिल रहा सबूत

मैनिट में एक और रैगिंग की शिकायत, दूसरे स्थान पर पहुंचा प्रदेश

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में लगातार दूसरी रैगिंग की घटना दर्ज की गई है। इसके बाद मप्र दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जबकि प्रथम स्थान पर पश्चिम बंगला और उत्तर प्रदेश हैं। मैनिट प्रबंधन ने दोनों शिकायतों की जांच शुरू कर दी है। मैनिट में 24 और 27 जनवरी को रैगिंग की घटनाएं हुई हैं। जांच के बाद मैनिट 24 जनवरी की घटना में अंतिम निर्णय पर पहुंच गया है। सुरक्षा अधिकारी और एंटी रैगिंग कमेटी के अध्यक्ष द्वारा करीब दो दर्जन सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखे गए हैं। 24 जनवरी की घटना में जूनियर द्वारा बताए गए शिकायत के स्थान और समय पर कोई घटना नहीं दिखाई दे रही है। इसलिए मैनिट प्रबंधन ने उक्त प्रकरण के संबंध में फरियादी जूनियर विद्यार्थी और आरोपी सीनियर विद्यार्थियों के संबंध में अन्य विद्यार्थियों की पूछताछ की है। सामने आया कि जूनियर ने सीनियर के खिलाफ रैगिंग के झूठे आरोप लगाए हैं। मैनिट प्रबंधन ने जूनियर की शिकायत को रैगिंग की घटना से हटाकर सिर्फ मारपीट में तब्दील कर दिया है। वहीं सीनियर विद्यार्थी के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। इसलिए सीनियर के खिलाफ कार्रवाई फाइनल नहीं की गई है।

जूनियर के साथ सीनियर ने की मारपीट

27 जनवरी को प्रथम वर्ष के विद्यार्थी के साथ दूसरे वर्ष के विद्यार्थी ने मारपीट की है। जूनियर विद्यार्थी ने उक्त प्रकरण की शिकायत यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज करा दी है। हेल्पलाइन ने प्रकरण को मैनिट प्रबंधन को भेजकर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। मैनिट प्रबंधन ने गुरुवार से जांच शुरू कर दी है। जूनियर द्वारा दिए गए समय और लोकेशन को सीसीटीवी से मैच किया जा रहा है। मैनिट प्रबंधन शुक्रवार को दोनों प्रकरण पर अंतिम निर्णय ले सकता है।

जनवरी में देशभर में रैगिंग के प्रकरण

पश्चिम बंगाल	- 18	महाराष्ट्र	-10
उत्तर प्रदेश	-18	कर्नाटक	-07
मध्य प्रदेश	-15	दिल्ली	-02
बिहार-	-14	गुजरात	-01

रैगिंग में एक पायदान ऊपर आया मप्र

25 जनवरी तक मप्र रैगिंग की घटनाओं में पर तीसरे स्थान पर था। 27 फरवरी को मैनिट में दोबारा से घटित हुई रैगिंग की घटना मप्र को ऊपर उठाने में कोई कसर नहीं छोडी और प्रदेश दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके अलावा 28 जनवरी को व्हीआईटी और इंडेक्स मेडिकल कालेज हास्पिटल में दर्ज हुई शिकायत से जनवरी का ग्राफ 15 पर पहुंच गया है। जबकि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में 18-18 शिकायतें दर्ज हुई हैं। देशभर में 2026 में देशभर 130 शिकायतें दर्ज हुई हैं। बता दें कि नए साल में प्रदेश में तेजी के साथ रैगिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। इनके निवारण के लिए कालेज प्रबंधन तेजी से कार्रवाई कर रहे हैं।

पीक पर पॉज बटन दबा रहे हाई अचीवर्स

नई दिल्ली, जेएनएन। पिछले पांच सालों से साइकोलॉजिस्ट रोशनी सोंधी अब्बी हाई अचीवर्स, यानी सीईओ, बिजनेसमैन, एथलीट्स, एग्जीक्यूटिव्स और यहां तक कि सीनियर प्रोफेशनल्स को भी अपने करियर के पीक पर इसे छोड़ते और दूसरी जिंदगी चुनते हुए देख रही हैं। अडायु, फोर्टिस गुरुग्राम में साइकोलॉजिकल सर्विसेज की हेड के तौर पर, वह उनमें से कई लोगों को एक नई जिंदगी शुरू करने में मदद कर रही हैं। भले ही सिंगर अरिजीत सिंह या स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान ने पॉज बटन दबाया हो (एक नई क्रिएटिव फ्रंटियर्स को प्रायोरिटी देने के लिए और दूसरा हेल्थ प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने के लिए) कई आम लोग भी तेजी से इसी रास्ते पर चल रहे हैं। एब्बी कहती हैं, लोगों को लगता है कि सिर्फ सेलिब्रिटी ही इस टर्निंग पॉइंट या जल्दी रिटायरमेंट का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन पैनडेमिक के बाद से लोगों ने वर्क लाइफ बैलेंस की जरूरत को समझा है, वे अपनी हेल्थ और वेल-बीइंग को प्रायोरिटी दे रहे हैं, छुट्टियां जमा करने या कैश कराने के बजाय ट्रैवल कर रहे हैं और जल्दी रिटायर होने को तैयार हैं। यह ट्रेंड सभी प्रोफेशन, लेवल और एज ग्रुप में फैला हुआ है। लोग थोड़ी इकोनॉमिक फ्रीडम के लिए अपनी वर्क लाइफ प्लान कर रहे हैं और फिर अपनी शर्तों पर जीने के लिए इसे छोड़ रहे हैं, आमतौर पर अपने पैशन को पूरा करने, नए मौके आजमाने या बस जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों के लिए जगह बनाने के लिए। दूसरी जिंदगी में बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें: क्योंकि यह पहले से सोचा हुआ प्रोसेस है, इसलिए जो लोग गियर बदलना चाहते हैं, वे हमेशा दूसरी इनिंग्स के बारे में सोचते हैं।

आनंद उत्सव सभी को आनंदित करने का मंच : नप अध्यक्ष

यूकेएस पैलेस में नप सिरमौर ने मनाया आनंद उत्सव कार्यक्रम

सिरमौर, नि.प्र. नगर परिषद सिरमौर द्वारा मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सांस्कृतिक, स्थानीय कला एवं खेलकूद के साथ यूकेएस पैलेस में आनंद उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम संदीप सिंह नप अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य एवं संतोष कुमार सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि संदीप सिंह नप अध्यक्ष ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि नप द्वारा आनंद उत्सव कार्यक्रम में नगर के सभी विद्यालयों से प्रतिभावान बच्चों, बुजुर्ग, दिव्यांगजन, महिला के लिए एक मंच में लाकर उनके प्रतिभा को निखारने के साथ, सामाजिक समरसता लाने का प्रयास किया है। आनंद उत्सव का मतलब ही है, सबको आनंदित करना । श्री सिंह ने आगे कहा की खेल अनुशासन के साथ जीवन में सफलता की ओर अग्रसर करता है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संतोष कुमार सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा की बड़े ही हर्ष का विषय है आनंद उत्सव। नगर में संचालित सीएम राइज विद्यालय, कन्या हायर सेकेण्डरी, आदर्श सिद्धार्थ विद्यालय, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय, लोक कलाकारों ने नृत्य, लोकगीत, देशभक्ति, नाटक, खेलकूद के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार मनमोहक प्रदर्शन कर सभी को मंत्र मुग्ध किया। श्री सिंह ने आगे कहा की निकाय लगातार शासन की योजनाओं के साथ स्थानीय एवम परंपरागत धरोहरों को सजोने के साथ आगे बढ़ाने के लिए सतत प्रयनशील रहता है ।

सांस्कृतिक, खेलकूद में विजेता एवं उप विजेता को मिला पुरस्कार : यूकेएस पैलेस सिरमौर में आयोजित आनंद उत्सव कार्यक्रम में सरस्वती विद्यालय सिरमौर, संदीपनी विद्यालय सिरमौर, कन्या हायर सेकेण्डरी विद्यालय सिरमौर, सिद्धार्थ हाई स्कूल सिरमौर के बालक बालिकाओं द्वारा एकल गीत, समूहगान, एकल नृत्य, समूह नृत्य, नाटक, लोकगीत, कुर्सी दौड़, रस्साकसी, पतंगबाजी की प्रतियोगिता में सैकड़ों प्रतिभागियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं में साक्षी पांडेय, श्रेया तिवारी, आरुषि विश्वकर्मा, साहिल सेन एवं आदर्श विश्वकर्मा, नंदनी कुशवाहा एवं साथी, यामिनी पांडेय, सोनम दुबे, मान्या गिरी, निर्मला यादव, नागेंद्र प्रजापति, आदर्श मिश्रा, आशुतोष द्विवेदी, रचित कुशवाहा सहित स्थानीय कलाकारों को मुख्य अतिथि नप अध्यक्ष संदीप सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष कुमार सिंह, डॉ ओम प्रकाश द्विवेदी प्राचार्य यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय सिरमौर, शिव प्रसाद साकेत प्राचार्य कन्या हायर सेकंडरी विद्यालय सिरमौर, क्रीड़ा अधिकारी रामनरेश सेन सिद्धार्थ विद्यालय सिरमौर, पार्षद प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन अश्वनी तिवारी जनसंपर्क प्रभारी नप सिरमौर द्वारा किया गया। आनंद उत्सव कार्यक्रम में सरस्वती विद्यालय के व्यवस्थापक एड विनय मिश्रा, अशोक द्विवेदी, गोविंद विंद, संजय सिंह, अनुराग सिंह, अलका शुक्ला, सादिया बानो, शंकर सुवन द्विवेदी, सूर्य प्रकाश शुक्ला, आशुतोष पांडेय, दिनेश विश्वकर्मा, किशन सिंह, मोतीलाल मुड्डा, अनिमेष पांडेय, दीपक सोनी, प्रदीप सिंह, शुभम सोंधिया, शिव प्रकाश द्विवेदी, मुकेश पाण्डेय, ओम प्रकाश अग्निहोत्री, उमेश चंद्र राल्ही, शशिकांत मिश्रा, प्रभु शरण मिश्रा, राकेश यादव, सतेंद्र तिवारी, राम अशोक कुशवाहा, दिनेश पांडेय, अजय शुक्ला, सहित भारी संख्या में स्थानीय जन मौजूद रहे ।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने किराना मिठाई प्रतिष्ठानों में किया औचक निरीक्षण

एकत्रित किए सेम्पल

जागरण खबर का असर

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के अंतर्गत किराना एवं मिठाई प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं को लेकर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बार-बार शिकायत पर दैनिक जागरण समाचार पत्रों में प्रमुखता से खबर प्रकाशन करने के उपरांत जिला कलेक्टर मऊगंज के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी हनुमना रश्मि चतुर्वेदी के आदेशानुसार 27जनवरी को खाद्य सुरक्षा जिला अधिकारी अमित तिवारी एवं हल्का पटवारी हनुमना के साथ भरत किराना स्टोर सीधी रोड, एवं हनुमत किराना स्टोर सीधी रोड, और साथ ही साथ राजस्थानी मिष्ठान भंडार सीधी तिराहे पर औचक निरीक्षण किया गया एवं खाद्य अधिकारी द्वारा प्रतिष्ठान में रखी हुई पैकेट की नमकीन पनीर, विभिन्न मिठाइयों का निरीक्षण किया गया एवं राजस्थानी मिष्ठान भंडार के संचालक को यह आदेश दिया गया कि दुकान में साफ-सफाई अपना मेडिकल सर्टिफिकेट, पैकेट नमकीन का की तारीख चेकिंग किया गया। इसके पश्चात अधिकारियों द्वारा राजस्थानी मिष्ठान भंडार की रबड़ी, बर्फी, चमचम, मिठाइयों का सैंपल पैक कराकर शासकीय जांच लैब के लिए भेजा गया है। नगर हनुमना में खाद्य विभाग की कार्यवाही से नकली एवं रेडीमेड मिठाई प्रतिष्ठान वालों में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि यह कार्रवाई कहां तक सार्थक होगी यह यह खाद्य सुरक्षा अधिकारी ही जानें।

> प्रतिष्ठान चाहे वह किराना व्यापारी हो या फिर मिठाई व्यापारी हो अगर दुकान में एक्सपायरी डेट का सामान विक्रय, नकली सामान एवं रेडिमेंट मिठाइयां आदि की अनियमितता पाई जाती है तो शिकायत पर हम मऊगंज जिले के हनुमना, खटखरी, शाहपुर नगर में महीने में दो बार या तीन बार आकर निष्पक्ष कार्यवाही करेंगे।
> **जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी**

वेटरिनरी असिस्टेंट सर्जन परीक्षा 2024 में चयनित हुए डॉ राधाकृष्ण मिश्रा

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना नगर के निवासी समाजसेवी राममणि मिश्रा के पुत्र पशु चिकित्सालय गौरी में पदस्थ डॉ राधा कृष्ण मिश्रा ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक संचालक/पशुचिकित्सा विस्तार अधिकारी/पशु चिकित्सा सहायक शल्य परीक्षा 2024 में चयनित होकर हनुमना नगर का नाम रोशन किया। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, ईश्वर, भाई, पत्नी पूजा द्विवेदी और गुरुजनों को दिया है। डॉ राधाकृष्णन मिश्रा के चयनित होने पर नगर के लोगों ने खुशी जाहिर की है। इसमें मुख्य रूप से पूर्व नगर अध्यक्ष कमल मिश्रा, पूर्व जनपद अध्यक्ष बंशमणि प्रसाद शुक्ला, ललित किशोर मिश्रा, शशिधर द्विवेदी, अरुंणधर द्विवेदी, श्यामधर द्विवेदी, किशन धर द्विवेदी, भवानी शंकर द्विवेदी भाटी, संजू वकील, नीरज गौतम एवं टिंकल गुप्ता आदि लोगों ने खुशी जाहिर की है।

नहीं रहे वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता मुन्नीलाल गुप्ता

हनुमना, नि.प्र.। तारकेश्वर गुप्ता ने संवाददाता को बताया नगर हनुमना के वार्ड क्रमांक 12 के निवासी मुन्नीलाल गुप्ता जो समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे जो अपना जीवन भारतीय जनता पार्टी के लिए समर्पित कर चुके थे 29 जनवरी, गुरुवार को एकादशी के माघ महीने में शरीर अस्वस्थ होने के कारण उनका देवलोक गमन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हनुमना के शमशान घाट में किया गया, उन्हें मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र केशव गुप्ता ने दिया। उनके निधन की खबर सुनकर हनुमना नगर के व्यापारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाजपा कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदना एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

अजित पवार के निधन पर जताया शोक

नईगढ़ी, नि.प्र.। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती (पुणे) में विमान दुर्घटना में दुर्भाग्यपूर्ण निधन हो जाने की खबर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में गहरा शोक व्याप्त है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मऊगंज जिलाध्यक्ष सुशील शुक्ला ने इस दुखद घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पवार का आकस्मिक निधन अत्यंत दुखजनक है और इससे केवल महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक बड़ा शून्य उत्पन्न हुआ है। सुशील शुक्ला ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की और पार्टी के कार्यकर्ताओं तथा आम जनता से धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में एकता और संयम ही प्रदेश और पार्टी के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षक को दिया नोटिस

मऊगंज ब्यूरो। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने प्राथमिक शिक्षक एवं प्रभारी अधीक्षक शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास पिपराही रामानुज यादव को सोशल मीडिया में वायरल वीडियो की पुष्टि होने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वायरल वीडियो में छात्रावास में छात्रों व छात्राओं के अमर्यादित नृत्य से शासकीय संस्थान की गरिमा के प्रतिकूल होने सहित शासन व प्रशासन की छवि धूमिल होने पर कलेक्टर ने नोटिस जारी कर दो दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

यूजीसी कानून के विरोध में राष्ट्रीय सवर्ण परिषद का 1 फरवरी को सेमरिया बंद

एसडीएम व थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

सेमरिया, नि.प्र.। यूजीसी द्वारा लाए गए कानून के विरोध में राष्ट्रीय सवर्ण परिषद सेमरिया इकाई के नेतृत्व में 29 जनवरी 2026 को व्यापक विरोध दर्ज कराया गया। परिषद के कार्यकर्ताओं एवं सवर्ण समाज के लोगों ने एकजुट होकर 1 फरवरी को सेमरिया बंद का आह्वान किया और अनुविभागीय अधिकारी सेमरिया तथा सेमरिया थाना में ज्ञापन सौंपते हुए जनसमर्थन की अपील की। इस दौरान राष्ट्रीय सवर्ण परिषद जिला अध्यक्ष अजय अग्निहोत्री ने कहा कि यूजीसी का यह निर्णय शिक्षा व्यवस्था, छात्रों और समाज के भविष्य के लिए घातक है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा जिला प्रवक्ता अजीत मिश्रा ने बताया कि परिषद लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ाएगी। ज्ञापन सौंपने के अवसर पर सेमरिया नगर अध्यक्ष विवेक मिश्रा, पं. अमित अभयरामदास, वरिष्ठ समाजसेवी अवनीश शुक्ला, विष्णु सुमन पिकूं पाण्डेय, राकेश पयासी, युवा नेतृत्व सूरज पाण्डेय, के.पी. पाण्डेय, चंद्रेश सिंह, प्रीत शुक्ला, प्रशान्त सिंह, सेमरिया छात्र संघ सहित अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में 1 फरवरी के सेमरिया बंद को सफल बनाने का संकल्प लिया और सरकार से यूजीसी के इस कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के असामयिक निधन पर चाकघाट में शोक

चाकघाट, नि.प्र.। नगर परिषद चाकघाट क्षेत्रांतर्गत सभी गणमान्य व व्यापारी बंधुओं तथा राजनीति में रुचि रखने वाले महानुभावों ने विगत 28 जनवरी 2026 को प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एनसीपी नेता अजित पवार के दुखद निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया है, साथ ही उनके द्वारा महाराष्ट्र में किए गए जनहित के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की, स्वर्गीय अजित पवार गांव को बेहतर बनाने में हमेशा अग्रसर रहते थे। विमान में सभी दिवंगतों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सभी एकजुट होकर परमपिता परमात्मा से प्रार्थना किया है, कि उनके परिजनों को इस बज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

साईं पालकी यात्रा में पहुंचा हजारों भक्तों का सैलाब

पूजा अर्चना के बाद आयोजित हुआ भंडारा

मऊगंज ब्यूरो। प्रति वर्षों की भांति इस वर्ष भी साई भक्तों द्वारा विशाल साईं पालकी यात्रा निकाली गई जिसकी शुरूआत गायत्री मंदिर से ढोल नगाड़ों के साथ पूजा अर्चना के बाद नगर भ्रमण करते हुए बड़े हनुमान मंदिर में समापन किया गया जहां पर क्षेत्रीय जन समुदाय द्वारा संस्कृतिक पारंपरिक नित्य गान आयोजित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस बीच हजारों की संख्या में साईं बाबा के श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर प्रमोद सिंह, संतोष सोनी, बबलू, अजय अवधिया लक्ष्मी सिंह, जोगिंदर गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, अभिलाष सोनी, सुन्नू शर्मा, अरूणा तिवारी, निशा तिवारी, रावेंद्र तिवारी, शुभम पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गौशाला संचालन में लापरवाही बरतने पर 8 संचालकों को नोटिस

मऊगंज ब्यूरो। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन जिले में गौशाला संचालन में लापरवाही बरतने पर 8 ग्राम पंचायत संचालकों को नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब सात दिवस के भीतर प्रस्तुत न करने पर अनुशासनात्मक, अनुबंध समाप्ति और वसूली की कार्रवाई की जाएगी। जारी नोटिस के अनुसार विभिन्न अधिकारियों द्वारा पंचायतों में संचालित गौशालाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 8 ग्राम पंचायतों में संचालित गौशालाओं के संचालन में लापरवाही पाई गई जिस पर संबंधित गौ संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। जिन गौ संचालकों को नोटिस जारी किया गया है उनमें अम्बेडकर स्वसहायता समूह ग्राम पंचायत पनिगवां, संचालक ग्राम पंचायत बलभद्रगढ़, अमरीश मिश्रा अटरिया शिवप्रसाद, राजकली मिश्रा पांती मिश्रान, संचालक पिपराही, संचालक गनिगवां, संचालक शिवराजपुर एवं संचालक सरैहा को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

तपेश्वर धाम में गणतंत्र दिवस मिलन समारोह का हुआ आयोजन

नईगढ़ी, नि.प्र.। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर तपेश्वर धाम मऊगंज में अगस्त क्रान्ति मंच के संयोजक कुंजबिहारी तिवारी द्वारा मऊगंज जिले के पत्रकार बंधुओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कुंजबिहारी तिवारी ने कहा कि मऊगंज जिले के पत्रकार जिले की तकदीर बदलने वाली नींव के सच्चे निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार जमीनी स्तर पर पहुंचकर गरीब, पीड़ित और उपेक्षित वर्ग की आवाज़ को प्रशासन तक पहुंचाते हैं तथा सत्ता और व्यवस्था को आईना दिखाने का साहसिक कार्य करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अल्प समय में मऊगंज जिले के युवा, ऊर्जावान और जुझारू पत्रकारों ने ऐसे कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिनकी सराहना अब प्रदेश स्तर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर के समाचार चैनलों और वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा भी की जा रही है। यह मऊगंज जिले के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर कई स्थानीय संवाददाता मौजूद रहे।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा को नोटिस जारी

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ग्राम पंचायत बेलहा, रमकुड़वा, हाटा, बघैला एवं मलैगवां की गौशालाओं में बिना सत्यापन राशि आहरित किये जाने तथा रात को गौवंश छोड़ने पर किसानों की फसल क्षतिग्रस्त कराये जाने में पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पर तीन दिवस में जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

अमर शहीद रघुनाथ द्विवेदी कब्बड्डी प्रतियोगिता और श्रीनिवास तिवारी स्मृति प्रसंग का भव्य शुभारंभ आज

जवा ब्यूरो। अमर शहीद रघुनाथ प्रसाद द्विवेदी एवं श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी स्मृति प्रसंग का तीन दिवसीय भव्य शुभारंभ श्रीनिवास तिवारी विद्या सदन स्कूल नगवां मे होगा। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजमणि पटेल पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन, अध्यक्षता प्रोफेसर पी सिंह पूर्व कब्बड्डी खिलाड़ी, विशिष्ट अतिथि बृजेन्द्र पाण्डेय वरिष्ठ समाजसेवी, कमलेश्वर सिंह पूर्व जनपद अध्यक्ष जवा, जोखूलाल आदिवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य रीवा के आतिथ्य में किया जायेगा। आयोजक सचिव शिवबालक पाण्डेय ने बताया कि यह आयोजन दो महान विभूतियों के नाम पर है। अमर शहीद रघुनाथ द्विवेदी कब्बड्डी प्रतियोगिता और श्रीनिवास तिवारी स्मृति,का आयोजन की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है जिसका शुभारंभ आज होगा। और समापन 1 फरवरी दोपहर 12 को किया जाएगा, जिसमें महिला पुरुष कब्बड्डी प्रतियोगिता, छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। क्षेत्र सभी गणमान्य नागरिक खेल प्रेमियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की गई है।

धूमधाम से मना न्यू चिल्ड्रेन एकेडमी रामबाग का वार्षिकोत्सव

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान बनें बच्चे: दिव्यराज

जवा ब्यूरो। न्यू चिल्ड्रेन एकेडमी रामबाग में वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता माया संजय गुप्ता नगर परिषद अध्यक्ष डभौरा, विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिलेश सिंह मंडल अध्यक्ष जवा, राजेंद्र अग्निहोत्री मंडल अध्यक्ष डभौरा, बृजेंद्र सिंह सामाजिक कार्यकर्ता रामबाग, बीआरसीसी शिवाकांत गौतम जवा रहे। अतिथियों के आगमन पश्चात मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक नृत्य, नाटक, कव्वाली, हिंदू मुस्लिम एकता, देश भक्तों की वीरता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, शिक्षा पर आधारित, बघेलखंड एवं मध्य प्रदेश की विविधताओं के संदेश, लोक नृत्य और राजा हरिश्चंद्र नाटक छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अतिथियों का स्वागत भाषण एवं संचालन संस्था के प्राचार्य डॉ विनीत मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन संचालक इंजी विवेक शुक्ला ने तथा कार्यक्रम का सह संचालन शिक्षिका स्नेहल तिवारी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दिव्यराज सिंह ने कहा कि बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने में माता-पिता के बाद शिक्षण संस्थाओं का अहम योगदान होता है। शिक्षकों को बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा देनी चाहिए, उन्होंने सभी का उत्साह वर्धन भी किया शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास के लिए इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधि समय-समय पर होते रहना चाहिए कार्यक्रम में अभिनंदन पत्र का वाचन शिक्षक पुनीत चंद्र शुक्ल ने किया।

ये रहे मौजूद : उक्त अवसर पर शिवशंकर तिवारी, विनोद पाण्डेय, राम गोपाल द्विवेदी, रवींद्र तिवारी, शिवम त्रिपाठी, अतुल पांडेय, विनोद गौतम, प्रदीप मिश्रा राधे श्याम मिश्रा ज्ञान प्रकाश शुक्ला शिक्षिका जया मिश्रा, स्वाति सोनी, सोनिल सिंह सहित क्षेत्रीय गण मान्य जन अभिभावक विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षा से ही बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारी का विकास : डॉ इंदुलकर

टीपीएस स्कूल हिनौता में मनाया गया वार्षिकोत्सव

आंचलिक डेस्क। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हिनौता स्थित टीपीएस पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल में विद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा एवं सामाजिक प्रतिनिधित्व से जुड़े जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक एवं शिक्षाविद डॉ. मनोज इंदुलकर(प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग, एस.एस. मेडिकल कॉलेज, रीवा) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रणव प्रताप सिंह(उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रीवा) ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्र ,उप संचालक शिक्षा विभाग राजेश मिश्रा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. मनोज इंदुलकर ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम है। शिक्षा से ही बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नैतिकता एवं सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें, तो प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं रहती, और टी पी एस स्कूल इस दायित्व को बहुत ही बेहतर तरीके से निभा रहा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रणव प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि यह बच्चों के सर्वांगीण विकास का प्रमाण है। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि टी.पी.एस. विद्यालय से मेडिकल क्षेत्र में चयनित होने वाले प्रथम विद्यार्थी की संपूर्ण शिक्षा का व्यय वहन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने निर्धन छात्र कल्याण निधि में 50,000 रु. की सहायता राशि प्रदान कर प्रतिभाशाली एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि संजय द्विवेदी ने कहा कि टी.पी.एस. पब्लिक स्कूल ग्रामीण अंचल में शिक्षा के स्तर को ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, गायन, एवं दहेज प्रथा, जैसी सामाजिक कुरीतियों पर नाटक प्रस्तुत किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुति ने यह सिद्ध किया कि मेहनत, अनुशासन और मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। आयोजन विद्यालय के शिक्षकों के समर्पण, अभिभावकों के सहयोग एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा का जीवंत उदाहरण रहा। अंत मे विद्यालय के संचालक एवं सभापति कृषि समिति जिला पंचायत रीवा योगेन्द्र सिंह गहरवार ने शिक्षा के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को उपस्थित जन समूह के समक्ष रखा तथा उपस्थित अभिभावकों को शिक्षा का महत्व बताया एवं विद्यालय की उपलब्धियों एवं भविष्य कि योजनाओं के बारे में अवगत कराया तथा अंत में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

गढ़ में ग्रामोदय से अभ्युदय का हुआ भव्य आयोजन

गढ़, नि.प्र.। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद जन्म जयंती पखवाड़े के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत गढ़ में ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार एवं ब्लॉक समन्वयक अनीता मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, गढ़ द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शिक्षा, स्वावलंबन, नशा मुक्ति और जल संरक्षण जैसे ज्वलंत विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर वक्ताओं ने ग्राम विकास की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए आत्मनिर्भर गांव की परिकल्पना को साकार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत सरपंच गोविन्द प्रसाद कचेर, सचिव शिवेन्द्र तिवारी, ग्राम रोजगार सहायक प्रियंका गुप्ता, उपसरपंच मोहम्मद आसिफ, शिवकुमार राय चौहान एवं वार्ड पंच सुनील कुमार सिंह, रूपेश तिवारी व रामसुंदर विश्वकर्मा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सीताराम गुप्ता एवं सचिव संजीव पाण्डेय ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को विस्तार से साझा किया। आयोजन को सफल बनाने में समिति सदस्य अरुण गुप्ता, गोपाल गुप्ता, रामप्रकाश गुप्ता, लव कुमार दुबे, रविन्द्र कुमार गुप्ता, सच्ची मिश्रा, सचिन गुप्ता, पंकज विश्वकर्मा एवं विवेकानंद गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

खेल एक नजर

एरिगैसी अर्जुन की एक और हार डी गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

विज्क आन जी (नीदरलैंड), जेएनएन। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं। एरिगैसी अंक तालिका में निचले पायदान पर हैं। उनके 10 मैचों में सिर्फ चार अंक हैं। आर प्रज्ञाननंदा ने हैंस मोके नीमन के साथ अपनी बाजी ड्रॉ खेली। पिछले दौर में गुकेश को हराने वाले जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम ने अनीश गिरी को हराकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट ने जावोखिर सिंदारोव के साथ ड्रॉ खेला।

हॉकी: अनुशासनात्मक कारणों से मनप्रीत समेत तीन खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत तीन खिलाड़ियों को प्रो लीग के आगामी सत्र से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर के फैसला पर भले ही कइयों को हैरानी हुई हो, लेकिन टीम सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। टीम सूत्रों ने बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। सूत्रों ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था, जिसमें एक चौथा खिलाड़ी शामिल था, जिसका नाम नहीं दिया गया है।

पीएसएल फ्रेंचाइजी के कोच के रूप में पाकिस्तान लौटेंगे जेसन गिलेस्पी

कराची, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी पाकिस्तान की राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने के एक साल से भी अधिक समय के बाद पीएसएल की नई फ्रेंचाइजी किंग्समेन हैदराबाद के मुख्य कोच के रूप में पाकिस्तान क्रिकेट में वापसी करेंगे। इस फ्रेंचाइजी के मालिक फवाद सरवर ने पुष्टि की है कि गिलेस्पी पीएसएल के अगले सत्र में टीम के मुख्य कोच होंगे और ग्रांट ब्रैडबर्न और क्रेग व्हाइट उनके साथ सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे। सरवर ने 1,75,000 करोड़ पाकिस्तानी रुपए में नई फ्रेंचाइजी खरीदी है। गिलेस्पी ने 2024 के आखिर में पाक के मुख्य कोच का पद छोड़ दिया था।

मैदान से हटकर

स्वियातेक ने कहा-हम खिलाड़ी हैं, या चिड़ियाघर के जानवर

विश्व की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने उसी विषय को आगे बढ़ाया, जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में उठाया था। अमेरिका की 21 वर्षीय खिलाड़ी गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है, जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं।

स्वियातेक से क्वार्टरफाइनल में हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं, जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा, सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं, या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है, आप जानते हैं ना? उन्होंने अपने आखिरी संदर्भ के लिए माफी मांगते हुए कहा, ठीक है, यह स्पष्ट रूप से अतिशयोक्ति थी, लेकिन थोड़ी निजता मिल जाए तो अच्छा होगा। यह भी अच्छा होगा कि आपकी अपनी प्रक्रिया हो और आपको हमेशा किसी की निगरानी में नहीं रहना पड़े। स्वियातेक के पहचान पत्र भूल जाने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया था, जिसका वीडियो

सबालेंका लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में

तीन साल बाद फिर ऐलना रिबाकिना से खिताब के लिए टकराएंगी

जेएनएन, मेलबर्न

दो बार की चैंपियन शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने आक्रामक और शानदार खेल के दम पर गुरुवार को लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का टिकट कटा लिया। अब उन्हें पांचवें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना से पार पाना होगा। दोनों तीन साल बाद मेलबर्न में खिताब के लिए फिर टकराएंगी। बेलारूस की सबालेंका ने यूक्रेन की 12वीं वरीयता प्राप्त इलिना स्वितोलिना को आसानी से 6-2, 6-3 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं कजाखस्तान की रिबाकिना ने अमेरिका की छठी वरीय जेसिका पेगुला को 6-2, 7-6 से हराया। रिबाकिना तीन साल बाद यहां फाइनल में पहुंचीं। उन्हें 2023 में सबालेंका के हाथों हार मिली थी। वर्ष 2023 और 2024 की चैंपियन सबालेंका और रिबाकिना ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है। सबालेंका इस साल लगातार 11 मैच जीत चुकी हैं। उन्होंने स्वितोलिना के खिलाफ सात में से छह मैच में जीते हैं। रिबाकिना ने कहा कि 2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।

- सबालेंका पिछले 24 साल में मेलबर्न में लगातार चार या उससे अधिक बार फाइनल में पहुंचने वाली पहली, जबकि ओपन युग में तीसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले इवोन गूलागोंग कैवले (1971-76) और मार्टिन हिंगिस (1997-2002) ने छह-छह बार ऐसा किया था।
- सेमीफाइनल में पहुंचीं चारों खिलाड़ियों में से किसी ने भी अपने इस सफर तक एक भी सेट नहीं गंवाया था। पिछले 56 साल में मेलबर्न में पहली बार ऐसा हुआ जब चारों सेमीफाइनलिस्ट बिना कोई सेट हारे यहां तक पहुंचीं। स्वितोलिना की हार के साथ उनका लगातार दस मैचों से चला आ रहा विजयरथ भी थम गया।

न हाथ मिलाया ने फोटो खिंचवाई सबालेंका और रिबाकिना ने मैच से पहले न तो हाथ मिलाया और न ही एक दूसरे के साथ तस्वीर खिंचवाई। दरअसल, मैच शुरू होने से पहले दोनों खिलाड़ी नेट के पास आकर एक-दूसरे के साथ तस्वीर खिंचवाते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। हालांकि, स्वितोलिना ने सबालेंका के खिलाफ ऐसा करने से इनकार कर दिया। सबालेंका ने वहां मौजूद बॉल गर्ल के साथ तस्वीर खिंचवाई। मैच के दौरान भी दोनों अंक लेने पर दोनों का जश्न बेहद आक्रामक था। सबालेंका का बाधा विवाद मुकाबले के दौरान अंपायर ने सबालेंका को हिंड्रेंस (बाधा) का कॉल दिया, जिससे अंक प्रभावित हुआ।

मोलिनी बनीं ऑस्ट्रेलिया की कप्तान

सिडनी, जेएनएन। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सोफी मोलिनी को अगले महीने वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। वह इस घरेलू सीरीज के बाद एलिसा हीली की जगह सभी प्रारूपों में कप्तानी संभालेंगी। हीली ने घोषणा की थी कि भारत के खिलाफ खेलने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। भारत के खिलाफ वह तीन वनडे और एक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की सभी

प्रारूपों के लिए टीमों की घोषणा गुरुवार को की गई। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को सिडनी में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज से शुरू होगा। बाकी दो मैच 19 और 21 फरवरी को खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज 24, 27 फरवरी और एक मार्च को खेली जाएगी।

आरसीबी डब्ल्यूपीएल के फाइनल में

वडोदरा, जेएनएन। पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यूपी वॉरियर्स के लिए इस हार के बाद प्लेऑफ में जगह बनाने काफी मुश्किल हो गया है। नाडिन डि क्लर्क के चार विकेट और ग्रेस हैरिस के दो विकेट से आरसीबी ने शानदार शुरुआत करने वाली यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट पर 143 रन पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद प्लेयर ऑफ मैच हैरिस (37 गेंद में 75) और मंधाना (27 गेंद में नाबाद 54) की 108 रन की आक्रामक साझेदारी से महज 13.1 ओवर में दो विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस बड़ी जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए, जिससे टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और पांच टीमों की तालिका में शीर्ष स्थान पर भी कब्जा जमाया। यूपी चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है और एक मैच शेष होने के बावजूद उसका नेट रन रेट भी सबसे खराब है।

रणजी: सांगवान के शतक के बावजूद मुंबई ने दिल्ली को 221 रन पर समेटा

जेएनएन, मुंबई

सनत सांगवान (118) के शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप-डी मुकाबले के पहले दिन गुरुवार को अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिए थे। सांगवान ने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। पहले सत्र में दिल्ली का स्कोर एक विकेट पर 111 रन था। अवस्थी ने हालांकि लंच के बाद छह ओवर के स्पैल में तीन विकेट लेकर दिल्ली के मध्यक्रम को झकझोर दिया। अवस्थी ने दिल्ली की कप्तानी कर रहे आयुष दोसेजा (शून्य) और सुमित माथुर (दो) को विकेट के पीछे कैच कराकर आउट किया। उन्होंने पदार्पण कर रहे आर्यन राणा को पहली स्लिप में सरफराज खान के हाथों कैच कराया। अवस्थी ने दो और विकेट लेकर अपना पांच विकेट पूरे करने के साथ दिल्ली की पारी समेट दी। उन्हें अनुभवी शम्स मुलानी (45 रन पर दो विकेट) और तुषार देशपांडे (36 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला, जिससे दिल्ली ने आखिर नौ विकेट 110 रन पर गंवा दिए।

सिराज ने झटके चार विकेट

हैदराबाद ने मोहम्मद सिराज के 56 रन पर चार विकेट से छत्तीसगढ़ की पारी को 283 रन पर समेट दिया। छत्तीसगढ़ के लिए प्रतीक रावल ने 106 और विकल्प तिवारी ने 94 रन बनाए। हैदराबाद ने इसके जवाब में बिना किसी नुकसान के 56 रन बना लिए। पुडुचेरी में करण कनन (37 रन पर पांच विकेट) और सागर उदेशी (54 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से राजस्थान को 164 रन पर आउट करने के बाद पुडुचेरी ने दो विकेट पर 77 रन बना लिए। अन्य मैच में अमनजोत सिंह चहल के नाबाद 77 रन की मदद से पंजाब ने कर्नाटक के खिलाफ नौ विकेट पर 303 रन बनाए। एक समय पर पंजाब का स्कोर छह विकेट पर 168 रन था, लेकिन इसके बाद अमनजोत ने एक छोर संभालकर बल्लेबाजी की। अभिजीत गर्ग (81) और कप्तान उदय सहारन (44) ने शीर्षक्रम पर अच्छी पारियां खेली, लेकिन मध्यक्रम चल नहीं सका। वहीं चंडीगढ में जयदेव उनादकट के चार विकेट की मदद से सौराष्ट्र ने चंडीगढ को 136 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 167 रन बना लिए हैं।

ध्रुव जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश के 237 रन

नागपुर। भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिए बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाए। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिए थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे। इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी की।

चैंपियंस लीग फुटबॉल: शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने लगातार आठवीं जीत दर्ज की

एमबापे के दो गोल के बावजूद हारा रियाल मैड्रिड

लंदन, जेएनएन। स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे के दो गोल के बावजूद रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में बेनफिका से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच से पहले रियाल मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर था, लेकिन अब वह नौवें स्थान पर खिसक गया, जो अंतिम 16 में सीधे प्रवेश पाने से एक स्थान नीचे है। बेनफिका की तरफ से यूक्रेन के गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में गोल किया। इससे बेनफिका गोल अंतर के आधार पर 24वें स्थान पर पहुंच गया और उसने प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। अनातोली ने जब गोल किया तब रियाल मैड्रिड नौ खिलाड़ियों

के साथ खेल रहा था। इससे कुछ मिनट पहले ही राउल असेंसियो और रोड्रिगो को लाल कार्ड दिखाए गए थे। स्पोर्टिंग लिस्बन ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की, जिससे रियाल मैड्रिड शीर्ष आठ से बाहर हो गया। स्पोर्टिंग ने अप्रत्याशित रूप से लिवरपूल, टॉटेनहम, बार्सिलोना, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के साथ शीर्ष आठ में जगह पक्की कर ली। तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने कैरात अल्माटी को 3-2 से हराकर लगातार आठवीं जीत दर्ज कीं।

टी-20 विश्व कप: पाक के बहिष्कार की संभावना कम, कोलंबो रवाना होगी टीम

लाहौर, जेएनएन। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है, जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने भारत में खेलने को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की 'सुरक्षा चिंताओं' पर पूरा समर्थन जताया है, लेकिन आईसीसी में अपनी स्थिति को नुकसान पहुंचाए बिना वह इससे आगे कुछ नहीं कर सकता। बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता भी है, जिसके तहत 2027 तक आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत-पाकिस्तान के सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। सूत्र ने कहा कि इसमें ध्यान रखने वाली बात यह है कि पाकिस्तान का पूरा विश्व कप कार्यक्रम श्रीलंका में है, यहां तक कि अगर टीम फाइनल में पहुंचती है, तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा। ऐसे में वे टूर्नामेंट या भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार किस आधार पर करेंगे?

उम्मीद है कि पीसीबी शुक्रवार को भागीदारी की औपचारिक पुष्टि कर देगा। मीडिया के कुछ हिस्सों में अटकलें लगाई जा रही थीं कि पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट सकता है या भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है।

खेलो एमपी यूथ गेम्स: भोपाल के तैराकों ने दो स्वर्ण और दो रजत सहित जीते 7 पदक

पदक तालिका में इंदौर पहले और भोपाल दूसरे नंबर पर

भोपाल, खेप्र। भोपाल के तैराकों ने खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत आयोजित तैराकी स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित सात पदक जीते। इसमें दो रजत और दो कांस्य पदक भी शामिल हैं। इंदौर के शिशुकुंज स्विमिंग अकादमी केआर तरणताल में 27 से 31 जनवरी तक खेली जा रही तैराकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन 50 मीटर फ्रीस्टाइल बालक ग्रुप-2 में भोपाल के अर्णव चौधरी और वाणी जैन ने बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तीसरे दिन तक इंदौर 38 स्वर्ण, 17 रजत, 11 कांस्य पदक के साथ पहले स्थान पर है। जबकि सात स्वर्ण, तीन रजत और 13

कांस्य के साथ भोपाल दूसरे पर काबिज है। नीमच 4 स्वर्ण, 14 रजत और 16 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

क्याकिंग एंड कैनोइंग खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

शहर के छोटे तालाब पर आयोजित क्याकिंग एंड कैनोइंग स्पर्धा में दूसरे दिन क्याक के1 गर्ल्स 500 मीटर, के2 गर्ल्स 500 मीटर सी2 बॉयज 500 मी और कायक 2 बॉयस के फाइनल रेसस हिट्स व फाइनल हुए।

मप्र ऑल इंडिया वेटरंस हॉकी के फाइनल में

भोपाल, खेप्र। फरहान अंसारी, आमिर दुर्रानी, फैसल और अमृत कीरो के गोल की मदद से एलजीएस मप्र ने सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान महाराष्ट्र को 4-2 से हराकर आल इंडिया वेटरन हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां शुक्रवार को उसका सामना तेलंगाना से होगा।

पुणे में आयोजित इस टूर्नामेंट में मप्र की ओर फारवर्ड खेल रहे दुर्रानी ने पहला गोल दाग कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद फरहान की स्टीक से गोल आया। बाद में फैसल और अंत में अमृत कीरो ने दनदनाता गोल दागकर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एलजीएस मप्र ने केरल को 12-0 से रौंदा। इसमें फरहान अंसारी ने पांच गोल दागे।

आरएनटीयू ने भरथियार यूनिवर्सिटी को हराया

भोपाल, खेप्र। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) की महिला टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भरथियार यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर (तमिलनाडु) को 3-2 के अंतर से पराजित किया। मैच में आरएनटीयू की ओर से करमनप्रीत कौर, साक्षी जैन एवं दीक्षा भार्गव ने एक-एक महत्वपूर्ण गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट में आरएनटीयू का अगला लीग मुकाबला 30 जनवरी को रांची यूनिवर्सिटी, रांची (झारखंड) के विरुद्ध खेला जाएगा।

एशिया लीजेंड्स कप

भारत ने श्रीलंका को छह विकेट से हराया

भोपाल के जतिन और कलीम का ऑलराउंड प्रदर्शन

भोपाल, खेप्र। भारतीय लीजेंड्स क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को छह विकेट से हराकर एशिया लीजेंड्स कप में विजयी आगाज किया। बैंकाक क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 98 रन बनाए। समिथ ने 19 गेंद पर 31 रन की पारी खेली। भारत के मोहम्मद कलीम खान ने तीन और नरेंद्र मीणा ने दो विकेट लिए। अमरदीप सोनकर व भोपाल के जतिन सक्सेना ने एक-एक विकेट झटका। जवाब में भारत ने 17.4 ओवरों में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कलीम ने 32 रनों की पारी खेली, जबकि जतिन ने 31 रनों का योगदान दिया। कलीम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि बेस्ट स्ट्राइकर जतिन सक्सेना रहे।

रेल परियोजना की आज समीक्षा करेंगे उप मुख्यमंत्री

रीवा। ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के अन्तर्गत सीधी एवं सिंगरौली जिले के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक 30 जनवरी को आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल करेंगे। बैठक नवीन सर्किट हाउस रीवा के सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से होगी। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय न्यास एलएलसी की बैठक 4 फरवरी को

रीवा। राष्ट्रीय न्यास लोक लेवल कमेटी की बैठक 4 फरवरी को आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर कमेटी की चेयरपर्सन प्रतिभा पाल करेंगी। बैठक सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में विधिक संरक्षक के आवेदनों पर विचार, निरामया बीमा, लीगल गार्जियनशिप के बारे में जागरुकता बढ़ाने के संबंध में चर्चा की जाएगी।

दो पूर्व सरपंच सहित पांच के विरुद्ध जेल वारण्ट

पंचायत अकौरी एवं हरदोली जनपद जवा में किये गये वित्तीय घोटाले का मामला

दो पंचायत सचिवों का छीना वित्तीय अधिकार, एक उपयंत्री को नोटिस थमाया

जागरण, रीवा

विहित प्राधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर द्वारा जिले के दो पूर्व सरपंच सहित अन्य चार व्यक्तियों के विरुद्ध निर्माण कार्य की राशि का गबन करने व राशि न जमा करने पर वारंट जारी किया गया है। सीईओ द्वारा इन चारों को कम से कम एक माह या फिर गबन की राशि नहीं जमा करने तक जेल में रखने के आदेश दिये गये हैं। सीईओ द्वारा की गई इस कार्यवाही से जिले भर में हड़कंप मच गया है। बताया गया है कि सीईओ द्वारा जिले के जनपद पंचायत जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौरी की पूर्व सरपंच ललिता देवी एवं ग्राम पंचायत हरदोली के पूर्व सरपंच रमेश कुमार के साथ ही अकौरी के पूर्व सचिव राजकुमार प्रजापति व प्रतिभा उर्मलिया, पूर्व सहायक लेखाधिकारी जनपद जवा राजबहोर मिश्रा एवं प्रोपराइटर अवधेश ट्रेडर्स जवा अवधेश सिंह के विरुद्ध वारंट जारी कर थाना प्रभारी को संबंधितों को सेंट्रल जेल रीवा में सुपुर्दगी किया जाकर अवगत कराने के आदेश दिए हैं।

जिला पंचायत सीईओ द्वारा जेल अधीक्षक रीवा को लिखे गये पत्र में कहा गया है कि पंचायत के सेवक की हैसियत से पंचायत का अभिलेख या धन अपनी अभिरक्षा में रखता है नीचे दी गई अनुसूची में विनिर्दिष्ट अभिलेख या धन पंचायत को तत्काल सौंपने या प्रदान करने के लिए कई बार नोटिस दी गई लेकिन अभिलेख प्रदान करने या उसने धन प्रदान करने से इंकार करने पर गिरफ्तार किया गया है तथा अभिरक्षा में न्यायालय के समक्ष लाया गया है। इन्हें अपनी अभिरक्षा में लकर अधिक से अधिक तीस दिन की कालावधि के लिए या उक्त धन प्रदान किए जाने तक सिविल जेल में परिरुद्ध रखा जाय।

बरांव सचिव का वित्तीय अधिकार समाप्त

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद पंचायत हनुमना की ग्राम पंचायत बरांवके सचिव शिवनारायण साकेत के वित्तीय अधिकार समाप्त करने के आदेश दिए हैं। श्री साकेत सचिवीय कार्य यथावत करते रहेंगे। ग्राम पंचायत सचिव श्री साकेत द्वारा विकास कार्यों के लिए आवंटित चार लाख 56 हजार 720 रुपए की राशि का अवैध रूप से आहरण किया गया। प्रकरण की जाँच कराए जाने पर श्री साकेत को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। अवैध रूप से आहरित राशि जमा करने तक श्री साकेत के वित्तीय अधिकार समाप्त रहेंगे।

ग्राम पंचायत सचिव का वित्तीय अधिकार समाप्त

रीवा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद पंचायत जवा के ग्राम पंचायत सचिव इटौरी एवं ग्राम पंचायत बाबा की बरौली (अतिरिक्त वित्तीय प्रभार) हरिहर बारी के वित्तीय अधिकार समाप्त करने के आदेश दिए हैं। सचिव द्वारा पूर्व में जनपद पंचायत जवा की ग्राम पंचायत लूक में पद पर रहते हुए वित्तीय अनियमितता की गई थी। जाँच कराए जाने पर सचिव को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। जिस पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा राशि की वसूली होने तक सचिव का ग्राम पंचायत इटौरी एवं ग्राम पंचायत बाबा की बरौली (अतिरिक्त वित्तीय प्रभार) के वित्तीय अधिकार समाप्त करने के आदेश दिए गए हैं। श्री बारी वर्तमान में ग्राम पंचायत के अन्य सचिवीय कार्य यथावत करते रहेंगे।

उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद पंचायत जवा के उपयंत्री राजेश साकेत को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एक बगिया माँ के नाम परियोजना की समीक्षा के दौरान उपयंत्री द्वारा अपेक्षित प्रगति न होने तथा श्रमिकों को समय पर मजदूरी का भुगतान व सामग्री का भुगतान न करने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर समक्ष में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत द्वारा दिए गए हैं।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

किसी को दिल देने का गाना ही तो गाया है हंगामा क्यों बरपा

सोशल मीडिया में वायरल हो रही ट्रैफिक थाना प्रभारी की कथित रील

जागरण, रीवा। सब गाते हैं मैडम ने भी गाया। किसी को दिल देने का गाना ही तो गाया। इसमें ऐसा क्या था की हंगामा बरपा। यह जरूर है कि वह वर्दी में ही दिल की आवाज को गीतों में बयां कर रहीं थी। शायद यही कारण है कि हंगामा मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि उक्त रील शहर की यातायात थाना प्रभारी अनीमा शर्मा की है। उक्त रील वास्तविक है या एनीमेटेड एआई टूल्स से तैयारी की इसकी पुष्टि हम नहीं करते यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। वैसे भी किसी के निजी जीवन की बातों को बाहर लाना उचित नहीं कहा जा सकता। चूंकि डीजीपी एमपी ने कुछ दिनों पूर्व ही यह आदेश जारी किया था कि यदि कोई पुलिस कर्मी वर्दी पहन रील बनाता है या को वीडियो सोशल मीडिया में शेयर करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। यदि रील जन जागरुकता को लेकर है को छोड़कर। एक रील इन दिनों सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। वर्दी में फिल्मी गाना गाती ट्रैफिक इंचार्ज रीवा नजर आ रहीं हैं। हालांकि यह वायरल वीडियो कब का और कहां का है, जागरण इसकी पुष्टि नहीं करता। सोशल मीडिया में यातायात थाना प्रभारी गाड़ी में फिल्मी गाना गाते नजर आ रहीं हैं। इसे लेकर तरह- तरह की चर्चाएं भी गर्म हैं। एक ओर पुलिस मुख्यालय से स्पष्ट आदेश है कि ड्यूटी के दौरान या वर्दी पहनकर किसी भी तरह की रील या आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं किए जाएं। बहरहाल वीडियो वायरल होने के बाद अब कोई इसे पर्सनल बता रहा है तो कोई यह कह रहा है कि पुलिस अधिकारियों का आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित है। इसके पूर्व भी कई पुलिस अधिकारी वर्दी में इस तरह की रील वायरल कर चुके हैं, लेकिन एक्शन नहीं होने के कारण अनुशासन का पालन नहीं किया जाता। फिलहाल यातायात थाना प्रभारी का सोशल मीडिया में वायरल वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

कौन है विकास सिंगोर

विकास सिंगौर नाम के एक एसआई की रील अक्सर सोशल मीडिया में वायरल होती रहती है। विभागीय लोगों की माने तो यह तो संवेदनशील स्थानों में भी रील बना कर वायरल कर देते हैं। इनकी कोई रील मोटीवेशनल भी नहीं होती। यह केवल स्वयं का प्रदर्शन करते नजर आते हैं। कभी रीवा तो कभी भोपाल।

हाईवे में हादसे का शिकार हुए बाइक सवार दो युवकों की मौत

रीवा- मनगवां हाईवे में जोगिनहाई के पास हुई घटना

जागरण, रीवा। हाइवे में तेज रफ्तार आए दिन लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। बीती रात बाइक सवार दो युवक रीवा–मनगवां हाईवे में सड़क हादसे का शिकार हो गए। हालांकि युवकों को किस वाहन ने टक्कर मारी, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया गया कि जोगिनहाई के पास युवक गंभीर अवस्था में सड़क के डिवाइडर के पास मिले थे, जिन्हें गंभीर अवस्था में संजय गांधी अस्पताल भिजवाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत उन्हे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक रीवा मनगवां हाईवे पर रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोगनहाई के समीप बीती रात्रि हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। बताया गया कि इस हादसे में बाइक सवार अखंड प्रताप सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम भटवा थाना गढ़ और गोरेलाल कोल उम्र 25 वर्ष शिकार हो गए। बताया गया कि बाइक सवार युवक मनगवां की ओर जा रहे थे, इसी दौरान सड़क हादसे का शिकार हो गए। बताया गया है कि बीती रात्रि तकरीबन 8 बजे दोनों युवक जोगनहाई के समीप सड़क हादसे का शिकार हो गये। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया की बाइक सवार युवक बाइक सहित डिवाइडर के ऊपर पड़े हैं और गंभीर रूप से घायल हैं। जिन्हें उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल भेजा गया जहां दोनों युवकों की मौत हो गई। फिलहाल रायपुर कर्चुलियान पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की विवेचना में लगी हुई है।

नागपुर जा रही बस में बाइक सवार बदमाशों ने की तोड़फोड़

अमरपाटन में सामने आई घटना, चालक सहित तीन घायल

जागरण, रीवा। रीवा से नागपुर जा रही बस में बाइक सवार अज्ञात युवकों ने तोड़फोड़ करते हुए चालक व परिचाल के साथ मारपीट की। घटना मैहर जिले अमरपाटन थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 30 में ग्राम पड़हा के पास की बताई गई है। बताया गया कि रीवा से नागपुर जा रही विजयंत ट्रेवल्स की बस को जबर्दस्ती हाईवे पर रोक लिया और आधा दर्जन से ज्यादा युवकों को बुला कर बाइक सवार युवकों ने बस में जमकर तोड़फोड़ की। घटना में चालक सहित एक अन्य के सिर पर गंभीर चोट आई है। घटना के दौरान बस में बैठे यात्री दहशत में रहे। घायल चालक व कंडक्टर के साथ की गई मारपीट में दोनों घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन में भर्ती कराया गया है, वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और बदमाशों की तलाश शुरू की। बताया जा रहा है कि बस में तोड़फोड़ करने के बाद बाइक सवार 3 युवक भी दुर्घटना का शिकार हुए हैं। बस चालक का कहना था कि ग्राम अहिरगांव से आरोपी पीछा कर रहे थे और आगे आकर बस के सामने बाइक लगाकर बस को रोक लिया, इसके बाद आरोपियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिसमे तीन लोग घायल हुए हैं। चालक ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी 18 हजार रुपए भी छुड़ा ले गए हैं। फिलहाल अब पुलिस पूरी घटना की जांच कर सच्चाई का पता लगाने में जुटी है।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच चली लाठियां, 5 घायल

नईगढ़ी थाना क्षेत्र के लालगंज गांव की घटना

जागरण, रीवा। नईगढ़ी थाना क्षेत्र के लालगंज गांव में गुरुवार सुबह जमीनी विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। बाड़ी लगाने को लेकर चल रहे पुराने विवाद में दो पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठियां चलने लगीं। लाठी-डंडों से हुई इस झड़प में एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस की 112 डायल सेवा की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह मुस्लिम और यादव परिवार के बीच जमीनी विवाद को लेकर पहले आपसी बहस हुई। और देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट की इस घटना में यादव परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। घायलों में सुरेश यादव 32 वर्ष, लालू यादव 36 वर्ष, राममिलन यादव 70 वर्ष निशा यादव 35 वर्ष और गज्जू यादव 60 शामिल हैं। वहीं दूसरे पक्ष से दो लोगों को चोट होना बताया गया है। सभी को हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी भिजवाया गया ।

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक घायल

रीवा। बस का इंतजार कर रहे युवक को गुरुवार की दोपहर करीब 2.30 बजे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी। घटना सोहागी थाना क्षेत्र के त्योथर के पास की है। बताया गया कि टक्कर इतनी तेज थी कि अधेड़ 10 फीट नीचे खाई में गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक रीवा के लिए बस का इंतजार कर रहे त्योंथर निवासी कुंज बिहारी पाण्डेय उम्र 46 वर्ष को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी स्थित गंभीर बताई जा रही है।

खुलेआम घूम रहे मारपीट के आरोपी, पीड़ितों ने एसपी से जानमाल की सुरक्षा के लिए लगाई गुहार

सेमरिया थाना क्षेत्र के पथरखेर में सामने आई थी घटना

जागरण, रीवा। सेमरिया थाना क्षेत्र के पथरखेर गांव से पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मारपीट के आरोपियों पर कार्रवाई और जानमाल की सुरक्षा के लिए न्याय की गुहार लगाई है। लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। पीड़ित वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 26 जनवरी 2026 को ग्राम पथरखेर थाना सेमरिया क्षेत्र में उनके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई थी। इस घटना में हेमराज सिंह समेत अन्य लोग घायल हुए, जिनका इलाज अभी भी अस्पताल में जारी है। मामले में सेमरिया थाने में अपराध क्रमांक 56/26 एवं 57/26 दर्ज किया लेकिन अब भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों द्वारा लगातार धमकियां दी जा रही हैं, जिससे पूरा परिवार भय के माहौल में जी रहा है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से न्याय प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं, उनका कहना है कि थाने के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। पीड़ित परिवार ने पुलिस से कार्रवाई के लिए मदद की गुहार लगाई

हॉस्पिटल में हुई चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश

जागरण, रीवा। बिछिया पुलिस ने जिला अस्पताल रीवा में हुई चोरी का पर्दाफाश कर आरोपी के कब्जे से एसी की पाइप सहित सामग्री बरामद की है। घटना की शिकायत रविन्द्रनाथ मिश्रा सहायक प्रबंधक जिला अस्पताल रीवा ने बिछिया थाना में दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया था कि बीते माह 22 दिसंबर की रात अज्ञात चोर जिला अस्पताल बिछिया में लगे एसी के पाइपों के तांबे को काटकर चुरा ले गए। शिकयत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 303(2) बी.एन.एस. का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जिसके बाद बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय की पुलिस टीम ने संदेही मकसूद खान पिता महमूद खान उम्र 20 वर्ष निवासी नारायण चक्की के पास बिछिया को पुलिस अभिरक्षा में लिया और घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ किया गया, जिसके बाद आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने एसी. की पाइपों का तांबा करीबन 10 किलो 600 ग्राम वजन का बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है।

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
उपलब्ध सुविधाएं
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
पता: श्रवण कुमारी स्कूल के पास, गुड़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध विभाग
हड्डी रोग (आर्थोपेडिक्स) | जनरल मेडिसिन | पॉलीट्रामा
प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी | जनरल सर्जरी | पल्मोनरी
कैंसर रोग एवं कीमोथैरेपी | यूरोलॉजी | मेडिसिन
पीडियाट्रिक
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा
अपॉइंटमेंट के लिए सम्पर्क करें: 07662-314775, 7771000668

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
उपलब्ध सुविधा
एंडोस्कोपी
कोलोनोस्कोपी
फाइब्रोस्केन
ERCP
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now 8770352872, 7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

कामता मल्टी स्पेशलिटी क्लीनिक एन्ड डायग्नोस्टिक, रीवा में
ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग परामर्श OPD
8 फरवरी, रविवार
डॉ. सचिन सिंह
ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग सुपर स्पेशलिस्ट
प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को
सुबह 10 बजे 2 बजे तक
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
मो.: 9399312433, 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गड्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपतियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
IUI, IVF, ICSI
फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर
एग फ्रीजिंग
एंब्रियो फ्रीजिंग
स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com